Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 15 अंक 76
लखनऊ, शनिवार, 4 जनवरी 2025
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ, नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय-10

निमिषा प्रकरण पर विदेश मंत्रालय ने कहा घटनाक्रम पर हम करीब से नजर रख रहे हैं

फोटोः रंजन डिमरी

प्रदूषण बढ़ा, ग्रैप-थ्री लागू

राजेश कुमार। नई दिल्ली

जैसे ही वायु गुणवत्ता सूचकांक 371 पर बहुत खराब हो गया, वायु प्रदूषण में वृद्धि के बीच, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने तत्काल प्रभाव से ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के चरण तीन को लागू कर दिया। ग्रैप के चरण तीन के भाग के रूप में, निजी वाहन मालिकों के लिए जो अभी भी बीएस 3 पेट्रोल कार या बीएस 4 डीजल कार चलाते हैं, उनके लिए दिल्ली और एनसीआर जिलों में वाहन चलाना तत्काल प्रभाव से सीमा से बाहर है। हालाँकि, विकलांग लोगों को इन प्रतिबंधों से छूट दी गई है। इसके अलावा, राजधानी में बीएस-4 या पुराने मानकों वाले गैर-जरूरी डीजल चालित मध्यम माल वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

सर्दियों की शुरुआत से ही धुंध और खराब वायु गुणवत्ता से जूझ रही राष्ट्रीय राजधानी स्विस समूह की शुक्रवार की लाइव रैंकिंग में दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में तीसरे स्थान पर है। इस बीच, दिल्ली हवाई अड्डे पर 500 से अधिक उड़ान सेवाओं में देरी हुई और पूरे उत्तर भारत में दर्जनों ट्रेनें प्रभावित हुईं क्योंकि कड़ाके की ठंड ने दिल्ली सहित उत्तर भारत पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है, क्षेत्र में घना कोहरा छाया हुआ है और तापमान में और गिरावट आई है। फ्लाइटरडार24 के आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी के हवाई अड्डे पर लगभग 145 लोगों के आगमन में देरी हुई। इसके अलावा, इस हवाई अड्डे पर लगभग 394 उड़ानों में भी देरी हुई। विलंबित उड़ानों की संख्या और बढ़ने की आशंका है.दिल्ली में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि अधिकतम तापमान 21.2 डिग्री सेल्सियस रहा. पालम में अधिकतम तापमान 17.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस रहा।भारत मौसम विज्ञान विभाग और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के पूर्वानुमानों के अनुसार, प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों के कारण वायु गुणवत्ता की स्थिति और खराब होने का अनुमान है।

तदनुसार, हवा की गुणवत्ता में और गिरावट को रोकने के प्रयास में और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में, जीआरएपी पर उप-समिति इसके द्वारा स्टेज- तीन (दिल्ली की 'गंभीर' वायु गुणवत्ता) के तहत सभी कार्रवाइयों को लागू करने का निर्णय लेती (शेष पृष्ठ 9)

सीबीआई को राज्य की मंजूरी की जरूरत नहींः सुप्रीम कोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को राज्यों के विभिन्न क्षेत्रों में तैनात केंद्र के अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए राज्य सरकारों की अनुमति की आवश्यकता नहीं है।

न्यायमूर्ति सी.टी. रविकुमार और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने दो जनवरी को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश को पलट दिया जिसमें भ्रष्टाचार के मामले में दो केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सीबीआई जांच को रद्द कर दिया गया था।उसने कहा, तैनाती के स्थान पर ध्यान दिए बिना, पूर्वोक्त तथ्यात्मक स्थिति यह दर्शाती है कि वे केंद्र सरकार के कर्मचारी/केंद्र सरकार के उपक्रम के कर्मचारी थे और कथित रूप से उन्होंने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गंभीर अपराध किया है, जो एक केंद्रीय अधिनियम है। यह मामला आंध्र प्रदेश में कार्यरत केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सीबीआई द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी से उत्पन्न हुआ। उन्होंने सीबीआई के अधिकार क्षेत्र को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी, जिसमें तर्क दिया गया था कि दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (डीएसपीई अधिनियम) के तहत अविभाजित आंध्र प्रदेश राज्य द्वारा सीबीआई को दी गई सामान्य सहमति, विभाजन के बाद नवगठित आंध्र प्रदेश राज्य पर स्वत: लागू नहीं होती।

उच्च न्यायालय ने आरोपियों से सहमति जताते हुए, जिन पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था, प्राथमिकी रद्द कर दी और इस बात पर जोर दिया कि आंध्र प्रदेश से नए सिरे से सहमति लेना आवश्यक है। यायमूर्ति रविकुमार, जिन्होंने 32 पृष्ठ का निर्णय लिखा था, उच्च न्यायालय की व्याख्या से असहमत थे तथा उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय ने सीबीआई की जांच के लिए राज्य से नए सिरे से सहमति मांगने में गलती की थी। इसमें कहा गया, ऐसी परिस्थितियों में और पहले से प्राप्त निष्कर्ष के आलोक में, 26 मई, 2014 के परिपत्र ज्ञापन के प्रावधानों के अनुसार, । जून, 2014 को अविभाजित आंध्र प्रदेश राज्य पर लागू सभी कानून तत्कालीन आंध्र प्रदेश के विभाजन के बावजूद नए राज्यों, अर्थात तेलंगाना और आंध्र प्रदेश पर तब तक लागू होते रहेंगे, जब तक कि उनमें परिवर्तन, निरसन या संशोधन नहीं किया जाता। पीठ ने कहा कि डीएसपीई अधिनियम के तहत राज्य द्वारा दी गई सामान्य सहमति केंद्रीय अपराधों से संबंधित सीबीआई जांच के लिए पर्याप्त है और इसके लिए नई सहमति जैसी राज्य-विशिष्ट औपचारिकताओं की आवश्यकता नहीं है।

नई दिल्ली में विभिन्न विकास परियोजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक आवास योजना के लाभार्थियों के साथ।

मोदी का केजरीवाल पर तीखा प्रहार, आप ने किया पलटवार

राजेश कुमार। नई दिल्ली

दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले बुनियादी ढांचे पर बड़ा जोर देते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अशोक विहार, सरोजिनी में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के फ्लैटों सहित 4,500 करोड़ रुपये की विकासात्मक परियोजनाओं का उद्घाटन करके भाजपा के लिए चुनावी बिगुल बजा दिया। इसमें नगर सरकारी क्वार्टर, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर और नए डीयू परिसर और कॉलेज शामि ल हैं। इसके साथ, पीएम मोदी ने केजरीवाल मॉडल के खिलाफ अपना मॉडल लॉन्च किया है, इस संदेह को दूर करते हुए कि इसका नेतृत्व कौन करेगा। दिल्ली को जीतना भाजपा के लिए महत्वपूर्ण है, जो पिछले 25 वर्षों से अधिक समय

से राजधानी की सत्ता से बाहर है।

आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल का नाम लिए बिना उन पर कटाक्ष करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि वह अपने लिए शीश महल बना सकते थे लेकिन उन्होंने लोगों को प्राथमिकता देने का फैसला किया। 'मैं भी कोई 'शीशमहल' बना सकता था। लेकिन मेरे लिए तो मेरे देशवासियों को पक्का घर मिले, यही एक सपना था। देश भलीभांति जानता है कि मोदी ने कभी अपने लिए घर नहीं बनाया, लेकिन गरीबों के लिए 4 करोड़ से ज्यादा घर बनाए हैं- पीएम मोदी प्रधानमंत्री ने एक नारा भी दिया 'आपदा को हटाना है, बीजेपी को लाना है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि अन्ना हजारे को सामने रखकर कुछ 'कट्टर बेईमान' लोगों ने राष्ट्रीय राजधानी को 'आपदा' की ओर धकेल दिया है। उन्होंने कहा, 'ये लोग दिल्ली के विकास के बारे में बात करते थे...ये आप, ये 'आपदा', दिल्ली पर आई है' और इसलिए दिल्ली के लोगों ने आपदा के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया है और दिल्ली को इससे मुक्त करने का मन बना लिया है। पीएम ने अशोक विहार के रामलीला मैदान में कार्यक्रम में बोलते हुए यह कहा। आप की हार का आह्वान करते हुए मोदी ने नारा दिया, 'आपदा को नहीं सहेंगे, बदल देंगे।'पीएम मोदी ने कहा, ये बेईमान (शेष पृष्ठ 9)

बाइडन परिवार को पीएम मोदी से मिला सबसे कीमती उपहार

एपी। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके परिवार को 2023 में विदेशी नेताओं से लाखों डॉलर के तोहफे मिले, जिनमें सबसे कीमती तोहफा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जिल बाइडन को दिया 20 हजार अमेरिकी डॉलर का हीरा है।

विदेश मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार को जारी किए गए वार्षिक लेखा-जोखा के अनुसार, मोदी की ओर से दिया गया 7.5 कैरेट का हीरा 2023 में राष्ट्रपति के परिवार के किसी भी सदस्य को मिला सबसे महंगा उपहार है। इसके अलावा बाइडन परिवार को अमेरिका में यूक्रेन के राजदूत से 14,063 अमेरिकी डॉलर का एक ब्रोच और मिस्र के राष्ट्रपति तथा प्रथम महिला से 4,510 अमेरिकी डॉलर का एक ब्रेसलेट , ब्रोच और फोटो एल्बम भी मिली।मंत्रालय के दस्तावेज के अनुसार, मोदी द्वारा भेंट किया गया 20 हजार अमेरिकी डॉलर का हीरा व्हाइट हाउस के ईस्ट विंग में रखा गया है जबकि राष्ट्रपति तथा प्रथम महिला को मिले अन्य उपहार अभिलेखागार में भेज दिए गए हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडन को स्वयं कई महंगे उपहार मिले। इनमें दक्षिण कोरिया के वर्तमान में महाभियोग का सामना कर रहे राष्ट्रपति यून सुक एओल से 7,100 अमेरिकी डॉलर का एक फोटो एल्बम, मंगोलियाई प्रधानमंत्री से 3,495 अमेरिकी डॉलर की मंगोल योद्धाओं की मूर्ति, ब्रुनेई के सुल्तान से 3,300 अमेरिकी डॉलर (शेष पृष्ठ 9)

यूनियन कार्बाइड अपशिष्ट निपटान के विरोध में दो ने की आत्मदाह की कोशिश

पीटीआई। धार (मध्यप्रदेश)

औद्योगिक शहर पीथमपुर में 337 टन यूनियन कार्बाइड अपशिष्ट के नियोजित निपटान के खिलाफ शुक्रवार को बंद के आह्वान के बीच दो लोगों ने कथित तौर पर खुद को आग लगा ली जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों और घटनास्थल पर बनाए गए वीडियो के अनुसार, धार जिले के शहर में अपशिष्ट निपटान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान दो लोगों ने अपने शरीर पर कुछ तरल पदार्थ डाला और खुद को आग लगा ली। धार के पुलिस अधीक्षक मनोज सिंह ने पीटीआई-भाषा के फोन का जवाब नहीं दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि दोनों लोगों को अस्पताल ले जाया गया। पीथमपुर बचाओ समिति द्वारा आहूत बंद के बीच शहर में दुकानें और बाजार बंद रहे। समिति का दावा है कि क्षेत्र में कार्बाइड अपशिष्ट के नियोजित दहन से स्थानीय लोगों और पर्यावरण को नुकसान होगा।

इंदौर से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित पीथमपुर की आबादी करीब 1.75 लाख है और पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में तीन सेक्टरों में करीब 700 कारखाने हैं। वर्ष 1984 में दो और तीन दिसंबर की मध्य रात्रि को भोपाल में यूनियन कार्बाइड

मध्य प्रदेश के पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड अपशिष्ट निपटान के विरोध में प्रदर्शन करते लोग।

कीटनाशक कारखाने से मिथाइल आइसोसाइनेट (एमआईसी) गैस लीक हुई थी, जिससे कम से कम 5,479 लोगों की मौत हो गई थी और हजारों लोग गंभीर और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं।

अधिकारियों ने कार्बाइड कारखाने के 337 टन कचरे को वैज्ञानिक निपटान के लिए पीथमपुर पहुंचाया है। हालांकि, इस कदम के विरोध में प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। कचरा बृहस्पतिवार को पीथमपुर स्थित एक भस्मीकरण इकाई में लाया गया। शुक्रवार को बंद के आह्वान के बीच दुकानें और बाजार बंद रहे। प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने आयशर मोटर्स के पास सड़क को अवरुद्ध कर दिया, लेकिन पुलिस ने उन्हें काबू में किया और हल्के लाठीचार्ज के साथ सामान्य यातायात बहाल किया। स अड्डे पर बृहस्पतिवार से भूख हड़ताल पर बैठे संदीप रघुवंशी ने कहा कि पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के कचरे का निपटान करने के खिलाफ उनके विरोध पर बड़ी संख्या में लोगों ने उनके साथ एकजुटता व्यक्त की है। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने तीन दिसंबर को उच्चतम न्यायालय सहित अन्य अदालती निर्देशों के बावजूद भोपाल में यूनियन कार्बाइड के कचरे को नहीं हटवाने के लिए अधिकारियों को फटकार लगाई थी। यह देखते हुए कि गैस त्रासदी के 40 साल बाद भी अधिकारी निष्क्रियता की स्थिति में हैं, मप्र उच्च न्यायालय ने कचरे को हटाने के लिए चार सप्ताह की समय सीमा तय की है। उच्च न्यायालय ने सरकार को चेतावनी दी है कि यदि उसके निर्देश का पालन (शेष पृष्ठ 9)

ड्राफ्ट डेटा सुरक्षा नियमों पर 18 फरवरी तक आपत्तियां आमंत्रित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने जनता से डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण नियम, 2025 के लिए प्रस्तावित मसौदा नियमों पर आपत्तियां और सुझाव भेजने के लिए कहा है। सार्वजनिक प्रतिक्रिया द्व4द्दश1.द्वठ्ठ पर प्रस्तुत की जा सकती है; मंत्रालय ने शुक्रवार को एक अधिसूचना में कहा कि मसौदा नियमों पर 18 फरवरी के बाद विचार किया जाएगा।

मसौदा नियमों की कुछ प्रमुख विशेषताओं में डेटा पर अधिक उपभोक्ता नियंत्रण शामिल है; उपयोगकर्ता अपने डेटा को हटाने का अनुरोध कर सकते हैं; कंपनियों को व्यक्तिगत डेटा के मामले में अधिक पारदर्शी होना चाहिए; उपभोक्ताओं को यह पूछने का अधिकार है कि उनका डेटा क्यों एकत्र किया जा रहा है, और डेटा उल्लंघन के लिए 250 करोड़ रुपये तक का भारी जुर्माना।

एक बार लागू होने के बाद, यह अधिनियम उपभोक्ताओं को अपने डेटा पर अधिक नियंत्रण के साथ सशक्त बनाएगा। उपयोगकर्ता डेटा को संभालने वाली कंपनियों को अपने पास मौजूद जानकारी का खुलासा करना होगा, जिससे उपयोगकर्ता इसे हटाने का अनुरोध कर सकें या उपयोग प्राथमिकताएं निर्दिष्ट कर सकें। इसके अतिरिक्त, उपभोक्ताओं को डेटा संग्रह के उद्देश्य, अनुमत उपयोग और इसे हटाने की समयसीमा के बारे में विवरण का अनुरोध करने का अधिकार होगा। 'डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण नियम, 2025' शीर्षक वाला मसौदा भारत के भीतर व्यक्तिगत डेटा प्रसंस्करण और भारत में व्यक्तियों को सामान या सेवाएं प्रदान करने वाली संस्थाओं पर लागू होता है। नियमों में विस्तृत जवाबदेही उपाय स्थापित करते हुए डेटा फिड्युशियरी, डेटा प्रोसेसर और सहमति प्रबंधक शामिल हैं।नियमों से कानून के विभिन्न प्रावधानों पर स्पष्टता प्रदान करने की उम्मीद की जाती है, जिसमें व्यक्तियों को डेटा प्रत्ययी द्वारा नोटिस, सहमति प्रबंधक के पंजीकरण और दायित्व, बच्चों के व्यक्तिगत डेटा का प्रसंस्करण आदि शामिल हैं। नियमों से डेटा संरक्षण बोर्ड की स्थापना, अध्यक्ष और बोर्ड के अन्य सदस्यों की नियुक्ति और सेवा शर्तों के संबंध में स्पष्टता प्रदान करने की भी उम्मीद है। विनियमों का उद्देश्य डेटा सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं को संबोधित करना है। इनमें शामिल है कि कैसे संगठनों को डेटा संग्रह, सहमति प्रबंधन के लिए रूपरेखा और बच्चों की व्यक्तिगत जानकारी के प्रसंस्करण के लिए सुरक्षा उपायों के बारे में व्यक्तियों को सूचित करना (शेष पृष्ठ 9)

बिकवाली से बाजार गिरा, सेंसेक्स 720 अंक लुढ़का

पीटीआई। मुंबई

कमजोर वैश्विक संकेतों और रुपए में गिरावट जारी रहने के बीच शुक्रवार को बैंकों एवं आईटी शेयरों में बिकवाली होने से शेयर बाजारों में गिरावट रही। सेंसेक्स में 720 अंक की गिरावट आई जबकि निफ्टी 184 अंक फिसल गया।विश्लेषकों ने कहा कि निवेशकों ने अगले हफ्ते तिमाही नतीजे आने का सिलसिला शुरू होने के पहले अपने जोखिम को कम किया। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में लगातार आ रही कमजोरी ने भी धारणा को प्रभावित किया। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स सकारात्मक शुरुआत के बावजूद 720.60 अंक यानी 0.90 प्रतिशत गिरकर 79,223.11 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 833.98 अंक गिरकर 79,109.73 पर आ गया था।नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 183.90 अंक यानी 0.76 प्रतिशत गिरकर 24,004.75 पर बंद हुआ। इसके साथ ही कारोबारी सप्ताह का समापन गिरावट के साथ हुआ। उतार-चढ़ाव से भरे इस सप्ताह में सेंसेक्स में कुल 524.04 अंक यानी 0.66 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्ज की गई जबकि निफ्टी 191.35 अंक यानी 0.80 प्रतिशत चढ़ा।सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से जोमैटो, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मा, लार्सन एंड टूब्रो, एचसीएल टेक और आईटीसी में गिरावट रही। दूसरी तरफ, टाटा मोटर्स, नेस्ले, टाइटन, हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा,"डॉलर में मजबूती, बाजार के उच्च मूल्यांकन और एक साथ कई संपत्ति श्रेणियों में निवेश के प्रति बढ़ते रुझान से बाजार में ऊंचे स्तर पर बिकवाली का रुख देखा जा रहा है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व भी निकट भविष्य में ब्याज दर में कटौती को लेकर जल्दबाजी दिखाता हुआ नहीं नजर आ रहा (शेष पृष्ठ 9)

भीख से ट्रैफिक प्रबंधन तक, 39 ट्रांसजेंडरों ने लिखी नई इबारत

पीटीआई। हैदराबाद

शहर की सड़कों पर भीख मांगने से लेकर उन्हीं स्थानों पर यातायात प्रबंधन करने तक हैदराबाद में 39 ट्रांसजेंडर के लिए सशक्तीकरण की यह एक अविश्वसनीय यात्रा रही है, जिन्हें शहर की पुलिस की मदद के लिए यातायात सहायक के रूप में शामिल किया गया है।

प्रायोगिक आधार पर यातायात सहायक के रूप में नियुक्त ट्रांसजेंडरों का कहना है कि अब उन्हें नागरिकों से सम्मान मिलता है, जबकि अतीत में उन्हें गंभीर भेदभाव और अपमान का सामना करना पड़ता था। ट्रांसजेंडर यातायात सहायक निशा ने शुक्रवार को पीटीआई-भाषा से कहा, यह बहुत अच्छी बात है कि हम उन जगहों पर भी यातायात का प्रबंधन कर रहे हैं जहां हम पहले भीख मांगते थे।

यहां पटनी सेंटर में काम करने वाली निशा ने ट्रांसजेंडर समुदाय को अवसर देने के लिए तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी का आभार जताया। बारहवीं कक्षा तक पढ़ाई कर चुकी निशा ने बताया कि उन्हें समाज में, कॉलेज में, दोस्तों और यहां तक कि माता-पिता द्वारा भी भेदभाव का सामना करना पड़ा। निशा ने कहा, मेरे माता-पिता ने मुझे स्वीकार नहीं किया। लेकिन, अब उन्होंने मुझे

हैदराबाद में एक ट्रांसजेंडर यातायात सहायक यातायात का प्रबंधन करता हुआ।

स्वीकार कर लिया है। मेरे दोस्त मुझसे दूर रहते थे। लेकिन, अब वे मुझे संदेश भेजा करते हैं और संपर्क में रहते हैं। नौकरी मिलने के बाद मेरे रिश्तेदार और दूसरे लोग मेरी तारीफ कर रहे हैं। यह आश्चर्य की बात है। मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकती। एक अन्य यातायात सहायक सना ने कहा कि यह उनके लिए गर्व की बात है कि उन्हें नागरिकों से सम्मान मिलता है, जबकि पहले लोग उनसे बात करने में भी झिझकते थे।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) पी विश्व प्रसाद ने पीटीआई-भाषा को बताया कि ट्रांसजेंडर यातायात सहायक अच्छा काम कर रहे हैं और करीब 10 दिन पहले उनकी नियुक्ति के बाद से कोई शिकायत या कोई असामान्य बात नहीं आई है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने कहा कि ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों को पेशेवर कौशल हासिल करने में कुछ समय लगेगा। वे समाज के साथ घुलना-मिलना चाहते हैं और अच्छा करना चाहते हैं। यह सब तब शुरू हुआ जब पिछले साल नवंबर में मुख्यमंत्री रेड्डी ने अधिकारियों से शहर के उच्च यातायात वाले क्षेत्रों में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को यातायात स्वयंसेवक के रूप में नियुक्त करने के लिए कहा था।

कासगंज में तिरंगा यात्रा के दौरान चंदन गुप्ता की हत्या का मामला

सलीम, वसीम व नसीम समेत सभी 28 आरोपियों को आजीवन कारावास

विधि संवाददाता। लखनऊ

वर्ष 2018 में कासगंज में तिरंगा यात्रा के दौरान चंदन गुप्ता की गोली मारकर की गई हत्या के मामले में एनआईए की विशेष अदालत ने सलीम, वसीम व नसीम समेत सभी 28 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही इन्हें जुर्माने से भी दंडित किया है।

बीते गुरुवार को विशेष अदालत ने इस मामले में सलीम, वसीम, नसीम, जाहिद उर्फ जग्गा, आसिफ कुरैली उर्फ हिटलर, असलम कुरैशी, अकरम, तौफीक, खिल्लन, शवाब, राहत, सलमान, मोहसिन, आसिफ जिमवाला, साकिब पुत्र अजीजुद्दीन, बबलू, नीशू, वासिफ, इमरान पुत्र इरफान, शमशाद, जफर, साकिर पुत्र इस्माइल, खालिद परवेज, फैजान, इमरान पुत्र अब्दूल कय्यूम, साकिर पुत्र मौ. सिद्दीक, मुनाजिर रफी व आमिर रफी को दोषी करार दिया था। साथ ही इन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया था। इस दौरान सलीम के गैरहाजिर रहने पर इसके विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। शुक्रवार को सजा पर हुई सुनवाई के दौरान आरोपी सलीम अदालत में हाजिर था। जबकि शेष आरोपी जेल से जरिए वीडियो कान्फ्रेसिंग पेश किए गए।

इन धाराओं में सुनाई गई है सजा

विशेष अदालत ने सभी 28 आरोपियों को आईपीसी की धारा 147 में दो वर्ष की कैद, 148 में तीन वर्ष की कैद, 341 में एक माह की कैद, 336 में तीन माह की कैद, 307 में 10 वर्ष की कैद व 20 हजार रुपए का जुर्माना, 302 में आजीवन कारावास की सजा व 50 हजार रुपए का जुर्माना, 504 में दो वर्ष की कैद, 506 में दो वर्ष की कैद जबकि राष्ट्रध्वज अपमान (निवारण) अधिनियम की धारा 2 में तीन वर्ष की कैद की सजा सुनाई है।

इसके साथ ही आर्म्स एक्ट में दोषी करार दिए गए आरोपी सलीम को सात वर्ष की कैद की सजा व 20 हजार रुपए का जुर्माना जबकि आरोपी मोहसिन, राहत, वसीम, बबलू, नसीम व सलमान को तीन वर्ष की कैद की सजा व 10 हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किया है। आरोपियों की सभी सजाएं एक साथ चलेंगी। इससे पूर्व सजा की बिन्दू पर सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से सरकारी वकील एमके सिंह व एलके दीक्षित ने आरोपियों के अपराध को गंभीर करार देते हुए उन्हें कठोरतम दंड देने की मांग की थी। जबकि बचाव पक्ष की ओर से कम से कम दंड देने की गुजारिश की गई थी। विशेष जज विवेकानन्द शरण त्रिपाठी ने अपने 129 पन्ने के फैसले में आरोपियों के अपराध को साम्प्रदायिक हिंसा करार देते हुए इसे समाज के लिए खतरा बताया है। उन्होंने कहा है कि 26 जनवरी 2018 को हिन्दू सम्प्रदाय मानने वालों के विरुद्ध दोषी आरोपी विधि विरुद्ध जमाव बनाकर साम्प्रदायिक हिंसा कर रहे थे। इनमें सात के पास तमंचा व कारतूसे भी थीं। जबकि शेष पत्थरबाजी व लाठी-डंडो से साम्प्रदायिक हिंसा फैला रहे थे। जिसमें चंदन की हत्या की गई।

साम्प्रदायिक हिंसा व हिंसा के अन्य रुप जैसे आतंकवाद, विद्रोह, उग्रवाद आदि के बीच सांठगांठ या सम्बन्ध होते हैं तथा इसमें हथियारों व विस्फोटकों का भी दुरुपयोग होता है। साम्प्रदायिक हिंसा के सबसे विनाशकारी परिणामों में मानव जीवन की हानि प्रमुख है। जैसाकि इस मामले में अभिषेक गुप्ता उर्फ चंदन गुप्ता की मौत मुस्लिम चरमपंथियों द्वारा की गई। ऐसी घटनाओं से व्यक्ति, परिवार और सम्पूर्ण समुदाय के मन मस्तिष्क पर गहरा असर पड़ता है। ऐसी हिंसाए ऐसा घाव छोड़ जाती हैं जो पीढ़ियों तक बने रहते हैं भारतीय समाज में बार-बार होने वाले ऐसे साम्प्रदायिक दंगो को रोकने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी भूमिका अदा करनी होगी। साथ ही विधायिका, न्यायपालिका एवं कार्यपालिका के अलावा विभिन्न धर्मो के प्रमुखों व समाजशास्त्रियों को भी साम्प्रदायिक दंगों को देश की प्रगति के लिए गंभीर अपराध मानकर प्राथमिकता के आधार पर इसके निवारण के लिए कठोर कदम उठाना होगा। लिहाजा इस अदालत का विचार है कि कासगंज की साम्प्रदायिक दंगे को मात्र एक छिटपुट एवं अचानक हुई घटना मानना उचित नहीं होगा। इसे पूर्व नियोजित घटना मानते हुए इस घटना के अपराधियों को स्थानीय, प्रादेशिक एवं राष्ट्रीय स्तर पर सख्त संदेश देने के आशय से उन्हे कठोर दंड से दंडित करना उचित होगा।

यह है मामला

26 जनवरी 2018 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर कासगंज में सुबह एक तिरंगा यात्रा निकाली गई थी। जिसकी अगुवाई अभिषेक गुप्ता उर्फ चंदन गुप्ता अपने भाई विवेक गुप्ता व अन्य साथियों के साथ कर रहा था। ये सभी दो पहिया वाहन पर अपने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय व वंदेमातरम का उद्घोष करते हुए जा रहे थे। इनकी यह यात्रा जैसे ही तहसील रोड से राजकीय बालिका इंटर कालेज गेट के समीप पहुंची, उसी समय हथियारों से लैस योजनाबद्ध तरीके से सलीम, वसीम, नसीम व अन्य अभियुक्तगणों ने यात्रा को रास्ता घेरकर रोक लिया। साथ ही यात्रा में शामिल युवकों के हाथों से तिरंगा छीनकर जमीन पर फेंक दिया। फिर पाकिस्तान जिंदाबाद व हिन्दुस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए हथियार तानकर धमकी दी। कहा कि इस रोड से निकलना है, तो पाकिस्तान जिंदाबाद कहना होगा। अभिषेक उर्फ चंदन गुप्ता ने इसका विरोध किया तो इन लोगों ने जान से मारने की नियत से पथराव व फायरिंग शुरु कर दी। एलान किया कि मार दो सालों को। इस उकसावे पर सलीम ने अपने हथियार से अभिषेक गुप्ता उर्फ चंदन गुप्ता को निशाना बनाकर गोली मार दी। जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया। मौका पाकर विवेक अन्य साथियों के साथ जान बचाकर अपने भाई चंदन को किसी तरह थाना कासगंज लेकर गया। वहां से तुरंत उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस हत्याकांड मामले की एफआईआर चंदन गुप्ता के पिता सुशील गुप्ता ने दर्ज कराई थी।

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में बनी नई खेल संस्कृतिः मुख्यमंत्री

- गोरखपुर में पहले मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का सीएम योगी ने किया लोकार्पण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में देश के अंदर एक नई खेल संस्कृति बनी है। पीएम मोदी ने खेलो इंडिया, फिट इंडिया मूवमेंट, सांसद खेल स्पर्धा के माध्यम से खेल की नई संस्कृति को आगे बढ़ाया है तो प्रदेश में राज्य सरकार भी खिलाड़ियों और खेल की गतिविधियों को लगातार प्रोत्साहित कर रही है।

सीएम योगी शुक्रवार को दोपहर बाद महानगर के भाटी विहार कॉलोनी में बने गोरखपुर के पहले मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के क्रम में राज्य सरकार ने ग्रामीण खेल लीग शुरू किया है। युवक मंगल दलों और महिला मंगल दलों के जरिये गांवों में खेलों का माहौल तैयार किया जा रहा है। हर गांव में खेल के मैदान बनाए जा रहे हैं। ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम और जिला स्तर पर स्टेडियम बनाने के लिए जमीन व धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार गोरखपुर में एक इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बनाने जा रही है। इसके अलावा कुछ माह में राप्ती नगर क्षेत्र में 33 एकड़ में एक बड़ा स्पोर्ट्स सेंटर भी बनना शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि सहजनवा में एक मिनी स्टेडियम का निर्माण चल रहा है। अन्य क्षेत्रों में भी मिनी स्टेडियम बनाने की प्रक्रिया चल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाटी विहार के मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का संचालन पीपीपी मोड पर कराया जाएगा। यहां खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण और अन्य सुविधाएं प्राप्त होंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खेल करियर बनाने का भी बेहतरीन माध्यम है। प्रदेश सरकार ओलंपिक, एशियाड, कॉमनवेल्थ गेम्स, वर्ल्ड चैंपियनशिप के पदक विजेता खिलाड़ियों को सीधे सरकारी नौकरी देती है। उन्होंने बताया कि 2022 के टोक्यो ओलंपिक में पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ी ललित उपाध्याय को सीधे डिप्टी एसपी बनाया गया है। इस बार की ओलंपिक पदक विजेता हॉकी टीम के खिलाड़ी राजकुमार पाल को भी सरकार डिप्टी एसपी बनाने जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अब तक 500 से अधिक खिलाड़ियों को यूपी पुलिस और अन्य सरकारी विभागों में नौकरी दी जा चुकी है।

सीएम योगी ने अपने संबोधन में खिलाड़ियों पर धनवर्षा करने के तथ्य को स्थापित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ओलंपिक की एकल स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतने वाले प्रदेश के खिलाड़ी को 6 करोड़, सिल्वर मेडल जीतने वाले को 4 करोड़ तथा ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले को 2 करोड़ रुपये की धनराशि देती है। टीम स्पर्धा में यह राशि क्रमशः 3 करोड़, 2 करोड़ और 1 करोड़ रुपये होती है।

एशियाड, कामनवेल्थ गेम्स, वर्ल्ड चैंपियनशिप के पदक विजेता को भी नकद पुरस्कार दिए जाते हैं। साथ ही इन स्पर्धाओं में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। खेल पुरस्कारों के लिए चुने गए खिलाड़ियों का उल्लेख करते हुए सीएम योगी ने कहा कि इस बार चार बड़े खिलाड़ियों को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न के लिए चुना गया है। इनमें उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी और पैरा ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाले प्रवीण कुमार भी हैं। अर्जुन पुरस्कार में एक ऐसे खिलाड़ी मुरलीकांत पेटकर को चुना गया जिन्होंने सत्तर के दशक में पैरा ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता था। लोग उन्हें भूल गए थे लेकिन पीएम मोदी ने उन्हें याद किया। मुख्यमंत्री ने बाबा राघव दास के नाम पर बने मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण भी किया। उन्होंने कॉम्प्लेक्स में इंडोर गेम्स के लिए जिम, एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक, बैडमिंटन कोर्ट, राइफल व पिस्टल शूटिंग रेंज, मल्टी परपज हाल आउटडोर गेम्स के लिए 300 मीटर का सिंथेटिक रनिंग ट्रैक, लॉन टेनिस कोर्ट आदि जायजा लिया।

योगी का सटीक निशाना, पहली ही बार 'बुल्स आई'

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

गोरखपुर के भाटी विहार कॉलोनी में नवनिर्मित मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसके शूटिंग रेंज में राइफल से लक्ष्य पर निशाना भी साधा। उनकी सटीक निशानेबाजी देख साथ में मौजूद लोग हतप्रभ रह गए। मुख्यमंत्री ने पहली ही बार में 'बुल्स आई' टारगेट कर दिया, यानी सौ फीसद सटीक लक्ष्य पर ही निशाना। मुख्यमंत्री की खेलों के प्रति खासी दिलचस्पी है। इसमें भी पारंपरिक भारतीय खेलों के साथ निशानेबाजी से उनका लगाव कई बार सार्वजनिक देखा जाता है। जब भी वह सैन्य प्रदर्शनियों और खेल एकेडमी या खेल केंद्रों में जाते हैं तो निशानेबाजी के अभ्यास से खुद को नहीं रोक पाते। शुक्रवार को गोरखपुर के भाटी विहार कॉलोनी में मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री जब मल्टीपर्पज हाल में बने शूटिंग रेंज में आए तो उन्होंने दस मीटर रायफल शूटिंग के रेंज पर निशानेबाजी में हाथ आजमाया। उनका पहला शॉट ही बुल्स आई रहा। उनके सटीक निशाने पर वहां मौजूद सभी लोग आश्चर्य चकितहोकर मुस्कराने लगे। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निरीक्षण के दौरान तथा सैनिक स्कूल के लोकार्पण के दौरान भी निशानेबाजी के अभ्यास में हाथ आजमा चुके हैं।

जनता की समस्याओं पर तत्काल हो कार्रवाईः मुख्यमंत्री

- कड़ाके की ठंड में भी आयोजित हुआ जनता दर्शन कार्यक्रम, योगी ने सुनीं 150 लोगों की समस्याएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

शुक्रवार को कड़ाके की ठंड के बावजूद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को नए साल के पहले जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान का भरोसा दिया। सबको आश्वस्त किया कि किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होगी। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि हर पीड़ित की समस्या पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। प्रतिकूल मौसम को देखते हुए इस बार जनता दर्शन का आयोजन मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में किया गया। यहां कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक फरियादी से मिले।

मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। यदि कोई किसी की भूमि पर जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसे अपनी कानून सम्मत सबक सिखाया जाए। गोरखपुर प्रवास के दौरान गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शुक्रवार सुबह दिनचर्या परंपरागत रही।

प्राकृतिक विधि के जल शोधन से नदी की शुद्धि के साथ करोड़ों की बचतः योगी

- मुख्यमंत्री ने किया राप्ती नदी में गिरने वाले नालों के जल शोधन की 2 करोड़ 70 लाख की परियोजना का शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राप्ती नदी में गिरने वाले नालों के प्राकृतिक विधि (फाइटोरेमिडीएशन तकनीकी) से जल शोधन की 2 करोड़ 70 लाख रुपये की नगर निगम की परियोजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्राकृतिक विधि से जल शोधन से नदी की शुद्धि के साथ करोड़ों रुपए की बचत भी होगी। इसमें न तो बिजली का खर्च आएगा और न ही मेंटिनेंस का।

तकियाघाट पर आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर में राप्ती नदी अविरल एवं निर्मल रहे, उसका जल स्वच्छ एवं सुदर रहे, इसके लिए जो प्रयास नगर निगम ने किया है वह सराहनीय है। यह बहुत बड़ा काम हुआ है। यह कार्य उर्वरता और जीवन को बचाने के लिए हुआ है। सीएम ने कहा कि महापुरूषों ने जल को जीवन माना है। प्रदूषित जल के कारण गोरखपुर के साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश में 1977 से लेकर 2017 तक 50 हजार मासूम बच्चे इंसेफेलाइटिस एवं वेक्टरजनित बीमारियों के कारण काल के गाल में समा गए। विषाणुजनित बीमारियों से होने वाली मौतों का कारण प्रदूषित जल और गंदगी था। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से स्वच्छ भारत मिशन पूरे देश में लागू हुआ। हर व्यक्ति को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति के लिए शहरी क्षेत्र में अमृत मिशन और ग्रामीण क्षेत्र में जल जीवन मिशन प्रारम्भ हुआ। हर घर नल योजना के माध्यम से घर-घर तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का कार्य किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज नामामि गंगे परियोजना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से नदी संस्कृति को बचाने का कार्य प्रारम्भ किया गया है। आज उसका परिणाम है कि दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक व आध्यात्मिक समागम उत्तर प्रदेश की धरती प्रयागराज में मां गंगा, यमुना और सरस्वती की त्रिवेणी पर महाकुम्भ के रूप में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक होने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि गोरखपुर में भी हमारी सभ्यता एवं संस्कृति नदी के तट पर बसी है। गोरखपुर राप्ती नदी व रोहिन नदी के तट पर बसा है। जो नदी हमारी सभ्यता व संस्कृति की जननी है, उसे शुद्ध करने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राप्ती नदी में प्रदूषित पानी गिरने के कारण पहले नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल नगर निगम पर लगातार जुर्माना कर रहा था। नगर निगम ने 110 करोड रुपये की लागत से एसटीपी बनने की तैयारी की थी। तब हमने कहा कि जल शोधन के लिए प्राकृतिक तरीका अपनाया जाए। आज उसका सुखद परिणाम सबके सामने है। पहले यहां पानी का बीओडी (बायो केमिकल ऑक्सीजन डिमांड) लेवल 350 तक पहुंच गया था और खतरनाक जहर से भी बदतर होकर वह खेतों में सिंचाई के लायक भी नहीं था। प्राकृतिक विधि से जल शोधन के बाद अब बीओडी लेवल शुद्ध स्थिति में आ गया है।

रुद्राभिषेक कर सीएम योगी ने की राष्ट्र कल्याण की कामना

- दूध, दही, घी, शर्करा और कई तीर्थ स्थलों के पवित्र जल से किया भोलेनाथ का अभिषेक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार प्रातः बेला में गोरखनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक कर भगवान भोलेनाथ से राष्ट्र कल्याण और सभी नागरिकों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। पौष माह की शुक्ल पक्ष चतुर्थी (विनायक चतुर्थी) के मान में हुए रुद्राभिषेक अनुष्ठान की पूर्णता सीएम योगी ने हवन करके की।

गोरखनाथ मंदिर स्थित पीठाधीश्वर आवास के प्रथम तल पर शक्तिपीठ में सीएम योगी ने देवाधिदेव महादेव को विल्व पत्र, कमल पुष्प, दूर्वा, अनेकानेक पूजन सामग्री अर्पित करने कर बाद दूध, दही, घी, शर्करा और कई तीर्थ स्थलों के पवित्र जल से रुद्राभिषेक किया। मठ के विद्वत पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया। रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन किया। विधि विधान से पूर्ण हुए अनुष्ठान के उपरांत उन्होंने भगवान भोलेनाथ से राष्ट्र के कल्याण की प्रार्थना और समस्त नागरिकों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की।

सपा यूपी में है सबसे बड़ी और नंबर एक की पार्टीः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ी और नम्बर एक की पार्टी है। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता जीवंत हैं। समाजवादी पार्टी के सिद्धांत सर्वश्रेष्ट हैं। समाजवादी पार्टी का नेतृत्व बेदाग है।

नव वर्ष के अवसर पर समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये कार्यकर्ताओं और नेताओं को शुभकामनाएं देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि सभी को अनुशासन में रहकर एक दूसरे का सम्मान करना है। किसानों, नौजवानों और पीडीए के एजेंडा को जनता के बीच लेकर जाना है। समाजवादी पार्टी का लख्य 2027 का विधानसभा चुनाव है। समाजवादी पार्टी पर जनता का भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है। जनता ने लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को प्रदेश में सबसे बड़ी पार्टी बनाया है। 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बननी तय है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का नेतृत्व निर्जीव है। भाजपा समाज में नफरत फैलाती है। आर्थिक विषमता पैदा करती है। असमानता में वृद्धि करती है। भाजपा का एजेंडा ही समाज को लड़ाना है। नए वर्ष में भी नफरत फैलाने का काम शुरू कर दिया है। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में रहते युवा पीढ़ी का कोई भविष्य नहीं है। भाजपा के कारण नया वर्ष भी अंधकारमय रहेगा। दुनिया आगे बढ़ रही है। भाजपा समाज को पीछे धकेल रही है। सत्ता का दुरूपयोग करती है।

प्रदेश में 18 से निकाली जाएगी किसान-मजदूर सम्मान एवं न्याय यात्राः अजय राय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय की अध्यक्षता में आगामी 18 जनवरी 2025 से निकाली जाने वाली 'किसान-मजदूर सम्मान एवं न्याय यात्रा' से सम्बन्धित तैयारी बैठक संपन्न हुई। बैठक में अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, प्रभारी संगठन अखिलेश शुक्ला, प्रदेश कांग्रेस के निवर्तमान उपाध्यक्ष विश्वविजय सिंह, पूर्व राज्यमंत्री ओमवीर तोमर, किसान कांग्रेस मध्यजोन के अध्यक्ष जगदीश सिंह, बुंदेलखंड जोन के अध्यक्ष शिव नारायण सिंह परिहार मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक का संचालन किसान कांग्रेस के नेशनल कोऑर्डिनेटर प्रबल प्रताप शाही ने किया।

'किसान मजदूर सम्मान एवं न्याय यात्रा' को उत्तर प्रदेश में सुनियोजित एवं अनुशासित ढंग से संपन्न करने के हेतु अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटरों को मण्डल स्तर पर समन्वयक, राष्ट्रीय पदाधिकारियों सहित देश के अन्य प्रांतों से किसान कांग्रेस के पदाधिकारियों को जिले स्तर पर समन्वयक बनाया गया है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश से किसान कांग्रेस के पदाधिकारियों को जनपद स्तर पर संयोजक बनाकर यात्रा के सफल संचालन का उत्तरदायित्व सौंपा गया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि आज वर्तमान की केन्द्र सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार दोगुनी गति से किसानों, मजदूरों, मेहनतकशों, महिला किसान-मजदूर एवं कारीगरों का दमन शासन व प्रशासन के रूप में भिन्न-भिन्न तरीकों से कर रहा है। किसान आंदोलन के समय केन्द्र सरकार ने देश के सभी किसानों को एम.एस.पी की कानूनी गारंटी का वादा किया था आज उस पर सरकार मौन है। आखिर किसानों के साथ यह खुली ठगी क्यों की? किसान कांग्रेस इस 'किसान मजदूर सम्मान एवं न्याय यात्रा' के जरिए प्रमुख रूप से - एम.एस.पी की कानूनी गारंटी, लागत बोर्ड का गठन, किसानों की कर्ज़ माफी, सीलिंग से बची भूमि का न्याय पूर्ण वितरण, खाद-बीज एवं उर्वरकों की सब्सिडी, सिंचाई हेतु बिजली की आपूर्ति, आवारा पशुओं से फसल को बचाने के लिए सरकारी इंतजाम एवं किसानी से जुड़े क्षेत्रीय मुद्दों को उठाते हुए जनता को जागरूक करने एवं एकजुट करके किसान एवं मजदूरों के हक़ दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में अलग-अलग तिथियों में निकाली जाएगी। अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिलेश शुक्ला ने कहा कि यह यात्रा प्रदेश में आगामी 18 जनवरी 2025 को गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर से शुरू होगी। उसके बाद निर्धारित तिथियों में 'यात्रा' के लिए नियुक्त संयोजकों के नेतृत्व में एवं राष्ट्रीय व प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में प्रदेश के प्रत्येक जनपद में यात्रा निकाली जायेगी। यात्रा के दौरान प्रत्येक जनपद से 300 किसान न्याय योद्धा बनाये जायेंगे। यात्रा के समापन के बाद प्रदेश के सभी 75 जिलों के 22500 किसान योद्धाओं का सम्मेलन किया जायेगा। श्री शुक्ल ने कहा कि अगले 1 वर्ष में हम हर विधानसभा में 300 किसान न्याय योद्धा बनायेंगे एवं 2027 विधानसभा चुनाव के पूर्व 120900 (एक लाख बीस हजार नौ सौ) किसान योद्धाओं का किसान महासम्मेलन करेंगे।

2 करोड़ 17 लाख से बनाए गए रैन बसेरे का सीएम ने किया लोकार्पण

लखनऊ/ गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी सभ्य समाज में अंतिम पायदान के व्यक्ति तक सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास होना चाहिए। सरकार इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता से प्रयत्नशील है। सरकार का यह संकल्प है कि भीषण शीतलहर में कोई भी व्यक्ति खुले में सोने और ठंड से ठिठुरने को मजबूर न हो। इसके लिए आश्रय गृहों की व्यवस्था, कंबल वितरण सहित सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। सीएम योगी शुक्रवार पूर्वाह्न ट्रांसपोर्ट नगर में नगर निगम द्वारा 2 करोड़ 17 लाख रुपये की लागत से बनाए गए नवीन आश्रय गृह (रैन बसेरा) का लोकार्पण करने और गरीबों-असहायों के बीच कंबल व भोजन पैकेट वितरित करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे।

HDFC BANK
We understand your world

विशेष परिचालन विभागः एचडीएफसी बैंक लिमिटेड, द्वितीय तल एक्सपीरियो बिल्डिंग, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226010.

परिशिष्ट IV-A [नियम 8(6) के परंतुक देखें]
(अचल संपत्ति की बिक्री हेतु बिक्री सूचना)

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन, अचल संपत्ति की बिक्री हेतु बिक्री सूचना

आम जनता को और विशेष रूप से कर्जदार(रों) और गारंटर(रों) को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास बंधक/प्रभारित है, का भौतिक कब्जा एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, के कर्जदार **(i) श्रीमती रश्मी वंदना मिश्रा (उधारकर्ता और बंधककर्ता), (ii) श्री सतीश कुमार मिश्रा (सह-उधारकर्ता)** से एचडीएफसी बैंक लिमिटेड प्रतिभूत लेनदार की बकाया राशि रु. 62,99,626/- दिनांक 15.07.2021 तक और साथ में भविष्य का ब्याज एवं लागू प्रभार इत्यादि की वसूली हेतु "जहाँ है, जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर दिनांक **07.02.2025** को बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य रु. **80,10,000/-** और जमा धरोहर राशि रु **8,01,000/-** होगी।

अचल सम्पत्ति का विवरण

प्लॉट नं. 7 पर निर्मित मकान, खसरा नं. 241 के भाग पर, जिसका क्षेत्रफल 167.286 वर्ग मी., ग्राम बहादुरपुर, वार्ड शंकरपुरवा, तहसील और जिला लखनऊ में स्थित

बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तो के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड, सुरक्षित ऋणदाता की वेबसाइट https://www.hdfcbank.com/personal/resources/Important-notices में दिए गए लिंक को देखें।

दिनांकः 03.01.2025, स्थानः लखनऊ प्राधिकृत अधिकारी, एचडीएफसी बैंक लिमिटेड

पायनियर
लखनऊ, शनिवार, 4 जनवरी 2025

नगर निगम के सर्वे में मिली 7335 अवैध झुग्गियां

पौने दो लाख संदिग्धों पर नगर निगम कार्रवाई को तैयार, शासन को भेजी जाएगी रिपोर्टः मेयर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

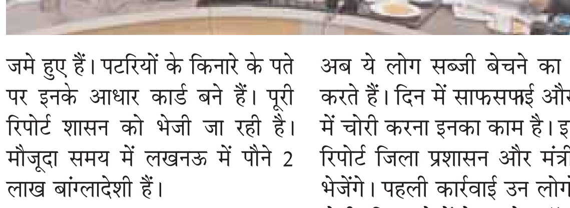

राजधानी लखनऊ में नगर निगम अवैध तरीके से शहर में रहने वाले करीब पौने 2 लाख बांग्लादेशियों पर बड़ी कार्रवाई करेगा। नगर निगम द्वारा 110 वार्डों में सर्वे किया गया, जिसमें 7,335 अवैध झुग्गियों की पहचान की गई है। साथ ही 30,607 लोग कूड़ा उठाने के कारोबार से जुड़े हैं। यही नहीं नगर निगम अवैध झुग्गियों पर सख्त कार्रवाई करेगा, इसके लिए रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी।

शुक्रवार को लालबाग नगर निगम मुख्यालय में मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि शहर में जिस तरह से अवैध प्रवासियों की संख्या बढ़ रही है। यह लोकतंत्र के लिए खतरा है। 110 वार्डों में 7,335 अवैध झुग्गियों की पहचान की गई है। इन झुग्गियों में रहने वाले 30 हजार 607 लोग कूड़ा उठाने के कारोबार से जुड़े हैं। महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि अवैध तरीके से यह लोग शहर में जमे हुए हैं। पटरियों के किनारे के पते पर इनके आधार कार्ड बने हैं। पूरी रिपोर्ट शासन को भेजी जा रही है। मौजूदा समय में लखनऊ में पौने 2 लाख बांग्लादेशी हैं।

देश की सुरक्षा को खतरा

मेयर ने गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि अवैध रूप से ठेला लगाने वाले लोगों के खिलाफकार्रवाई की गई तो इन लोगों ने हमला कर दिया। ये लोग लोकतंत्र के लिए खतरा हैं। जनसंख्या का दबाव बन रहा है देश की सुरक्षा को खतरा है। ये लोग पहले झाड़ू लगाने का काम करते थे, अब ये लोग सब्जी बेचने का काम करते हैं। दिन में साफसफाई और रात में चोरी करना इनका काम है। इसकी रिपोर्ट जिला प्रशासन और मंत्री को भेजेंगे। पहली कार्रवाई उन लोगों पर होगी, जिन लोगों ने अपने प्लॉट यहां बनाए हैं।

नगर निगम अधिकारियों की मिलीभगत की भी जांच करेंगे, सख्त कार्रवाई की जाएगी। मेयर ने साफ कहा कि ये लोग चौराहों पर भीख मांगते हैं। इन्हें भीख नहीं दिया जाता तो वो गाड़ियों पर स्क्रैच कर देते हैं। इससे हमारे लोग बेरोजगार हो रहे हैं। ये लोग हमारे ही संसाधन छीन रहे हैं। इन पर कार्रवाई बेहद जरूरी है। नगर आयुक्त नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह का कहना है कि हमारे पास में पर्याप्त संसाधन हैं। हम पूरे शहर को बेहतर करेंगे। 1500 वाहन शहर में डोर.टू.डोर कूड़ा उठा रही हैं। नगर निगम अनधिकृत लोगों को कूड़ा नहीं उठाने देगा, एक साल पहले तक पर्याप्त संसाधन नहीं थे।

अब पर्याप्त हैं, अभी चार टीसीडीएस हैं, अब 24 और बनेंगे। इससे कूड़े का ढेर नहीं लगेगा।

24 सौ मिले भीख मांगते हुए

नगर आयुक्त ने कहा कि कई चौराहों पर भीख मांगने पर रोक लगाई गई है। डूडा और एक एनजीओ ने सर्वे किया है। इसमें पता चला कि 2400 लोग भीख मांगते मिले हैं। फैजुल्लागंज सहित दूसरे एरिया में ऐसा होता है। इसमें लोगों को सभी विभाग मिलकर जागरूक करेंगे। फुटओवर ब्रिज के नीचे 99 से अधिक लोग बीमार हैं, जो शहर में अलग.जगह जगहों पर रहते हैं। जिला प्रशासन भी साथ में काम करेगा, मंगलवार को सुबह 9 बजे से नगराम में यह अभियान शुरू किया जाएगा।

टोल फ्री नंबर किया जारी

नगर आयुक्त ने कूड़ा उठाने की समस्या पर कहा कि टोल फ्री नंबर जारी किया जाएगा। कूड़ा कलेक्शन का यूजर चार्ज बहुत कम है। हम इसे रेगुलाइज करेंगे। हम झुग्गियों का सर्वे करेंगे, वहां रहने वालों का रिहैबिलिटेशन किया जाएगा, पात्र लोगों को पीएम आवास भी दिए जाएंगे।

कक्षा आठ तक स्कूलों में 11 जनवरी तक अवकाश घोषित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी में शीतलहर को देखते हुए डीएम द्वारा कक्षा 8 तक के स्कूलों को बदं करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं स्कूलों को कक्षा 9 से 12 तक की कक्षाओं को ऑनलाइन कक्षाएं चलाने के निर्देश दिए हैं। वहीं सुविधाओं के साथ कक्षाएं चलाने के लिए कहा गया। उच्च कक्षाओं को सुविधाओं सहित शर्तों के साथ कक्षाएं चलाने के निर्देश दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश की राजधानी में बढ़ती ठंड को देखते हुए डीएम सूर्यपाल गंगवार ने परिषदीय विद्यालय को 11 जनवरी तक बंद करने के निर्देश दिया। उन्होंने कक्षा 8 तक के स्कूलों को बंद करने के लिए कहा गया है। वहीं कक्षा 9 से 12 तक के स्कूलों को ऑन लाइन कक्षा चलाने के लिए कहा गया है। यदि स्कूलों द्वारा कक्षा 9 के स्कूलों को खोलने से पूर्व हीटर आदि जैसी सुविधाएं कक्षाओं में देने के बाद 10 से 3 बजे तक कक्षाएं चला सकेंगे।

खेल मंत्री ने तीन दिवसीय राज्य स्तरीय युवा उत्सव का उद्घाटन किया

● विभिन्न विधाओं में 600 कलाकारों ने कार्यक्रम में लिया हिस्सा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग द्वारा तीन दिवसीय राज्य स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 3 से 5 जनवरी, 2025 तक लखनऊ स्थित युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल मुख्यालय पर किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में प्रदेश के समस्त 18 मण्डलों के जनपदों से 600 विजयी कलाकारों द्वारा विभिन्न विधाओं यथा-लोकनृत्य, लोकगीत, साइंस मेला (सभी समूह/एकल), पोस्टर मेकिंग, कविता लेखन, फोटोग्राफी, सम्भाषण, कहानी लेखन एवं युवा कृति के अन्तर्गत हैण्डीक्राफ्ट, टेक्सटाईल एवं एग्रो प्रोडक्ट श्रेणी इत्यादि में प्रतिभाग किया जाएगा।

उत्सव का उद्घाटन खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव एवं प्रमुख सचिव, युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल, आलोक कुमार-2 द्वारा परिकल्प भवन, सिंचाई विभाग, तेलीबाग, लखनऊ में किया गया। इस दौरान सचिव/महानिदेशक, युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल सुहास एलवाई भी उपस्थित रहे। खेल मंत्री द्वारा प्रदेश के कलाकारों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए मण्डल स्तरीय प्रतियोगिताओं के विजेता कलाकारों को बधाई एवं युवा कल्याण विभाग के प्रयास की सराहना की गई। सचिव एवं महानिदेशक, युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल, उत्तर प्रदेश सुहास एलवाई द्वारा आए हुए कलाकारों को अपनी कला, अपनी प्रतिभा को अपने क्षेत्र के उच्चतम स्थान तक पहुंचाने हेतु संकल्पित करने का आह्वान किया गया।

क्वीन मेरी के पास कूड़ेदान में मिला नवजात का शव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्विद्यालय के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग (क्वीनमेरी) के पीछे शुक्रवार को कूड़ेदान में नवजात शिशु का शव मिला है। कूड़ेदान में शिशु के शव पाये जाने की खबर पर कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। कर्मचारियों ने घटना की सूचना क्वीनमेरी प्रशासन को दी है। जिसके बाद सूचना पाकर मौके पर पहुँची पुलिस ने शव को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्वीन मेरी हॉस्पिटल के कूड़ेदान में शुक्रवार की सुबह एक नवजात बच्ची का शव मिलने से हड़कंप मच गया। कुड़ा कलेक्ट करने पहुंची कर्मचारी ने बताया कि जब वह कूड़ा लेने पहुंची तो उन्हें एक नवजात का शव दिखा। जिसके शरीर पर एक कपड़ा भी नहीं था। उन्होंने इसका वीडियो भी बना लिया था। पुलिस के मुताबिक जब उन्होंने मामले की छानबीन शुरू कि की बच्ची का शव वहां कौन फेंक गया। तो सामने आया कि ये और कोई नहीं बल्कि बच्ची का पिता ही है। पुलिस ने बताया कि गर्भपात के बाद पिता ने बच्ची के शव का अंतिम संस्कार नहीं किया। इसकी बजाए बच्ची के शव को पास के ही डस्टबिन में फेंक कर गायब हो गया। मामले में और भी जानकारी जुटाई जा रही है।

सरकारी विद्यालयों के बच्चों को भी थिएटर की शिक्षा देगा बीएनए

लखनऊ। भारतेन्दु नाट्य अकादमी सरकारी विद्यालयों के बच्चों को भी थिएटर की शिक्षा देगा। अभी तक अकादमी की तरफ से सिर्फ उसके यहां पढ़ने वाले छात्रों को ही शिक्षा दिये जाने की व्यवस्था थी। इसके लिए अकादमी ने थिएटर इन एजुकेशन योजना तैयार की है। जिसके अन्तर्गत अकादमी से विशेषज्ञ सरकारी विद्यालयों में पंहुचेंगे। बीएनए निदेशक बिपिन कुमार ने कहा कि थिएटर ओवरऑल पर्सनैलिटी डेवलपमेंट करता है। अकादमी की जिम्मेदारी रंगमंच को विस्तार देने के साथ ही हर किसी तक पंहुचना है। इसी दिशा में कदम उठाते हुए थिएटर इन एजुकेशन को शुरू किया गया है। जिसके माध्यम से हम सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों तक पंहुचेगे और उन्हे रंगकर्म का प्रशिक्षण दिया जाएगा

बीकेटी सहित एलडीए ने शहर के अवैध निर्माण पर चलाया बुल्डोजर

● गोमती नगर विस्तार में 4, बीकेटी में 02 व दुबग्गा में 01 अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एलडीए द्वारा गोमतीनगर विस्तार, बीकेटी सहित दुबग्गा में 7 अवैध निर्माण पर कड़ी कार्रवाई की गयी। विहित न्यायालय द्वारा अवैध निर्माण के खिलाफ ध्वस्तीकरण का आदेश दिया गया। अवैध निर्माण के साइटों पर बाउड्रीवाल, सड़क, नाली सहित साईट आफिस को प्रवर्तन दस्ते द्वारा ध्वस्तीकरण किया गया।

शुक्रवार को एलडीए टीम ने गोमती नगर विस्तार में 04 अवैध प्लाटिंग, बीकेटी में 02 अवैध प्लाटिंग व दुबग्गा में 01 अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाया गया। इस दौरान डेवलपर्स द्वारा स्थल पर अवैध रूप से विकसित की गयी सड़कए नालीए बाउन्ड्रीवॉलए साइट ऑफिस व गेट आदि को ध्वस्त कर दिया गया। प्रवर्तन जोन.1 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि प्रताप यादव, तिवारी लाल यादव व अन्य द्वारा गोमती नगर विस्तार के ग्राम.मस्तेमऊ में भूमि खसरा संख्या.99 पर लगभग 5 बीघा क्षेत्रफ्ल

में अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग का कार्य करते हुए अवैध कालोनी विकसित की जा रही थी। इसी तरह राम कुमार व अन्य द्वारा मस्तेमऊ में गाटा संख्या.84 पर लगभग 6 बीघा क्षेत्रफ्ल में अवैध प्लाटिंग का कार्य किया जा रहा था। इसके अलावा रमेश कुमार, गणेश कुमार, धीरेन्द्र कुमार, गंगावती व दिनेश कुमार द्वारा मस्तेमऊ में भूमि खसरा संख्या.94 पर लगभग 10 बीघा क्षेत्रफ्ल में अवैध प्लाटिंग की जा रही थी। वहींए बंशीलाल व सुंदरलाल द्वारा मस्तेमऊ में गाटा संख्या.18 पर लगभग 05 बीघा क्षेत्रफ्ल में अवैध रूप से प्लाटिंग का कार्य किया जा रहा था। प्राधिकरण से ले.आउट स्वीकृत कराये बिना की जा रही इन अवैध प्लाटिंग के विरूद्ध ध्वस्तीकरण के आदेश पारित थे। जिसके अनुपालन में प्रवर्तन टीम द्वारा उक्त चारों अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया गया।

बीकेटी में 32 बीघा अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर

प्रवर्तन जोन-5 के जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह ने बताया कि पंकज मौर्या व अन्य द्वारा बीकेटी के ग्राम.डिगोई में एलिया बेथ इंटर कॉलेज के सामने लगभग 30 बीघा क्षेत्रफ्ल में अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग का कार्य करते हुए अवैध कालोनी विकसित की जा रही थी। वहींए संतोष कुमार शुक्ला व अन्य द्वारा बीकेटी के रामपुर बेड़ा में टिकरी रेलवे क्रासिंग के बगल लगभग 2 बीघा क्षेत्रफ्ल में अवैध प्लाटिंग का कार्य किया जा रहा था। प्राधिकरण से ले.आउट स्वीकृत कराये बिना की जा रही इन दोनों अवैध प्लाटिंग के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा ध्वस्तीकरण के आदेश पारित किये गये थे। जिसके अनुपालन में प्रवर्तन टीम द्वारा दोनों अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया गया।

दुबग्गा में अवैध प्लाटिंग ध्वस्त

प्रवर्तन जोन-7 के जोनल अधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि महावीरए रघुनाथ व अन्य द्वारा दुबग्गा में काकोरी रोड पर ग्राम.कटौली में लगभग 03 बीघा क्षेत्रफ्ल में अवैध रूप से प्लाटिंग का कार्य किया जा रहा था। जिसे प्रवर्तन टीम द्वारा शुक्रवार को ध्वस्त कर दिया गया।

पीजीआई को 'ए प्लस प्लस' ग्रेड प्राप्त करने पर राज्यपाल ने दी बधाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाध्यक्ष आनंदीबेन पटेल ने संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा 3.66 सीजीपीए (सात बिंदु स्केल पर) के साथ पहले प्रयास में ही 'ए प्लस प्लस' ग्रेड से मान्यता प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। यह मान्यता 2 जनवरी से आगामी 5 वर्षों तक के लिए मान्य है। एसजीपीजीआई लखनऊ प्रदेश का पहला चिकित्सा संस्थान है, जिसे नैक में 'ए प्लस प्लस' ग्रेड प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान में उच्च मानकों को दर्शाती है।

राज्यपाल ने कहा कि यह उपलब्धि एसजीपीजीआई के समर्पित नेतृत्व, उत्कृष्ट शिक्षण, अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार की दिशा में किए गए प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने संस्थान के शिक्षकों, शोधकर्ताओं, कर्मचारियों और छात्रों को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह मान्यता न केवल संस्थान की प्रतिष्ठा को बढ़ाती है, बल्कि उत्तर प्रदेश के लिए भी गर्व का विषय है। राज्यपाल ने एसजीपीजीआई से अपेक्षा की कि संस्थान इसी समर्पण और उत्कृष्टता के साथ भविष्य में भी कार्य करता रहेगा और स्वास्थ्य सेवाओं एवं अनुसंधान के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि संस्थान की यह उपलब्धि राज्य और देश के मेडिकल क्षेत्र में एक नई प्रेरणा का संचार करेगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 से अब तक राज्य के 8 राज्य विश्वविद्यालयों को 'ए प्लस प्लस' ग्रेड, 4 राज्य विश्वविद्यालयों को 'ए प्लस' ग्रेड तथा 1 राज्य विश्वविद्यालय को 'ए' ग्रेड प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही प्रदेश के 6 विश्वविद्यालयों ने क्यूएस एशिया रैंकिंग एवं क्यूएस साउथ एशिया रैंकिंग में उल्लेखनीय स्थान प्राप्त किया है। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ)-2024 के परिणामों में भी प्रदेश के 16 राज्य विश्वविद्यालयों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

मंडलायुक्त ने कामता चौराहे का किया निरीक्षण

लखनऊ। अयोध्या रोड पर चिनहट के कमता चौराहे का मंडलायुक्त द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण केदौरान मंडलायुक्त द्वारा सौंदर्यीकरण का जायजा लिया गया। कार्यों करते पाने के दौरान मंडलायुक्त द्वारा अधिकारियों को अतिक्रमण के साथ एलईडी, होर्डिंग, बैनर को भी हटाने के निर्देश दिए गए। मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब अचानक पहुँची कामता चौराहा, उन्होंने लखनऊ विकास प्राधिकरण, नगर निगम व लोक निर्माण विभाग द्वारा किए जाने वाले सुदृणीकरण एवं ब्लैक टॉप बढ़ोतरी के कार्यों का लिया जायजा और उपस्थित संबंधित अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अवैध अतिक्रमण हटाकर व चौराहे के आयरलैंड को कम करते हुए ब्लैक टॉप की बढ़ोतरी कराया जाए। जिससे ट्रैफिक व्यवस्था सुगम व सुचारू रूप से चलता रहे, उन्होंने चौराहे पर लगे अवैध एलईडी व होल्डिंग, बैनर को तत्काल हटाया जाने के भी निर्देश दिये। इसके बाद मंडलायुक्त ने कमता बस स्टॉप का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि बस स्टाप के पीछे वाले गेट के स्लैप को सही कराते हुए सिटी बसों का संचालन उक्त मार्ग से कराया जाए। उन्होंने कहा कि चिन्हित किए गए कार्य बिना किसी विलंब के प्रारंभ कर दिया जाए। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह, एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एनएचएआई के जवाब से हाईकोर्ट संतुष्ट नहीं

विधि संवाददाता। लखनऊ

राष्ट्रीय राजमार्गों व कॉलोनियों के विकास के लिए लखनऊ व आसपास के मैंगो बेल्ट इलाकों में पेड़ काटने के मामले पर हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने एनएचएआई (राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) के जवाब से असंतुष्टि जाहिर की है। पीठ ने कहा है कि जवाब में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि राजमार्गों के दोनों तरफ की कितनी खाली जमीनों का उपयोग पेड़ों को लगाने के लिए किया गया है। पीठ ने राज्य सरकार व यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भी दो हफ्ते का समय देते हुए इस सम्बंध में स्थिति स्पष्ट करने का आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 27 जनवरी को होगी।

जस्टिस एआर मसूदी एवम जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की पीठ ने यह आदेश जयंत सिंह तोमर की ओर से दाखिल एक विचाराधीन जनहित याचिका पर दिया है। पीठ ने इस मामले की पूर्व में हुई सुनवाई के दौरान लखनऊ-सीतापुर, लखनऊ-रायबरेली, लखनऊ-इलाहाबाद, लखनऊ-वाराणसी व लखनऊ-कानपुर पर राजमार्गों के निर्माण के दौरान फलदार वृक्षों के कटान पर चिंता जाहिर की थी।

मुम्बई पुलिस की अभिरक्षा से फरार 50 हजार का ईनामी अपराधी पालीटेक्निक चौराहे से गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुम्बई पुलिस की अभिरक्षा से फरार पचास हजार के ईनामी अपराधी राकेश जायसवाल उर्फ राकेश जैसवार को एसटीएफ ने लखनऊ कमिश्नरेट के गाजीपुर थानान्तर्गत पालीटेक्निक चौराहे से गिरफ्तार किया। जैसवार मूल रूप से ग्राम-नन्दलाल मनसा छापर, थाना जटहा बाजार, जनपद कुशीनगर का रहने वाला है। अभिसूचना संकलन के दौरान ज्ञात हुआ कि थाना जीआरपी चारबाग, जनपद लखनऊ में पंजीकृत धारा 224 भादवि के मुकदमे का वांछित अपराधी अभियुक्त राकेश जायसवाल उर्फ राकेश जैसवार पालिटेक्निक चौराहे पर मौजूद है। वांछित अभियुक्त को आवश्यक बल प्रयोग कर गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त राकेश जायसवाल ने पूछताछ पर बताया कि वह मुम्बई में रहता था,

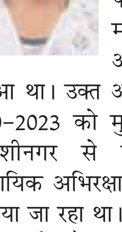

जहां से एक नाबालिक लड़की को भगा ले गया था। जिस पर उसके विरुद्ध थाना पार्क साइट, मुम्बई म पाक्सो एक्ट का अभियोग पंजीकृत हुआ था। उक्त अभियोग में 23-10-2023 को मुम्बई पुलिस द्वारा कुशीनगर से गिरफ्तार करके न्यायिक अभिरक्षा में ट्रेन मुम्बई ले जाया जा रहा था।

इसी दौरान ऐशबाग, लखनऊ के पास लघुशंका के बहाने बाथरूम गया और भीड़ का फायदा उठाते हुए ट्रेन से कूद गया। यहां से भागने के बाद अपने घर गया और फिर वहां से हैदराबाद चला गया। जहां पर लुकछिप कर रह रहा था। आज अपने घर जाने के लिए हैदराबाद से लखनऊ आया था और पालिटेक्निक चौराहे पर खड़ा था।

बिजली कनेक्शन के लिए डेढ़ साल से भटक रही बेवा महिला

● सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायत के बाद भी नही मिल सका बिजली कनेक्शन

मोहनलालगंज। नगर पंचायत के मऊ गांव की एक बेवा महिला बिजली कनेक्शन के लिए डेढ़ साल से अधिकारियों के चक्कर काट रही है। लेकिन बिजली कनेक्शन के लिए हजारों रुपए का खर्चा बताकर जिम्मेदार उसे बैरंग वापस लौटा रहे हैं। बिजली कनेक्शन के लिए पीड़िता कई बार मामले की शिकायत सम्पूर्ण समाधान दिवस में भी दर्ज करा चुकी है। फिर भी उसकी सुनवाई नही हो सकी है। मोहनलालगंज नगर पंचायत के मऊ गांव की वन्दना देवी के पति माता प्रसाद का निधन हो चुका है। पिता की मदद से वन्दना देवी तीन बच्चों को लेकर मायके में ही गांव के किनारे मकान बनाकर परिवार का गुजारा कर रही है। लेकिन बिजली का पोल उसके मकान से कुछ दूर होने की वजह से उसे बिजली कनेक्शन नही मिल पा रहा है। झटपट पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने का बाद अगस्त 2023 से वन्दना बिजली कनेक्शन के लिए जेई और एसडीओ दफ्तर के चक्कर काट रही है। वन्दना के मुताबिक उसे बिजली कनेक्शन के लिए 39 हजार रुपए का खर्चा बताया जा रहा है। लेकिन मजदूरी के सहारे बच्चों को पाल रही वन्दना देवी के लिए इतनी रकम जुटाना नामुमकिन सा है। अधिकारियों के अनगिनत चक्कर लगाकर थक चुकी पीड़िता सुनवाई नही होने पर सम्पूर्ण समाधान दिवस में भी गुहार लगा चुकी है। लेकिन डेढ़ साल बाद भी उसे बिजली कनेक्शन नही मिल सका है। उधर आरडीएसएस से छूटे विद्युतीकरण की योजना का काम शुरू होने की भी फिलहाल जल्द कोई उम्मीद नजर नही आ रही है। ऐसे में वन्दना देवी और उसके बच्चों की बिजली की रोशनी के लिए जंग खत्म होने का नाम नही ले रही है। अधिशासी अभियन्ता श्रवण कुमार सिंह ने बताया मामले की जानकारी नही है।

एकेटीयू बीफार्मा में काउंसलिंग शुरू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय से संबद्ध संस्थानों के बीफार्मा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू हो गई। करीब 30 हजार सीटों के लिए चार चरणों में होने वाली यह काउंसलिंग तीन जनवरी 2025 से 24 जनवरी 2025 तक चलेगी। पहले चरण की काउंसलिंग के तहत ऑनलाइन च्वॉइस फिलिंग और लॉकिंग शुरू हो गई जो पांच जनवरी तक चलेगी। जबकि सीट आवंटन सात जनवरी को किया जाएगा। वहीं ऑनलाइन विलिंगनेस फ्रीज और फ्लोट सात से आठ जनवरी के बीच होगा। दूसरे चरण की काउंसलिंग नौ से 14 जनवरी तक होगी। कुलपति प्रो जेपी पाण्डेय के निर्देशन और काउंसलिंग समन्वयक प्रो ओपी सिंह के नेतृत्व में काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

छह लाख से अधिक लोक शिकायतों का किया गया निस्तारण

सुशासन सप्ताह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार ने सुशासन सप्ताह-24 के अवसर पर पूरे देश में सबसे अधिक लोक शिकायतों का निस्तारण कर पहला स्थान प्राप्त किया है जबकि दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र है। इसके अलावा ब्लॉक और मुख्यालय स्तर पर वर्कशॉप के आयोजन में भी पूरे देश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। वहीं दूसरे पायदान पर मध्य प्रदेश है। यह उपलब्धि योगी सरकार की प्रशासनिक क्षमता और जनसेवा के प्रति कटिबद्धता को दर्शाती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर पूरे देश में 19 से 24 दिसंबर के बीच सुशासन सप्ताह मनाया जाता है। सुशासन सप्ताह की वर्ष 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश ने पूरे देश में सबसे अधिक कुल 6,08,617 लोक शिकायतों का निस्तारण कर पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं महाराष्ट्र ने 2,33,892 लोक शिकायतों का निस्तारण कर पूरे देश में दूसरा जबकि राजस्थान ने 2,13,415 लोक शिकायतों का निस्तारण कर तीसर स्थान प्राप्त किया है। वहीं पूरे देश में सुशासन सप्ताह के दौरान ज्यादा से ज्यादा लोक शिकायतों के निस्तारण के लिए ब्लॉक, तहसील, जनपद और मुख्यालय स्तर पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश ने सबसे अधिक 16,997 वर्कशॉप का आयोजन कर देश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। इन वर्कशॉप का उद्देश्य लोक शिकायतों को निस्तारण और जनजागरुकता बढ़ाने के साथ प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता लाना है। इन कार्यक्रमों ने जनता और प्रशासन के बीच एक मजबूत संवाद स्थापित किया। वहीं मध्य प्रदेश ने पूरे देश में 13,128 वर्कशॉप का आयोजन कर दूसरा जबकि राजस्थान ने 5,810 वर्कशॉप का आयोजन कर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी नीति और प्रशासनिक अधिकारियों के प्रयासों ने उत्तर प्रदेश का नाम पूरे देश में रौशन किया है। वहीं योगी सरकार ने सुशासन सप्ताह के माध्यम से देश को 'जन सेवा ही प्रथम प्राथमिकता' का संदेश दिया है। जनता की शिकायतों का निस्तारण और जनजागरुकता के लिए कार्यशालाओं का आयोजन, इसका उत्कृष्ट उदाहरण है।

दिसम्बर में विद्युत सखियों ने 180 करोड़ रुपए से अधिक के बिलों का किया रिकॉर्ड कलेक्शन

लखनऊ। दिसम्बर 2024 में जी-तोड़ मेहनत करते हुए 4607 विद्युत सखियों ने 5 लाख 27 हजार विद्युत बिलों की 180 करोड़ से अधिक धनराशि का रिकॉर्ड कलेक्शन किया है और इससे विद्युत सखियों ने 2 करोड़ 12 लाख से अधिक की धनराशि कमीशन के रूप में अर्जित किया। ग्राम्य विकास विभाग व राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार इन विद्युत सखियों में सबसे ज्यादा बाराबंकी की राज श्रीशुक्ला ने 3907 विद्युत बिलों की 1 करोड़ 36 लाख से अधिक धनराशि का कलेक्शन कर 1 लाख 70 हजार कमीशन के रूप में मात्र दिसम्बर माह में कमाया है। दूसरे नम्बर पर आगरा की कुसुमलता ने 1853 बिलों की 1 करोड़ 28 लाख से अधिक का कलेक्शन कर 1 लाख 39 हजार से अधिक का कमीशन अर्जित किया है। तीसरे व चौथे स्थान पर कलेक्शन में अग्रणी बाराबंकी की लक्ष्मी देवी व देवकी हैं, जिन्होंने क्रमशः 1 लाख 33 हजार व 1 लाख 21 हजार मात्र एक माह में कमाये है।

प्रदेश सरकार के साथ वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी ने किया समझौता

● मुख्य सचिव और कार्यवाहक उपकुलपति ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार और ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी (डब्ल्यूएसयू) ने भारत में डब्ल्यूएसयू का पहला कैम्पस ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता ज्ञापन लखनऊ में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और डब्ल्यूएसयू के कार्यवाहक उपकुलपति प्रोफेसर डेबोरा स्विनी द्वारा हस्ताक्षरित किया गया।

मुख्य सचिव ने इस साझेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि डब्ल्यूएसयू के ग्रेटर नोएडा में कैम्पस स्थापित करने वाली पहली विदेशी विश्वविद्यालय होगी। पहले चरण में, ग्रेटर नोएडा के एक व्यावसायिक भवन में कैम्पस स्थापित किया जाएगा और दूसरे चरण में, ग्रेटर नोएडा के 7 एकड़ क्षेत्र में एक पूरी तरह से विकसित विश्वविद्यालय कैम्पस बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि ग्रेटर नोएडा का यह कैम्पस उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति 2024 के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य एक लचीला, समावेशी और मजबूत उच्च शिक्षा प्रणाली का निर्माण करना है। इस नीति के तहत वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किए जाते हैं ताकि घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों को आकर्षित किया जा सके और राज्य की युवा जनसंख्या की क्षमता को अनलॉक किया जा सके, जिससे दीर्घकालिक आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी का ग्रेटर नोएडा में प्रस्तावित कैम्पस भारत में विश्व स्तरीय शिक्षा और नवाचार लाएगा, और भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच संबंधों को मजबूत करेगा। डब्ल्यूएसओ को स्थिरता और नवाचार में उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है। प्रस्तावित कैम्पस ग्रेटर नोएडा में एक परिवर्तनकारी शिक्षा और उद्यमिता का केंद्र बनेगा, जो उत्तर प्रदेश की एग्रीटेक पहलों का समर्थन करेगा और स्मार्ट कृषि, जल प्रबंधन और जलवायु अनुकूलन में योगदान देगा, जिससे राज्य को उभरती हुई उद्योगों में अग्रणी बनाने में मदद मिलेगी।

उच्च शिक्षा में डीयू की प्रतिष्ठा बढ़ रही : पीएम

● प्रधानमंत्री ने डीयू के पूर्वी और पश्चिमी परिसर और वीर सावरकर के नाम पर एक नए कॉलेज की आधारशिला रखी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अशोक विहार में दिल्ली की विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास व लोकार्पण करते पीएम मोदी व अन्य। फोटो: रंजन डिमरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वर्चुअली दिल्ली विश्वविद्यालय के दो नए परिसरों और भाजपा विचारक वीर सावरकर के नाम पर एक कॉलेज की आधारशिला रखी। 600 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस परियोजना का मकसद शिक्षा को बढ़ावा देना और सुविधाओं का आधुनिकीकरण करना है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी के लिए डीडीए की अन्य बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं का अशोक विहार में शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा लगातार बढ़ रही है। हमारा प्रयास दिल्ली के युवाओं को उच्च शिक्षा के अधिक अवसर मुहैया कराना है। आज नए परिसरों की आधारशिला रखी गई है, जिससे हर साल सैकड़ों छात्र डीयू में दाखिला ले सकेंगे। लंबे समय से प्रतीक्षित पूर्वी और पश्चिमी परिसर क्रमशः सूरजमल विहार और द्वारका में बनाए जाएंगे। साथ ही, नजफगढ़ में वीर सावरकर के नाम पर एक नया कॉलेज भी बनाया जाएगा। डीयू द्वारा शहर में अपनी उपलब्धियों को बढ़ाने के प्रयासों के तहत सूरजमल विहार स्थित पूर्वी परिसर और द्वारका सेक्टर-22 स्थित पश्चिमी परिसर को मौजूदा उत्तर और दक्षिण परिसरों में जोड़ा जा रहा है। 15.25 एकड़ में फैले पूर्वी परिसर का विकास 373 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से किया जा रहा है। इसमें एलएलबी, एलएलएम और एकीकृत पांच वर्षीय एलएलबी कार्यक्रम के साथ-साथ अन्य बहु-विषयक पाठ्यक्रम भी होंगे।

परिसर में अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी, जिनमें 60 कक्षाएं, 10 ट्यूटोरियल रूम, छह कोर्ट, चार कंप्यूटर लैब, दो कैफेटेरिया और दो कॉमन रूम शामिल हैं, जो 59,618 वर्ग मीटर के निर्मित क्षेत्र में फैले हैं। 107 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा पश्चिमी परिसर पहले चरण में एक नया शैक्षणिक ब्लॉक होगा। 19,434.28 वर्ग मीटर में फैले इस परिसर में 42 कक्षाएं, दो कोर्ट, एक डिजिटल लाइब्रेरी, कॉन्फ्रेंस रूम, सेमिनार हॉल और लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग कॉमन रूम होंगे। परिसरों के अलावा, पीएम ने नजफगढ़ के रोशनपुरा में वीर सावरकर कॉलेज की आधारशिला रखी, जो पश्चिमी परिसर से सिर्फ पांच मिनट की पैदल दूरी पर है। 18,816.56 वर्ग मीटर के निर्मित क्षेत्र और 140 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनने वाले इस कॉलेज में 24 कक्षाएं, आठ ट्यूटोरियल रूम, 40 संकाय कक्ष, विभागीय पुस्तकालय, सम्मेलन कक्ष और एक कैंटीन सहित आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मोदी ने लगभग 300 करोड़ रुपये की लागत से द्वारका में बने सीबीएसई के एकीकृत कार्यालय परिसर का वर्चुअल उद्घाटन किया। इसमें कार्यालय, एक सभागार, एक उन्नत डेटा सेंटर और एक व्यापक जल प्रबंधन प्रणाली आदि शामिल हैं। बच्चों, विशेष रूप से आर्थिक रूप से पिछले वर्ग के बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अवसरों तक पहुंच में सुधार पर सरकार के फोकस को दोहराया। उन्होंने कहा, हर परिवार का सपना होता है कि उनके बच्चों को सर्वोत्तम शिक्षा मिले और केंद्र सरकार देश भर में शीर्ष स्तर के स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय प्रदान करने की दिशा में काम कर रही है।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भी सराहना की, जो हाशिए के समुदायों सहित सभी पृष्ठभूमि के बच्चों को सफल होने का अवसर सुनिश्चित करने के लिए मातृभाषा में शिक्षण पर जोर देती है। उन्होंने कहा, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत, गरीब परिवारों के बच्चों के पास अब डॉक्टर, इंजीनियर और पेशेवर बनने का स्पष्ट रास्ता है। शिक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की महत्वपूर्ण भूमिका को शिक्षा के मोर्चे पर, प्रधानमंत्री ने सभी की स्वीकार किया।

आपातकाल में अशोक विहार मेरे रहने का स्थान था : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि साल 1975 में जब देश में आपातकाल थोपा गया था तो उस दौर में राजधानी दिल्ली का अशोक विहार इलाका उनके रहने का स्थान हुआ करता था। प्रधानमंत्री ने राजधानी के अशोक विहार स्थित स्वाभिमान अपार्टमेंट में इन-सीटू स्लम पुनर्वास परियोजना के अंतर्गत झुग्गी झोपड़ी समूहों के निवासियों के लिए 1,675 नवनिर्मित फ्लैटों का उद्घाटन करने और इनकी चाबियां पात्र लाभार्थियों को सौंपने के बाद अपने संबोधन में यह बात कही। इन फ्लैटों के उद्घाटन से पहले प्रधानमंत्री ने पूरे स्वाभिमान अपार्टमेंट का मुआयना किया और लाभार्थियों व उनके परिवार के सदस्यों से बातचीत भी की। बाद में अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि अशोक विहार के लोगों को नई आशाओं और नए सपनों का घर मिला और वे सभी की खुशियों का हिस्सा बनने यहां आए हैं।

आज जब यहां आया हूं तो काफी पुरानी यादें ताजा होना बहुत स्वाभाविक है। आप में से शायद कुछ लोगों को पता होगा, जब आपातकाल का समय था, देश इंदिरा गांधी के तानाशाही रवैए के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा था। आपातकाल के खिलाफ एक लड़ाई चल रही थी, उस समय मेरे जैसे बहुत साथी अंडरग्राउंड आंदोलन का हिस्सा थे। उस समय अशोक विहार मेरा रहने का स्थान हुआ करता था।

कालकाजी से कांग्रेस ने आतिशी के खिलाफ अलका को उम्मीदवार बनाया

● लांबा इस वक्त अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष हैं तो पूर्व में चांदनी चौक से विधायक भी रह चुकी

आतिशी

अलका लांबा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के सामने पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे पूर्व सांसद संदीप दीक्षित को उतारने के बाद कांग्रेस ने अब मुख्यमंत्री आतिशी को भी उनके गढ़ में ही घेरने की तैयारी कर ली है।

कांग्रेस ने शुक्रवार को अपनी तीसरी सूची जारी कर दी है। इस बार पार्टी ने सिर्फ एक ही नाम का ऐलान किया है। कांग्रेस ने कालकाजी सीट से अलका लांबा को मैदान में उतारा है। अलका इस वक्त अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष हैं तो पूर्व में चांदनी चौक से विधायक भी रह चुकी हैं। सूत्रों का कहना है कि लांबा के नाम की घोषणा दूसरी सूची में ही हो जाती, लेकिन स्थानीय स्तर पर इस निर्णय के प्रति हुए कुछ विरोध के चलते इसे रोक दिया गया था। बाद में पार्टी ने निर्णय के आगे इस विरोध को दरकिनार और खारिज कर दिया गया। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने कालकाजी से अलका लांबा के नाम को स्वीकृति प्रदान की। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने वर्ष 1990 के दशक में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) से अपनी छात्र राजनीति की शुरुआत की थी। बाद में वह आम आदमी पार्टी में शामिल हो गई थीं और आप के टिकट पर ही वह वर्ष 2015 में चांदनी चौक से विधायक बनी थीं। कुछ साल पहले उन्होंने कांग्रेस में वापसी की थी। मुख्यमंत्री आतिशी वर्तमान में कालकाजी से विधायक हैं और एक बार फिर से वह आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव मैदान में हैं। भातीय जनता पार्टी ने फिलहाल अपने उम्मीदवार अभी घोषित नहीं किए गए हैं।

कांग्रेस अब तक कुल 48 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर चुकी है। उसने नई दिल्ली सीट से पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ पूर्व सांसद संदीप दीक्षित को टिकट दिया है। इसी तरह, कांग्रेस ने जंगपुरा सीट पर पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ दिल्ली नगर निगम के पूर्व महापौर फरहाद सूरी को चुनाव मैदान में उतारा है।

तेज संगीत बजाने के विवाद में युवक की मौत, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। तेज आवाज में संगीत बजाने को लेकर हुए विवाद के बाद पड़ोसियों के बीच झड़प हो गई, जिसमें युवक की मौत हो गई। घटना बुधवार की देर रात रोहिणी इलाके की है। जिसमें जिसमें पड़ोसियों के बीच झगड़े की सूचना दी गई। पुलिस को मौके पर पहुंचने पर पता चला कि पीड़ित धर्मेंद्र का अपने पड़ोसियों पीयूष तिवारी और कपिल तिवारी के साथ तेज आवाज में संगीत बजाने को लेकर झगड़ा हुआ था। शुरुआती जांच से पता चला है कि धर्मेंद्र और उसके भाई ने तेज आवाज में संगीत बजाने पर आपत्ति जताई थी जिसपर आरोपी भाइयों के साथ बहस शुरू हो गई। बहस हिंसक हो गई और आरोपियों ने धर्मेंद्र और उसके भाई पर हमला कर दिया। धर्मेंद्र को बाबा साहेब आंबेडकर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मनमोहन के अरदास में शामिल हुई सोनिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा कई अन्य नेता शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की स्मृति में गुरुद्वारा रकाबगंज में आयोजित कीर्तन और अंतिम अरदास में शामिल हुए। मनमोहन सिंह का 26 दिसंबर को 92 साल की आयु में निधन हो गया था। उनका अंतिम संस्कार 28 दिसंबर को निगमबोध घाट पर किया गया।

कीर्तन और अंतिम अरदास में मनमोहन सिंह के परिजन के अलावा खरगे, सोनिया गांधी, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शामिल थे। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की पूर्व अध्यक्ष बीबी जागीर कौर, पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा और योजना आयोग (अब नीति आयोग) के पूर्व उपाध्यक्ष मोंटेक सिंह अहलूवालिया, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश, प्रवक्ता पवन खेड़ा, पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद और अजय माकन तथा सांसद सुखजिंदर रंधावा शामिल थे। इससे पहले, सिंह के आवास 3 मोतीलाल नेहरू मार्ग पर उनकी स्मृति और सम्मान में शुक्रवार को अखंड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें सोनिया, खरगे, पूर्व उप राष्ट्रपति हामिद अंसारी और कुछ अन्य नेता शामिल हुए। सिंह की पत्नी गुरशरण कौर ने अखंड पाठ के दौरान सिख धर्म के पवित्र ग्रंथ के कुछ अंश का पाठ किया।

विदेशियों की मदद करने के आरोप में एजेंट गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने रूस जाने की कोशिश कर रहे चार विदेशी नागरिकों के लिए फर्जी यात्रा अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) की व्यवस्था करने वाले एक एजेंट को गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त ऊषा रंगनानी ने बताया कि उत्तम नगर के रहने वाले आरोपी दिनेश शर्मा (44) को चार नेपाली नागरिकों को आव्रजन मंजूरी दिलाने में मदद करने के लिए जाली दस्तावेज बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। रंगनानी ने बताया, मामला 30 दिसंबर को उस समय सामने आया, जब चार नेपाली नागरिक राजमणि चौधरी, जय सिंह महतो, अनिल महतो और प्रतिज्ञा मगर ताशकंद के रास्ते मास्को जाने के लिए आईजीआई हवाई अड्डे पर पहुंचे। उनके अनुसार, आव्रजन अधिकारियों ने नेपाल दूतावास द्वारा जारी किए गए कथित एनओसी सहित उनके यात्रा दस्तावेजों को संदिग्ध पाया।

दो बांग्लादेशी प्रवासियों को वापस भेजा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के सफदरजंग इलाके में अवैध रूप से रह रहे दो बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान कर उन्हें वापस भेज दिया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की पहचान लियाकत और उनकी पत्नी नसरीन के रूप में हुई है, जो वर्ष 2012 से दिल्ली में रह रहे थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बृहस्पतिवार को ग्रीन पार्क के पास श्मशान घाट रोड से दंपति को हिरासत में लिया।

पूछताछ के दौरान दोनों ने खुलासा किया कि वे दिल्ली-एनसीआर में विभिन्न स्थानों पर रहे थे और हाल ही में वे ओल्ड सीलमपुर में रह रहे थे। उनके (बांग्लादेशियों प्रवासियों) दस्तावेजों की जांच की गई और उन्हें अवैध पाया गया। पूरी कानूनी प्रक्रियाओं के बाद दंपति को बांग्लादेश वापस भेजने के लिए विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय को सौंप दिया गया। उपराज्यपाल सचिवालय के आदेश पर कार्वाई करते हुए पुलिस ने 11 दिसंबर को राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाले अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान करने के लिए एक अभियान शुरू किया था।

पांच बाजारों का होगा पुनर्विकास : सीएम

● बोर्ली, कमला नगर, लाजपत नगर, कीर्ति नगर, खारी बावली, सरोजिनी नगर मार्केट का किया जाएगा कायाकल्प

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कमला नगर, लाजपत नगर, कीर्ति नगर, खारी बावली, सरोजिनी नगर मार्केट का पुनर्विकास किया जाएगा। जिन बाजारों में महिलाएं ज्यादा पहुंचती हैं, वहां पिंक टॉयलेट बनाएंगे।

मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि दुबई की तर्ज पर शॉपिंग फेस्टिवल आयोजित होंगे। दिल्ली बाजार पोर्टल लॉन्च करेंगे, जो ड्रीम प्रोजेक्ट है। ताकि व्यापारियों का माल देश-विदेश में बिक सके। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री द्वारा विधानसभा में आयोजित व्यापारी सम्मेलन में पहुंची आतिशी और महापौर महेश कुमार खींची व्यापारियों से मुलाकात के दौरान यह बात कही। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल और अध्यक्ष सुभाष खंडेलवाल ने बताया कि प्रोग्राम में 250 से ज्यादा व्यापारी संगठनों, इंडस्ट्री एसोसिएशन्स, ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन्स, और महिला व्यापारियों ने हिस्सा लिया। व्यापारियों ने अपनी परेशानियां सीएम और मेयर के समक्ष रखीं। साथ ही बाजारों में अतिक्रमण, रेहड़ी-पटरी, सड़क, सीवर, पानी, इंफ्रास्ट्रक्चर की समस्याएं उठाई गईं। उद्यमियों ने कहा कि एमसीडी के फैक्ट्री लाइसेंस से मुक्ति मिले।

ट्रांसपोर्टर्स ने कहा कि ग्रीन टैक्स की वसूली का हिसाब-किताब साझा हो। बाजारों में महिलाओं के लिए पर्याप्त और साफ टॉयलेट नहीं हैं। मीटिंग में सीटीआई ने 10 बिन्दुओं का मांग पत्र भी सौंपा।

पुलिस परिवार के सदस्यों, ससुराल वालों से कर सकती है पूछताछ

कैफे मालिक आत्महत्या मामला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मॉडल टाउन इलाके में फांसी लगाकर आत्महत्या करने वाले कैफे मालिक पुनीत खुराना के परिवार के सदस्यों और ससुराल वालों से पुलिस पूछताछ कर सकती है। तथ्यों का पता लगाने के लिए एक टीम खुराना के घर जाएगी तथा उनके मित्रों और ससुराल वालों से भी मुलाकात करेगी।

पुलिस सूत्रों ने पहले बताया था कि खुराना ने फांसी लगाने से पहले अपने मोबाइल फोन में 54 मिनट का वीडियो रिकॉर्ड किया था। वीडियो की एक छोटी क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें पुनीत कह रहे हैं कि वह तनाव में था और उसने इसके कारण भी बताए हैं।

कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं। सूत्र ने बताया, मामले की जांच के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। टीमें उनकी पत्नी, ससुराल वालों और दोस्तों से पूछताछ करेंगी। खुराना ने मंगलवार को अपने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने बताया कि उनके परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया है कि उनकी पत्नी और ससुराल वाले उन्हें परेशान कर रहे थे।

भाजपा के पूर्व विधायक दोषी करार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● अधिकारियों पर हमला करने के मामले में दर्ज था केस

भाजपा के पूर्व विधायक नील दमन खत्री और उनके सहयोगी को दंगा करने और लोक सेवकों पर हमला करने के आरोप में दिल्ली की एक अदालत ने दोषी ठहराया है। आरोप है कि उनके नेतृत्व में एक भीड़ ने राष्ट्रीय राजधानी के नरेला इलाके में अतिक्रमण रोधी टीम पर पथराव किया था।

विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि दंगाई भीड़ को सरकारी अधिकारियों की पहचान और उद्देश्य पता था। अदालत ने कहा, पूर्व विधायक होने के नाते, खत्री को न केवल इन सभी गवाहों द्वारा भीड़ का नेतृत्व करने या उसके साथ चलने वाले के रूप में पहचाना गया, बल्कि वह एक नेता की भूमिका में भी थे। एक पूर्व विधायक के रूप में उनकी खास स्थिति की वजह से उन्हें महज एक आम तमाशबीन या भागीदार के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह मामला खत्री, जोगिंदर दहिया और चार अन्य के खिलाफ था, जिन पर 14 नवंबर 2014 को अतिक्रमण रोधी अभियान चला रहे सरकारी अधिकारियों के खिलाफ लगभग 250 लोगों की भीड़ का नेतृत्व करने का आरोप था।

अदालत ने 24 दिसंबर को दिए गए 56 पृष्ठों के फैसले में कहा, आरोपी नील दमन खत्री और जोगिंदर दहिया को भारतीय दंड संहिता की धारा 143 (अवैध सभा का सदस्य होना), 147 (दंगा करना), 149, 353 और 149 के तहत दोषी ठहराया जाता है। अदालत ने हालांकि, राज कुमार, सुरेन्द्र, प्रवीण और भीम सेन को यह कहते हुए बरी कर दिया कि यह साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है कि वे गैरकानूनी सभा के सदस्य थे या उन्होंने पुलिस अधिकारियों को चोट पहुंचाई।

झगड़े के दौरान हथियार लहराने वाले के खिलाफ केस दर्ज, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में झगड़े के दौरान आग्नेयास्त्र लहराने के आरोप में दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि उन्होंने नाइट क्लब के पूर्व कर्मचारी बिलाल और तालिब को गिरफ्तार कर लिया है। कथित तौर पर झगड़ा तब बढ़ा जब आरोपियों में से एक ने आग्नेयास्त्र लहराया जिससे वहां मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। यह घटना बृहस्पतिवार को निर्माण विहार मेट्रो स्टेशन क्षेत्र के पास हुई।

घटना के संबंध में बृहस्पतिवार सुबह पांच बजे प्रीत विहार थाने में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। मौके पर पहुंचकर अधिकारियों ने आसपास की दुकानों से सीसीटीवी फुटेज एकत्र किए। पीड़ितों में से एक भरत ने आरोप लगाया कि तालिब और बिलाल ने उन पर, उनके दोस्तों पंकज शर्मा और जसमीत सिंह पर हमला किया। शिकायत और सीसीटीवी फुटेज से मिले साक्ष्य के आधार पर मामला दर्ज कर बिलाल और तालिब को गिरफ्तार कर लिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

हंसराज कॉलेज में पुस्तक लोकार्पण आज

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध हंसराज कॉलेज की प्राचार्य प्रो. रमा की जीवन यात्रा के 60 वर्ष पूर्ण होने पर हंसराज कॉलेज के पंडित मदन मोहन मालवीय सभागार में उनकी दो पुस्तकों सिनेमा एवं राष्ट्रवाद तथा सिनेमा और साहित्य का विमोचन तथा कवि सम्मेलन का आयोजन होगा। यह आयोजन हंसराज कॉलेज की विभिन्न समितियों द्वारा आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के हंसराज कॉलेज के प्राक्तन छात्र एवं सांसद नवीन जिंदल होंगे, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ आईएएस एवं अडाणी समूह के सलाहकार आईपीसी केसरी, राजश्री राय एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता ओज के वरिष्ठ कवि हरिओम पवार करेंगे। कार्यक्रम में हंसराज कॉलेज की ड्रामा सोसायटी द्वारा राम की शक्ति पूजा का मंचन एवं इस्कॉन के रसी भक्तों द्वारा कीर्तन प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम के पश्चात् दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में कवि सम्मेलन का आयोजन होगा। गौरतलब है कि प्रो. रमा पत्रकार, लेखिका एवं प्रशासक हैं और 100 से अधिक पुस्तकों का लेखन कर चुकी हैं। उन्हें राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 500 से अधिक पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

नवजात का शव प्लास्टिक की थैली में मिला

नई दिल्ली। सब्जी मंडी इलाके में उस समय सनसनी फैल गई जब एक नवजात बच्चे का शव प्लास्टिक की थैली में मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सुरक्षित शवगृह में रखवा दिया है। पुलिस आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से बच्चे को फेंकने वाले की पहचान करने का प्रयास कर रही है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक शुक्रवार सुबह सब्जी मंडी के पास कूड़े में एक नवजात बच्चे के शव मिलने की सूचना मिली थी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सुरक्षित शवगृह में रखवा दिया है। पुलिस आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से मामले की जांच पड़ताल में जुड़ी है। शुरुआती जांच से आशंका जताई जा रही है कि बच्चे की पहचान छुपाने के लिए यह काम किया गया होगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चाकू के बल पर लूटपाट करने वाले तीन बदमाश पकड़े

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में चाकू के बल पर लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले तीन बदमाशों को अलग- अलग थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि उन आरोपियों पर 24 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज मिले हैं। बदमाशों के कब्जे से पुलिस को तीन बटनदार चाकू बरामद हुआ है। पुलिस के मुताबिक, मंडावली पुलिस को पेट्रोलिंग के दौरान मंगलवार रात करीब 10.30 बजे तालाब पार्क के पास एक बाइकसवार संदिग्ध दिखाई दिया। पुलिस को देखते ही वह भागने की कोशिश करने लगा तो पुलिस टीम ने तत्काल पीछा कर उसे पकड़ लिया। आरोपी की पहचान 21 वर्षीय रहीश के रूप में हुई है। तलाशी में उसके पास से एक बटनदार चाकू बरामद हुआ।

चिड़ियाघर में एक सींग वाले गैंडे धर्मेंद्र की मौत

● एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत बच्चे पैदा करने के लिए असम से दिल्ली लाया गया था

● पहले बीमारी का इतिहास नहीं, इसलिए संभावित वजहों पर विचार कर जांच की जा रही : निदेशक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बच्चे पैदा करने के लिए असम से दिल्ली लाया गया था एक सींग वाला गैंडा की चिड़ियाघर में अप्राकृतिक मौत हो गई है। धर्मेंद्र नामक गैंडा को एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत लाया गया था। इसे सितंबर 2024 में 11 साल की उम्र में लाया गया था। जानवर कथित तौर पर अच्छे स्वास्थ्य में था और उसे बच्चा पैदा करने की उम्मीद में चिड़ियाघर में एक मादा गैंडे से मिलवाया गया था, लेकिन उसकी मौत हो गई है।

दिल्ली चिड़ियाघर के निदेशक संजीत कुमार के अनुसार, धर्मेंद्र सुबह अपने बाड़े में मृत पाया गया। गैंडे को तुरंत चिड़ियाघर के पशु चिकित्सालय ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। लगभग 11 वर्षीय नर गैंडा आज सुबह अपने बाड़े में मृत पाया गया। चूंकि यह एक अप्राकृतिक मौत है और इसका पहले कोई बीमारी का इतिहास नहीं था, इसलिए सभी संभावित वजहों पर विचार किया जा रहा है और जांच जारी है।

उन्होंने कहा कि विस्तृत जांच और पोस्टमार्टम के लिए भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, बरेली के विशेषज्ञों को बुलाया गया है। कुमार ने एंथ्रेक्स की संभावना से इनकार किया है।

हालांकि मादा गैंडों में अभी तक कोई असामान्यता नहीं दिखी है, लेकिन उन्हें निगरानी में रखा जा रहा है। आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत धर्मेंद्र के साथ एक जोड़ी पाइड हॉर्नबिल को दिल्ली भेजा जाना भी शामिल था। बदले में दिल्ली चिड़ियाघर से एक मादा बाघ, एक काला हिरण, एक सफेद हिरण और एक जोड़ी नीले और पीले मैकाओ को असम भेजा है।

अशोक वाजपेई, चित्रा मुद्गल और निर्मला जैन को शलाका सम्मान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हिंदी अकादमी, दिल्ली ने वरिष्ठ साहित्यकारों प्रोफेसर निर्मला जैन, अशोक वाजपेई और चित्रा मुद्गल को क्रमशः 2022-23, 2023-24 और 2024-25 के शलाका सम्मान पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की है।

हिंदी अकादमी, दिल्ली द्वारा बृहस्पतिवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार तीनों वरिष्ठ साहित्यकारों को पांच-पांच लाख रुपए की राशि प्रदान की जाएगी। कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री सौरभ भारद्वाज की अध्यक्षता में 30 दिसंबर 2024 को हुई हिंदी अकादमी, दिल्ली की संचालन समिति की बैठक में पुरस्कारों का फैसला किया गया। इसके अलावा हिंदी अकादमी ने एक नए पुरस्कार की भी घोषणा की है जिसके तहत देश के वरिष्ठ साहित्यकार को 11 लाख रुपए की राशि से सम्मानित किया जाएगा और यह विशिष्ट सम्मान होगा। इस विशिष्ट सम्मान को अगले वित्त वर्ष 2025-26 से लागू किया जाएगा।

हिंदी अकादमी, दिल्ली द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार वर्ष 2022-23 के लिए हिंदी अकादमी शलाका सम्मान प्रो. निर्मला जैन को, 2023-24 के लिए अशोक वाजपेई को और 2024-25 के लिए चित्रा मुद्गल को प्रदान किया जाएगा।

इसके अनुसार मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, इन पुरस्कारों की घोषणा से हिंदी अकादमी ने साहित्य के क्षेत्र में एक मील का पत्थर स्थापित किया है।

पायनियर
लखनऊ, शनिवार, 4 जनवरी 2025

स्वच्छ महाकुम्भ के तहत सहभागिता बढ़ाने के लिए किया सामूहिक भोज

- नववर्ष के उपलक्ष्य में मेला प्राधिकरण ने आयोजित किया स्वच्छता मित्र सामूहिक भोज
- महाकुम्भ मेले के सेक्टर 03 और 04 में संपन्न हुआ सामूहिक भोज कार्यक्रम
- सीएम योगी की प्रेरणा से सभी सेक्टरों में होगा स्वच्छता मित्र सामूहिक भोज का आयोजन

साथ में भोजन करते अधिकारी।

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज में आयोजित होने जा रहे महाकुम्भ को दिव्य भव्य के साथ स्वच्छ महाकुम्भ बनाने का संकल्प मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिया है। सीएम योगी के संकल्प को सफल बनाने की दिशा में मेला प्राधिकरण महाकुम्भ में सफाई व्यवस्था और स्वच्छता मित्रों का विशेष ध्यान रख रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को मेला क्षेत्र में संगम तट के समीप नववर्ष के उपलक्ष्य में स्वच्छता मित्रों के लिये सामूहिक भोज का आयोजन किया गया। जिसमें मेला की विशेष कार्याधिकारी आकांक्षा राणा समेत स्वच्छता और सैनिटेशन विभाग के अधिकारी कर्मचारीगण और सेक्टर मजिस्ट्रेट ने सामूहिक भोज कर स्वच्छताकर्मियों का उत्साहवर्धन किया और स्वच्छ महाकुम्भ के सीएम योगी के संकल्प को सफल बनाने का प्रण भी लिया। सीएम योगी ने अपने पिछले प्रयागराज दौरे पर समीक्षा बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए थे कि स्वच्छता महाकुम्भ की पहचान है। स्वच्छ महाकुम्भ अभियान को सफल बनाने के लिए न केवल स्वच्छता के अच्छे से अच्छे इंतजाम करने होंगे बल्कि मेले में कार्यरत स्वच्छता मित्रों और उनके परिवार का भी पूरा ध्यान रखना होगा।

सीएम योगी के दिशानिर्देशों के मुताबिक मेला प्राधिकरण महाकुम्भ में डेढ़ लाख शौचालयों के निर्माण के साथ सफाई के आधुनिक उपकरणों का भी प्रयोग कर रहा है। साथ ही लगभग 15 हजार स्वच्छता मित्रों और दो हजार गंगा सेवादूतों की नियुक्ति की जा रही है। स्वच्छता मित्रों के रहने के लिए हर सेक्टर में सैनिटेशन कालोनी और उनके बच्चों के लिए विद्या कुम्भ स्कूल और आंगबाड़ी भी बनाई जा रही हैं। इसी दिशा में मेला विशेष कार्यकारी अधिकारी आकांक्षा राणा ने स्वच्छता मित्रों के लिए नववर्ष के उपलक्ष्य में सामूहिक भोज का आयोजन किया। सामूहिक भोज का आयोजन संगम तट के पास सेक्टर तीन और सेक्टर चार में किया गया था। आने वाले दिनों में बाकि के सभी सेक्टरों में उनके सेक्टर मजिस्ट्रेट इसी तरह के सामूहिक भोज का आयोजन करेंगे। स्वच्छता मित्र सामूहिक भोज कार्यक्रम में शामिल रहीं मेला की विशेष कार्यकार्याधिकारी आकांक्षा राणा ने कहा कि इस सामूहिक भोज के आयोजन का उद्देश्य स्वच्छता मित्रों का नववर्ष में स्वागत करना साथ ही उनमें सामूहिकता और अपनत्व का भाव पैदा करना है। हम ये बताना चाहते हैं कि वो भी मेला परिवार का हिस्सा हैं। बिना उनके यह आयोजन सफल नहीं हो सकता। जैसा कि मुख्यमंत्री का मार्गदर्शन है कि महाकुम्भ को दिव्य भव्य के साथ स्वच्छ महाकुम्भ बनाना है जो कि हमारे स्वच्छता मित्रों के सहयोग और पूर्ण सहभागिता के पूरा नहीं हो सकता। यह सामूहिक भोज उसी दिशा में एक टीम बिल्डिंग एक्सरसाइज़ है। सामूहिक भोज कार्यक्रम में विशेष कार्याधिकारी के साथ सैनिटेशन विभाग के आनंद सिंह और सेक्टर तीन और चार के सेक्टर मजिस्ट्रेट विनय मिश्रा और संजीव उपाध्याय भी शामिल हुए।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम संचालित

अंबेडकरनगर। डीएम अविनाश सिंह द्वारा विकास खंड जलालपुर में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ वार्ता की, जिसमें महिलाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के किए गए स्वरोजगारों के संबंध एवं उसकी उपलब्धियों से संबंधित अपने अनुभवों को साझा किया गया। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि स्वयं का रोजगार करने से उनके सामाजिक स्थिति में काफी सुधार हुआ है और आर्थिक स्थिति निरंतर मजबूत हो रही है। इससे उनका जीवन सुखमय होता जा रहा है। जिलाधिकारी ने महिलाओं को आजीविका गतिविधियों में दूर की सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने महिलाओं से कहा कि निरंतर कड़ी मेहनत से वे अपने बिजनेस को आगे बड़े पैमाने पर कर सकती हैं और समाज में अपनी एक नई पहचान बन सकती हैंए जिसमें सरकार भी उन्हें पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी। इस अवसर पर आजीविका मिशन की तरफ से 14 आजीविका गतिविधियां कर रही महिलाओं ने अपने स्टाल लगाए थे जिसमें मधुमक्खी पालन, ऑर्गेनिक सब्जी, मिट्टी के कुल्हड़ व दीपक बनाने, ट्रैकसूट बिक्री, दोना पत्तल, मिठाई आदि के स्टॉल सम्मिलित रहे। जिसको देखकर डीएम ने महिलाओं के अपने बिजनेस एवं कार्य के प्रति समर्पण और लगन की काफी प्रशंसा करते हुए उनका मार्गदर्शन किया। परियोजना निदेशक अनिल सिंह, एसडीएम पवन कुमार जायसवाल, खंड विकास अधिकारी राम बिलाश, सहायक विकास अधिकारी गोरखनाथ मिश्रा, एडीओ पंचायत बृजेश तिवारी, ज्वाइंट बीडीओ पवन कुमार, जिला मिशन प्रबंधक अतुल चौधरी, हरेंद्र सिंह ब्लॉक मिशन प्रबंधक विकास कुमार, सुनील कुमार, रीना अग्रहरि समेत बड़ी संख्या में आजीविका मिशन की उद्यमी दीदियां उपस्थित रहीं।

प्रयागराज जंक्शन पर बनेगा उत्तर मध्य रेलवे का प्रथम गेमिंग जोन

प्रयागराज। प्रयागराज मण्डल यात्रियों को रेलवे का सुखद अनुभव देने के लिए सुविधाओं को निरंतर बेहतर कर रहा है। इसी क्रम में प्रयागराज जंक्शन पर प्लेटफॉर्म छह के निकट उत्तर मध्य रेलवे का पहला गेमिंग जोन शुरू किया जाएगा। यह गेमिंग जोन हाई एंड गेमिंग वीआर क्रिकेट बॉक्स मोशन थिएटर पीसी गेम्स आर्केड गेम्स जंगल सफारी एयर हॉकी और वीआर गेम्स से लैस होगा। यात्री क्लासिक से लेकर आधुनिक आर्केड गेम्स तक कई तरह के खेलों का आनंद ले सकते हैं। यह जोन यात्रियों को मनोरंजन का अनूठा अनुभव प्रदान करने के लिए बनाया गया है। यह गेमिंग जोन फन स्पेस एलएलपी द्वारा स्थापित किया जाएगा। यह गेमिंग जनवरी 2025 से अपनी सेवाएं प्रारंभ कर देगा। प्रयागराज जंक्शन पर गेमिंग ज़ोन की सुविधा न केवल यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाएगा बल्कि बच्चों वयस्कों और वृद्धों जैसे सभी आयु समूहों के लिए भी इसका अनुभव बेहतर होगा। गेमिंग जॉन 24*7 खुला रहेगा और यात्री निर्धारित शुल्क पर टिकट खरीदकर इसका उपयोग कर सकेंगे। यह गेमिंग जोन मॉल में बने गेमिंग जोन की तर्ज पर बनाया जाएगा। यह पहल यात्रियों को बेहतर सेवाएँ प्रदान करने और सुविधाओं को आधुनिक और उन्नत करने के प्रयागराज मण्डल के प्रयासों का हिस्सा है। वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक कोचिंग हिमांशु शुक्ला ने कहा कि प्रयागराज मण्डल यात्रियों के लिए उच्च कोटि की सुविधाएं उपलब्ध करने के लिए संकल्पबद्ध है। प्रयागराज जंक्शन पर एग्जीक्यूटिव लाउंज और स्लीपिंग पॉडस जैसी उन्नत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। यह जानकारी अमित कुमार सिंह जनसंपर्क अधिकारी प्रयागराज मंडल उत्तर मध्य रेलवे ने दी।

मुक्त विवि महाकुंभ में श्रद्धालुओं की हर संभव सेवा एवं सहायता को तत्पर

- कुम्भ गाइड प्रशिक्षण कार्यशाला में स्वयंसेवकों को दी जिम्मेदारी

पौधा भेंट करते कुलपति प्रो सत्यकाम।

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में शुक्रवार को कुंभ गाइड प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो सत्यकाम ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय महाकुंभ क्षेत्र में आने वाले स्नानार्थियों की मदद के लिए गाइड तैयार करवा रहा है। जो कुंभ क्षेत्र में रहकर लोगों को सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने इसके लिए विद्यार्थियों को सामाजिक कर्तव्य में अपनी पूर्ण भागीदारी देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रयागराज के लोगों और विश्वविद्यालय के छात्रों कर्मचारी एवं शिक्षकों को भाग्यशाली बताया। कहा कि हमें विश्वविख्यात कुंभ मेले की मेजबानी करने का सुअवसर मिल रहा है। ऐसे सुअवसर में हमारा विश्वविद्यालय परिवार महाकुंभ में आए हुए श्रद्धालुओं की हर संभव सहायता एवं सेवा कर अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन कर सकता है। प्रो सत्यकाम ने कहा कि यहां प्राप्त होने वाला प्रशिक्षण कुंभ में आने वाले लोगों की सहायता के साथ साथ सभी प्रशिक्षुओं के लिए आजीवन उपयोगी होगा। प्रयागराज महाकुम्भ 2025 के दृष्टिगत मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को प्रमुख सहायता शिविरों तक पहुंचाने में गाइड की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण होगी। इस अवसर पर मुख्य प्रशिक्षक उषा कुशवाहा भारत स्काउट एंड गाइड ने कहा कि महाकुम्भ का महत्व आध्यात्मिक व धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। देश विदेश के श्रद्धालु आस्तिक बुद्धि के साथ कुम्भ में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जन के लिए आते हैं। वह स्नान के साथ साथ प्रयागराज के आस पास के तीर्थ स्थलों का भ्रमण एवं उसकी जानकारी भी प्राप्त करना चाहतें है। इस बारे में प्रशिक्षक सुश्री उषा कुशवाहा ने द्वादश माधव समुद्र गुप्त उल्टा किला मनकामेश्वर मंदिर हार्टकेश्वरनाथ नागवासुकी कोटेश्वर महादेव अलोपशंकरी आदि के विषय में प्रशिक्षुओं को जानकारी उपलब्ध करायी। गाइड जिसका मकसद युवाओं में आत्म नियंत्रण समाज सेवा और देशभक्ति जैसे मूल्यों को विकसित करना होता है जो युवाओं को अच्छे नागरिक बनाने के लिए तैयार करता है। कुंभ गाइड का उद्देश्य चरित्र का गठन स्वस्थ आदतों का निर्माण हस्तकला में प्रशिक्षण और उपयोगी कौशल हासिल करना तथा सेवा की एक उचित भावना विकसित करना है। कुंभ गाइड हनुमान मंदिर बंधवा कंट्रोल रूम ट्रैफिक कंट्रोल झूंसी पुल चुंगी बस स्टैंड सिविल लाइन रेलवे स्टेशन संगम वीआईपी घाट संगम नोज प्राथमिक सहायता केंद्र पूछताछ केंद्र आपदा राहत आदि प्रमुख स्थानों पर सहायता करने के लिए लगाए जाएं। कार्यशाला के प्रारंभ में वाचिक स्वागत एवं विषय प्रवर्तन कार्यक्रम समन्वयक आचार्य विनोद कुमार गुप्त ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो छत्रसाल सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ दिनेश सिंह ने किया।

क्विक न्यूज

जिलाधिकारी ने किया कंबल वितरण

चन्दौली। मौसम के बदलते मिजाज और ठंडी का असर बढ़ते ही जिला प्रशासन भी सतर्क है। रात में किसी को ठंड से परेशानी न हो इसके लिए मुख्यालय स्थित नगर पंचायत चंदौली के रैन बसेरा स्थल का औचक निरीक्षण किया गया।

जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे द्वारा नगर पंचायत चंदौली स्थित रैन बसेरा के टॉयलेट, स्नानगृह, शौचालय, भोजन, सोने के लिए चौकी.बिस्तर एवं अलाव आदि का निरीक्षण किया। यहां दीवार पर सीलन लगी मिली जिस पर जिलाधिकारी ने तत्काल ठीक कराने हेतु निर्देश दिए। निर्देश दिया कि गरीबों और निराश्रितों को सर्दी के मौसम में रैन बसेरा में बिजली, शुद्ध पेयजल, भोजन, टॉयलेट, शौचालय आदि की मूलभूत सुविधाएं निरंतर उपलब्ध कराई जाए। यह रैन बसेरा पूरे ठंडी भर लोगों के लिए राहत देगा। इसके लिए रजाई और गद्दे की समुचित व्यवस्था प्रशासन की ओर से की गई है। निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार नीरज चतुर्वेदीए नगर पंचायत चंदौली पूजा सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन कल

मीरजापुर। आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन 5 जनवरी को आम आदमी पार्टी जनपद इकाई द्वारा 5 जनवरी को समय 12.00 बजे दिन रविवार को आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन रखा गया है इस कार्यकर्ता सम्मेलन में सभी पदाधिकारी की उपस्थिति अनिवार्य है क्योंकि आने वाले समय में दिल्ली विधानसभा का चुनाव होना है इस चुनाव में मिर्जापुर से काफी संख्या में पदाधिकारी दिल्ली जाकर के आम आदमी पार्टी के पक्ष में प्रचार करने का काम करेंगे इसके साथ ही सभी पदाधिकारी से निवेदन है की सदस्यता अभियान की जो राशिद कट गई है उसे सभी पदाधिकारी लेकर सम्मेलन में आए आम आदमी पार्टी का लक्ष्य है की सभी के जीवन में सवेरा लाना सवेरा तभी आएगा जब सभी कार्यकर्ता अपने अपने स्तर से लोगों को जोड़ें और आम आदमी पार्टी जनता के हित में क्या कर रही है इसके बारे में बताएं तभी आम आदमी पार्टी का आने वाले समय में उप्र में एक मजबूत पार्टी के रूप में उभर पाएगी सभी पदाधिकारी से निवेदन है कि समय का ध्यान रखते हुए अधिक से अधिक संख्या में 5 जनवरी को जिला कार्यालय पर पहुंच कर सम्मेलन को सफल बनाएं। जानकारी जिला महामंत्री दिलीप सिंह गहरवार ने दी।

दो नवजात शिशुओ जुड़वा बच्चों की असामायिक मृत्यु

अंबेडकर नगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने तहसील टांडा के ग्राम पंचायत बिहरोजपुर में दो नवजात शिशुओ जुड़वा बच्चों की असामायिक मृत्यु की सूचना पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उप जिलाधिकारी टांडा, क्षेत्राधिकारी टांडा तथा अन्य अधिकारियों, चिकित्सकों के साथ मौके पर पहुंच कर शोकाकुल परिवार के प्रति मानवीय संवेदना प्रकट की। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा बच्चों के परिजन को रु. 50 हजार की आर्थिक सहायता के साथ खाद्यान्न और पौष्टिक आहार भी प्रदान की गई तथा परिवार को पक्का मकान हेतु प्रधानमंत्री आवास से भी आच्छादित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि बच्चों के असामायिक मृत्यु के कारणों का पता लगाने हेतु दोनों बच्चों का पोस्टमार्टम कराया गया है। इसी के साथ ही अचानक बच्चों के असामायिक मृत्यु के विभिन्न पहलुओं पर जांच भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राजकुमार द्वारा टीम गठित कर कराई जा रही है और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि भविष्य में इस प्रकार की कोई भी घटना ना हो।

ओम नमः शिवाय के नागवासुकी भण्डारे के लिए भूमि पूजन

महाकुंभ नगर। ओम नमः शिवाय प्रयागराज की ओर से मेला क्षेत्र के सेक्टर छह नागवासुकी मार्ग में विशाल भण्डारा शुरू करने से पूर्व शिवम ने परिवार सहित विधि विधान से आज भूमि पूजन किया। आचार्य उदित ने रूद्राभिषेक के पश्चात पूजन हवन कराया। ओम नमः शिवाय के गुरुदेव ने बताया कि नागवासुकी मार्ग पर लगे शिविर में भण्डारा छह जनवरी सोमवार से शुरू होकर मार्च तक चलेगा। इस दौरान परेड दारागंज सेक्टर आठ सेक्टर 14 सहित अन्य स्थानों पर विशाल भण्डारा रात दिन चल रहा है। जिसमें लाखों लोग प्रतिदिन प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि महाकुंभ क्षेत्र में ओम नमः शिवाय का विशाल अन्नक्षेत्र 48 वर्ष से माघ मेला अर्द्ध कुंभ और महाकुंभ मेले में चल रहा है जहां लाखों लोग प्रतिदिन दिन रात परिवार सहित प्रसाद ग्रहण करते हैं। ओम नमः शिवाय के गुरुदेव का कहना है कि मेरी कोशिश रहती है कि मेला क्षेत्र में जो भी आए वह बिना खाना खाए वापस न जाने पाए।

श्रीकृष्ण ने सुदामा को दो मुट्ठी चावल में दो लोक दिए

सोनभद्र। दुद्धी में आयोजित रासलीला में कृष्ण सुदामा की प्रसग की जीवन्तता की प्रस्तुति की गयी। जब कृष्ण और सुदामा दोनों बाल्यकाल अवस्था में गुरु के यहाँ दीक्षा ले रहे थे। तो दोनों में गहरी मित्रता हो गयी। इसी बीच गुरु की आज्ञा पर जंगल से लकड़ी लेने के लिए गए सुदामा को भूख लगने पर जब कृष्ण के भी हिस्से की चना जो गुरु देव ने दी थी। खा गए जिस पर उनको मित्र के हिस्से को बिना सहमती के खाने पर दरिद्रता का श्राप मिला। दीक्षा पाने के बाद जब दोनों लौटे तो सुदामा पर दरिद्रता हावी हो गयी जिससे पूरा परिवार निधनता से ग्रसित हो गया। जब सुदामा की पत्नी ने श्रीकृष्ण के पास जाने की जिद्द की तब सुदामा कृष्ण के महल पर गए फटे हाल देख महल का दरबान गेट पर ही रोक दिया तो सुदामा के काफी अनुरोध के बाद श्री कृष्ण को सुदामा के बारे में बताया। सुदामा का नाम सुन भगवान दौड़े दौड़े गेट पर आये और उन्हें महल में लेकर हाल जाना सुदामा जी के पास रखे चावल को भगवान ने छिन कर खाने लगे।

पोषण समिति की डीएम ने की समीक्षा, दिये निर्देश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में पोषण अभियान की जिला पोषण समिति एवं कन्वर्जेन्स समिति की बैठक की, इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि जिले के विकास व स्वस्थ्य समाज के लिए बच्चों का स्वस्थ्य होना जरूरी है, कुपोषण मुक्त गांव की संकल्पना के साथ ही अधिकारियों को गांव के हिसाब से कार्य आवंटित किये गये हैं। उन्होंने कहा कि गांवों को शत–प्रतिशत कुपोषण मुक्त बनाये जाने हेतु प्रभावी कदम उठायें जाये, पोषाहार वितरण के पश्चात पोषण टैऊकर ऐप पर फीडिंग की प्रगति की समीक्षा की। इसी प्रकार से जिलाधिकारी ने बीएचएनडी की बैठक रोस्टर सेशन के अनुसार कराने के निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी व जिला कार्यक्रम अधिकारी को दियें और उपस्थित बाल विकास परियोजना अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पोषण अभियान के तहत कराये जा रहे कार्यों की बेहतर ढंग से मानीटरिंग करना सुनिश्चित करें, बाल विकास परियोजना अधिकारियों द्वारा पोषण अभियान के तहत मानीटरिंग व निरीक्षण के कार्यों में शिथिलता न बरती जाये।

उन्होंने कहा कि सैम–मैम बच्चों को समय से पोषाहार व दवाएं उपलब्ध करायी जाये और उनके स्वास्थ्य का समय–समय पर परीक्षण भी कराया जाये, जिससे कि वह जल्द से जल्द स्वास्थ्य हो सके। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि बाल विकास परियोजना अधिकारी व खण्ड शिक्षा अधिकारी सम्बन्धित ब्लाक में रहकर अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन करना सुनिश्चित करेंगे, मुख्यालय पर बिना जरूरी कार्य के न दिखें। बाल विकास परियोजना अधिकारी, आंगनबाड़ी कार्यकत्री आपस में समन्वय स्थापित कर सभी आवश्यक कार्यवाही समय से पूर्ण कर लिया जाये। बैठक में सीडीओं जागृति अवस्थी एडीएम सहदेव कुमार मिश्र रोहित यादव डीसी मनरेगा, डीसी एनआरएलएम सरिता सिंह सहित अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहें।

डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसो. के कर्मचारियों ने अपर स्वास्थ्य निदेशक को सौपा ज्ञापन

मीरजापुर। मण्डल डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन उत्तर प्रदेश द्वारा लिये गये निर्णय के क्रम में शुक्रवार को अधिकारियो कर्मचारियों द्वारा अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवम परिवार कल्याण मण्डल विंध्याचल मीरजापुर के समस्त जनपदों के फार्मेसिस्ट संवर्ग के मण्डल कार्यालय में एक दिवसीय धरना दिया गया। धरने पर उपस्थित फार्मेसिस्ट संवर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रदेश में कार्यरत फार्मेसिस्टों एवं संवर्ग में उच्च पदों के वेतनमान पद योग्यता एवं कार्यदायित्व के अनुरूप प्रदान न किये जाने पर रोष व्यक्त किया। धरने पर उपस्थित फार्मेसिस्ट समुदाय ने पदनाम परिवर्तित किये जानेए औषधियों का नुस्खा लिखने का अधिकार दिये जानेए पदों के सृजन के मानक में संशोधन किये जाने सहित संवर्ग की अन्य लंम्बित मांगो को शीघ्र पूरा किये जाने की सरकार से माँग की। उपस्थित फार्मेसिस्ट समुदाय ने इस बात पर तीव्र आक्रोश व्यक्त किया कि शासन एवं महानिदेशालय स्तर पर अधिकारियों की उदासीनता के कारण लम्बे समय से संगठन से वार्ता नही की जा रही है जिस कारण समस्याओं का निराकरण नहीं हो रहा है। धरने पर उपस्थित फार्मेसिस्ट समुदाय ने यह निर्णय लिया कि डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन उ0प्र0 के 24 सूत्रीय मॉग पत्र पर यदि सकारात्मक निर्णय लेकर शासनादेश निर्गत नही किये जाते है तो दिनांक 31 जनवरी 2025 को प्रदेश भर के फार्मेसिस्ट संवर्ग के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा महानिदेशालय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं उ0प्र0 लखनऊ पर धरना देकर प्रदर्शन किया जायेगा जिसमें विन्ध्याचल मीरजापुर मण्डल के फार्मेसिस्ट संवर्ग के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी भागीदारी करेंगे एवं धरना स्थल पर ही अग्रिम आंदोलन की घोषणा की जायेगी। डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसएशन विन्ध्याचल मीरजापुर मण्डल के फार्मेसिस्ट संवर्ग के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उ0प्र0 के यशस्वी मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करते है कि डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन उ0प्र0 के माँग पत्र पर निर्णय लेकर शासनादेश जारी करवाने की कृपा करेए अन्यथा की दशा में होने वाले आंदोलन की पूर्ण जिम्मेदारी शासन ध् महानिदेशालय की होगी।

दुनिया भर में सेवा एव इमानदारी का कोई प्रतीक नहीं, इमानदार अधिकारी को इनाम के जगह जिल्लत मिलती है

मड़िहान। मड़िहान मिर्जापुर क्या आपने सोचा है जनता के लिए जी जान से काम करने एव इमानदारी का प्रतीक कुछ होता है। नहीं दुनिया भर में इमानदारी का कोई प्रतीक नहीं होता। शांति का प्रतीक, क्रांति का प्रतीक लोग जानते हैं। लेकिन इमानदारी का प्रतीक कोई नहीं जानता क्योंकि इमानदारी का कोई प्रतीक बना ही नहीं। इमानदारी की सजा मिलती है। बात करें मड़िहान तहसील के वर्तमान तहसीलदार लालता प्रसाद की इनकी गिनती बेहद सक्रिय एकाम करने वाले अधिकारियों में की जा रही है।

मड़िहान तहसील के तहसीलदार लालता प्रसाद उस समय सुर्खियों में आ गये। जब तसीलदार न्यायालय में वर्षो से चल रहे मुकदमों की सुनवाई कार्यभार संभालते ही शुरू कर दी। ज्यादातर मुकदमों का निपटारा कर दिया। जनता की सेवा के उद्देश्य से हर समस्यायों का निस्तार मौके पर पहुंचकर करने वाले अधिकारी बन गये। स्थली निरीक्षण इनके कार्यशैली के सिद्धांतों में बेशुमार शामिल होने लगा। जनता के समस्यायों का संपूर्ण समाधान करने लगे। तहसीलदार का कार्यभार महज 4 महीने पहले संभालने वाले ये अधिकारी तहसील के लिए अद्भुत कार्य करने लगे।क्षेत्र में काम करने वाले अधिकारियों में इनकी गिनती की जा रही है। जिस अधिकारी को इनाम मिलनी चाहिए। उसे विवादों में घेरा जाता है। जनता की सेवा में बाधा डाला जाता है। इसे क्या कहें इमानदारी की सजा या इमानदार अधिकारी के कार्यशैली में रूकावटें।

सोने के दिन, चांदी के दिन आये गए आंधी के दिन: डा. सुरेश

- यादगार रहा मधुरिमा साहित्य गोष्ठी का 62वां अ0भा0कवि सम्मेलन

सोनभद्र। हिन्दी साहित्य में शुमार मधुरिमा साहित्य गोष्ठी का 62 वां अखिल भारतीय कवि सम्मेलन अपने अतीत की सुनहरी यादों को समेटे वर्तमान के साथ चलते हुए भविष्य की इबारत लिखने के संकल्प के साथ आयोजन को यादगार बनाते हुए साहित्य प्रेमियों के दिलों में अपनी अमिट छाप छोड़ गया। संस्था के निदेशक देश के लब्ध प्रतिष्ठ साहित्यकार चिंतक नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष अजय शेखर व सदर विधायक भूपेश चौबे के मुख्य आतिथ्य में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन की अध्यक्षता पूर्व संयुक्त निदेशक साहित्यकार डा. अनिल मिश्र व संचालन कवि नागेश सांडिल्य ने किया। सर्द मौसम में साहित्य निशां की सुनहरी शाम के साक्षी बने श्रोताओं की मौजूदगी से रावर्ट्सगंज का आरटीएस क्लब ठहाकों और तालियों की गड़गड़ाहट से गुंजयमान रहा। देश के विभिन्न हिस्सों से आये साहित्य साधकों के स्वागत व माल्यार्पण के पश्चात कुमारी सृजा व जाने माने गीतकार जगदीश पंथी के वाणी वन्दना की प्रस्तुति श्वेत वसने मां तुम कहां हो, एक बार फिर वीणा बजा दो से कार्यक्रम का आगाज किया गया।

कभी कभी भुला सा सब कुछ याद बहुत आता है, वक्त गुजर जाता है जैसे गीतों को गुनगुनाते हुए नोएडा से आये देश के श्रेष्ठ गीतकार डा. सुरेश ने रावर्ट्सगंन से अपने चार दशक पूर्व जुड़े अपने रिश्ते को तरोताजा करते हुए सोने के दिन चांदी के दिन आये गए आंधी के दिन सुनाकर श्रोताओं को मुग्ध कर दिया। चंदौली के आये गीतकार मनोज द्विवेदी 'मधुर' मैं जमाने के नजरों में नाकाम हुँ , क्योंकि हमने किसी को छला ही नही और रचना तिवारी ने मौत जी गए तुम्हारे बिन, सांस सांस

जख्म कर गयी गीत गुन गुनाते हुए आयोजन को खुशनुमा बना दिया। बलिया से आये भोजपुरी भूषण डा. नन्द जी नंदा ने लीले खातिर तोहके मिलल आजादी, इहे राष्ट्रभक्ति सही आचरण ह सुनाकर व्यस्था पर करारा प्रहार किया तो डा. धर्म प्रकाश मिश्र ने त्रेता वाला गिद्ध सीता माता हेतु जान दिया, कलयुग के गिद्ध सीताओं को नोच खाते है गजलकार अब्दुल हई अच्छा हुआ जो आप बेगाने हो गए, नाहक ही इश्क में कई अफ़साने हो गए और शायर अशोक तिवारी ने जुबां से तल्ख मगर दिल से बहुत सच्चा है, हवेलियों के दरमियाँ उसका मकान कच्चा है सुनाकर तालियां बटोरी।

गीतकार मनमोहन मिश्र ने कूबत हुनर पे आपके कोई शक नही, फिर दो दिलों के मिलने का हक नही से श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया कवियित्री अनुपम वाणी ने छोड़कर हसरतों को इसी द्वार पर, लौट आयी दबे पांव जैसे गयी तथा आजमगढ़ से आयी दिव्या राय ने कोई आने की जुर्रत ना करे दिल के मुहल्ले में, मेरे दिल के इलाके के बहुत बड़े माफिया हो तुम और कवियित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने देश द्रोहियों के हस्ती को करना होगा बिल्कुल खाक, आग नही जिनके सीने में समझो वो इंसान नही सुनाकर खूब वाह वाही बटोरी।कवि प्रदुम्न त्रिपाठी ने कस कमर जवानों फिर से शीश देना है अपने वतन के लिए व सलीम शिवालवी ने अपनी नज्म सुनाकर श्रोताओं को लोट पोट कर दिया। पूर्व संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक साहित्यकार डा. अनिल मिश्र अपने अध्यक्षीय काव्यपाठ व सम्बोधन से आयोजन को शिखर पर पहुंचा दिया और आयोजन के सफलता के साथ मधुरिमा कविता, मुक्तक, छंद व गीत गजलों को गुनगुनाते हुए श्रोताओ के जेहन में अपनी अमिट छाप छोड़ गयी। कवि सम्मेलन के समापन की घोषणा उप निदेशक आशुतोष कुमार ने किया।

प्रिया को बचाएं

यमन में मौत की सजा

यमन में मौत की सज़ा काट रही केरल की नर्स निमिशा प्रिया की कहानी ने व्यापक बहस और चिंता को जन्म दिया है। यमन के राष्ट्रपति रशद अल-अलीमी द्वारा उसकी मौत की सज़ा को मंजूरी दिए जाने के साथ ही, उसकी रिहाई के लिए समय कम होता जा रहा है। उसकी कहानी कोई अकेली घटना नहीं है, बल्कि खाड़ी और कई अन्य देशों में काम करने वाले कई लोगों के सामने आने वाली एक कठिन परीक्षा है। यह मामला न केवल एक व्यक्ति के भाग्य के बारे में है, बल्कि न्याय, कूटनीति और मानवाधिकारों के बारे में भी गंभीर सवाल उठाता है। प्रशिक्षित नर्स निमिशा प्रिया निजी अस्पतालों में काम करने और अपना करियर बनाने के लिए यमन चली गईं। 2015 में, उन्होंने सना में एक क्लिनिक खोलने के लिए यमनी नागरिक तलाल अब्दो महदी के साथ भागीदारी की। यमन के कानूनों के अनुसार व्यवसायों के लिए स्थानीय प्रायोजन की आवश्यकता होती है और महदी ने प्रिया के लिए वह भूमिका निभाई। हालाँकि, यह पेशेवर रिश्ता एक बुरे सपने में बदल गया। महदी ने क्लिनिक के स्वामित्व के दस्तावेजों में हेराफेरी की, जाली और मॉर्फ्ड तस्वीरों का इस्तेमाल करके दावा किया कि वह उसका पति है और उसके वित्त पर नियंत्रण कर लिया। उसे मानसिक रूप से परेशान किया गया और अपने ही घर में शारीरिक यातना और कारावास के अधीन किया गया। 2017 में, अपना पासपोर्ट वापस पाने और उसके चंगुल से बचने के लिए बेताब, प्रिया ने महदी को बेहोश करने की कोशिश की। दुर्भाग्य से, अधिक मात्रा के कारण बेहोश करने वाली दवाएं घातक साबित हुईं, जिससे उसकी मौत हो गई। यमनी न्यायिक प्रणाली ने उसे हत्या का दोषी पाया और उसे मौत की सजा सुनाई। उसकी सजा के खिलाफ अपील करने के प्रयास समाप्त हो गए हैं, यमनी सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रपति ने उसकी दलीलों को खारिज कर दिया है। जबकि महदी की मौत निस्संदेह दुखद है, प्रिया केवल अपना जीवन वापस पाना चाहती थी और जबरदस्ती और क्रूरता से भागना चाहती थी। अगर उसे फांसी दी जाती है तो यह न्याय का उपहास होगा और इसका मतलब पीड़ित को दंडित करना होगा।

उसकी रिहाई यमन की जनजातीय न्याय प्रणाली से जुड़ी एक जटिल प्रक्रिया पर निर्भर करती है और माफ़ी पाने के लिए आरोपी को महदी के परिवार को रक्तदान का भुगतान करना होगा। मृत्युदंड की छूट सुनिश्चित करने के लिए यमन के अधिकारियों और जनजातीय नेताओं के साथ उच्च-स्तरीय कूटनीतिक चर्चाएँ आवश्यक हैं। इसके अलावा, रक्तदान के लिए जन समर्थन जुटाना एक रास्ता हो सकता है। प्रक्रिया में निष्पक्षता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए यमन के कानून और जनजातीय वार्ता में विशेषज्ञता वाली एक समर्पित कानूनी टीम को नियुक्त करना महत्वपूर्ण है। मानवाधिकार मुद्दे के रूप में वैश्विक मंचों पर प्रिया के मामले को उजागर करने से अंतर्राष्ट्रीय समर्थन मिल सकता है और यमन पर उसकी सज़ा पर पुनर्विचार करने का दबाव पड़ सकता है। प्रिया का मामला अपमानजनक परिस्थितियों में पकड़े गए प्रवासियों की दुर्दशा को रेखांकित करता है। उसके कृत्य, हालांकि गंभीर थे, लेकिन पूर्व नियोजित नहीं थे बल्कि प्रणालीगत शोषण की पृष्ठभूमि के खिलाफ आत्म-संरक्षण से प्रेरित थे। प्रिया को भारत वापस भेजने से उसे बेहतर सुनवाई का मौका मिलेगा। भारत सरकार और नागरिक समाज को उसकी रिहाई सुनिश्चित करने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास बढ़ाने चाहिए कि उसे अपना जीवन फिर से शुरू करने का उचित मौका मिले।

संसदीय प्रक्रिया में सुधार की आवश्यकता

संसदीय प्रक्रिया में तुरन्त सुधारों की आवश्यकता है ताकि संसद में अनुशासन, गरिमा और प्रभावशीलता सुनिश्चित की जा सके। संसद का बहुत समय बेकार नष्ट हो जाता है।

कल्याणी शंकर

(लेखिका, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

हालिया शीत सत्र में संसद की उत्पादकता रिकार्ड स्तर पर सबसे कम रही। इससे वह अपने निर्धारित काम का केवल 52 प्रतिशत पूरा कर सकी। संसद की उत्पादकता इतनी कम होने के पीछे अनेक तत्व शामिल हैं जिनमें कामकाज में बाधा, समुचित कोरम पूरा न होना, आदि शामिल हैं। सत्ता पक्ष और आक्रामक विपक्ष के बीच टकराव इस सत्र में लगातार जारी रहा। संसद का इस सत्र में प्रदर्शन उसकी उत्पादकता बनाए रखने के मामले में एक चुनौती की तरह है। संसद में विपक्ष खासकर अडानी मुद्दे पर चर्चा करना चाहता था। नेता विपक्ष राहुल गांधी ने यह मुद्दा बार-बार सार्वजनिक स्तर पर भी उठाया था। विपक्ष के अनुसार अपनी प्रभावशीलता के कारण अडानी मुद्दा सार्वजनिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण था। इसके साथ ही विपक्ष ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा डा. बी.आर. अंबेडकर पर अपने बयान पर माफी मांगने के लिए जोर डाला था। डा. अंबेडकर भारतीय इतिहास के अत्यधिक सम्मानित व्यक्ति हैं। हालांकि, सरकार टकरावों के बावजूद लचीला दृष्टिकोण अपनाने को तैयार नहीं थी जिसके कारण पूरे शीत सत्र में उत्पादकता केवल 40.03 प्रतिशत रही। इन विपरीत परिस्थितियों में भी लोकसभा में पेश पांच विधेयकों में चार पास किए गए। राज्सभा ने शीत सत्र में तीन विधेयकों को मंजूर किया। इस सत्र में लोकसभा में कामकाज के 65 घंटे और 15 मिनट बरबाद हुए जो 2024 में सर्वाधिक थे। लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष द्वारा पेश कार्यस्थगन की अनेक मांगों को स्वीकार नहीं किया गया। 18वीं लोकसभा अनेक प्रकार से एकदम अलग थी। एक दशक में पहली बार संसद में विपक्ष मजबूत स्थिति में था तथा आधिकारिक रूप से उसके पास एक नेता विरोधी दल-एलओपी था। वर्तमान समय में संसद के भीतर तथा बाहर विभिन्न दलों में कड़वाहट बढ़ रही है। दोनों पक्षों में से कोई भी झुकने को तैयार नहीं है। ऐसे में संसद की गरिमा, अनुशासन तथा सम्मान बनाए रखना अत्यधिक महत्वपूर्ण हो गया है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए संसदीय प्रक्रिया में सुधारों की आवश्यकता उजागर होती है। पहले की किसी भी स्थिति की तुलना में आज यह बहुत जरूरी हो गया है और इस मामले में त्वरित कार्रवाई की जानी चाहिए।

संसद के हालिया शीत सत्र पर करदाताओं का 97,87,50,000 रुपया खर्च हुआ। संसदीय सत्र चलाने का खर्च प्रति मिनट 2.5 लाख रुपये से अधिक है। इससे सरकारी खजाने पर भारी बोझ पड़ता है, अत: संसदीय प्रक्रियाओं को तत्काल सुचारु बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए हमें अपनी संसदीय प्रक्रियाओं की तत्काल समीक्षा करनी चाहिए। संसद चलाने पर आने वाले भारी खर्च तथा इसकी कम उत्पादकता को जल्दी से जल्दी संबोधित किया जाना चाहिए। अक्सर संसद दिन में कई बार स्थगित होती है। पिछले पांच दशकों में संसद का स्थगन समय 100 गुना से अधिक बढ़ा है। इससे संसदीय प्रक्रिया का मुद्दा तुरन्त संबोधित करने की आवश्यकता उजागर होती है। उदाहरण के लिए संसद के शीत सत्र में सत्तारूढ़ भाजपा नीत राजग तथा कांग्रेस नीत सक्रिय 'इंडिया' विपक्षी समूह द्वारा बार-बार विरोध प्रदर्शन देखने को मिले।

इस सत्र में लोकसभा में कामकाज के 65 घंटे और 15 मिनट बरबाद हुए जो 2024 में सर्वाधिक थे। लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष द्वारा पेश कार्यस्थगन की अनेक मांगों को स्वीकार नहीं किया गया। 18वीं लोकसभा अनेक प्रकार से एकदम अलग थी।

भाजपा के सांसद ने कांग्रेस पार्टी पर डा. बाबा साहेब अंबेडकर को 'अपमानित' करने का आरोप लगाया। जबकि नेता विपक्ष राहुल गांधी तथा 'इंडिया' समूह के सांसदों ने अंबेडकर पर अपमानजनक टिप्पणी के कारण केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की। इस मुद्दे पर हुई हाथापाई में दो सांसदों को चोट लगी और यह मामला पुलिस तक पहुंचा। सभी राजनीतिक पार्टियों को एक-दूसरे पर आरोप लगाने के बजाय अंबेडकर की विरासत का सम्मान करना चाहिए। संसद में पेश अन्य विधेयकों में मुसलमान वक्फ वापसी विधेयक, भारतीय वायुयान विधेयक, आपदा प्रबंधन संशोधन विधेयक, बिल्स आफ लेडिंग बिल, कैरेज आफ गुड्स बाई सी बिल, रेलवे संशोधन विधेयक, बैंकिंग कानून संशोधन विधेयक तथ तेलक्षेत्र नियमन एवं विकास संशोधन विधेयक शामिल हैं। सरकार ने एक विवादास्पद विधेयक-'एक राष्ट्र, एक चुनाव' भी पेश किया जिसे संसदीय स्थाई समिति को भेज दिया गया। विडंबना है कि भले ही सांसदों को विधि-निर्माता कहा जाता हो, पर विधेयकों को शोर-शराबे में बिना समुचित चर्चा के पास किया गया।

संसदीय बहसों पर लगने वाले समय में कमी लोकतंत्र के लिए हानिकारक है। विरोध प्रदर्शन, कार्य स्थगन तथा सत्रों का समय घटाए जाने से सत्रों का लगभग आधा समय समाप्त हो गया है। आदर्श रूप से सांसदों को सरकार से सवाल पूछने चाहिए, विभिन्न मुद्दों पर सूचनायें प्राप्त करनी चाहिए तथा प्रश्नकाल के माध्यम से उसके कामकाज पर सवाल भी उठाने चाहिए।

अल्पकालीन सूचना प्रश्न, ध्यानाकर्षण तथा कार्यस्थगन प्रस्ताव, आदि कार्यपालिका पर विधायिका का नियंत्रण स्थापित करते हैं। लेकिन ये सब तभी प्रासांगिक होते हैं जब संसद सही ढंग से चल रही हो। इसे देखते हुए संसदीय व्यवस्था को सफ्ल बनाने के ज्यादा प्रयास किए जाने चाहिए। इसके लिए अनुशासन, चरित्र तथा सार्वजनिक नैतिकता की मजबूत भावना सभी सांसदों में होनी जरूरी है। ऐसे में पहले के किसी भी समय की तुलना में आज समग्र एवं तत्काल संसदीय सुधारों की आवश्यकता है। यह काम तुरन्त किया जाना जरूरी है। सभी पक्षों को इस व्यवस्था में तत्काल सुधार की जरूरत समझनी चाहिए जिनमें राजनीतिक विश्लेषक और नागरिक भी शामिल हैं। संसदीय मामलों के प्रशासन में दिलचस्पी लेने वाले राजनीतिक दलों से लेकर नागरिकों तक सभी पक्षों को इसकी तात्कालिकता अनुभव करनी चाहिए। टिकाऊ आर्थिक वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक सुधार भी आवश्यक हैं। संसद की भूमिका नई आर्थिक नीति से भी जुड़ी है। इसके लिए राज्य की भूमिका में व्यापक कमी की भी जरूरत हो सकती है। इसे देखते हुए संसद का पेशेवर ढंग से कार्य प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए तकनीकों का प्रयोग किया जाना चाहिए। हालांकि, हमें उचित ही पिछले पांच दशकों में संसद के तार्किक रूप से सफ्ल कामकाज पर गर्व होना चाहिए, पर संसद को बदलते समय की आवश्यकताओं को देखते हुए अपने में सुधार करना होगा। हमें सावधानी से सतर्कता पूर्वक इच्छित परिवर्तनों पर राष्ट्रीय सहमति बनाने का प्रयास करना चाहिए। आखिरकार संसद जनता तथा सरकार के बीच संप्रेषण और संवाद का माध्यम है। इसे देखते हुए स्वस्थ संसदीय व्यवहारों तथा गरिमा और अनुशासन बनाए रखने के सभी प्रयास किए जाने चाहिए। यह संसद की गरिमापूर्ण कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए जरूरी हैं। इस दिशा में सरकार और विपक्ष को आपस में सहयोग करना चाहिए।

श्वेत क्रिसमस का सपना

"न्यूयॉर्क में क्रिसमस के बारे में कुछ ऐसा है जो हमेशा के लिए अमर हो जाता है। चाहे कितने भी साल बीत जाएं या आप इसे कितनी भी बार देखें, इसका जादू कभी फीका नहीं पड़ता।"

श्रेया दयाल

(लेखिका, शोधकर्ता हैं)

पहली बार जब मैंने छुट्टियों के दौरान न्यूयॉर्क शहर देखा, तब मैं 19 साल की थी, मैं अपने दोस्तों के साथ एक तूफानी यात्रा पर कॉलेज की नयी छात्रा थी। यह सर्दियों का मेरा पहला वास्तविक अनुभव था- बर्फ, कड़ाके की ठंड और ऐसी ठंडी हवा जो आपके गालों को लाल कर देती है। एक ऐसी जगह से होने के नाते जहाँ क्रिसमस का मतलब टिमटिमाती रोशनी वाले ताड़ के पेड़ होते हैं, बर्फ से ढके शहर को देखना एक नई दुनिया में कदम रखने जैसा लगा। मुझे तब यह नहीं पता था, लेकिन उस यात्रा से शहर के साथ मेरा प्यार जगमगा उठा और आखिरकार पाँच साल बाद मैं यहाँ वापस आ गयी। मुझे अभी भी याद है कि कैसे बर्फ ने मुझे चौंका दिया था। यह उस तरह की कोमल, तस्वीर जैसी नहीं थी जिसकी मैंने फिल्मों में कल्पना की थी। यह कठोर, अथक और बिल्कुल ठंडी थी। उस ब्लैक फ्राइडे पर टाइम्स स्क्वायर से गुजरते हुए, उन परतों में लिपटे हुए जो अभी भी पर्याप्त नहीं लग रही थीं, मैंने शहर को एक तरह से जीवंत होते देखा जो बिजली जैसा महसूस हुआ। यह केवल ऊंचे-ऊंचे बिलबोर्ड या अंतहीन बिक्री के संकेत नहीं थे जो रात के सभी घंटों में खरीदारों को दुकानों में आकर्षित करते थे। यह ऊर्जा थी- बर्फ में एक-दूसरे से बचते हुए छुट्टियों के सौदों का पीछा करते हुए लोगों की स्पष्ट गूंज। यह अव्यवस्थित, भारी और अविस्मरणीय था। चमकती रोशनी और बर्फीले फुटपाथों के पागलपन में कहीं, मुझे पता था कि मैं किसी दिन वापस आना चाहता था-एक आगंतुक के रूप में नहीं, बल्कि यहाँ के किसी व्यक्ति के रूप में। उस यात्रा के दौरान, हमने वह सब कुछ किया जो आपको न्यूयॉर्क में पहली बार क्रिसमस का अनुभव करते समय करना चाहिए। हमने रॉकफेलर सेंटर के पेड़ को देखा, जो स्केटिंग रिंक के ऊपर ऊँचा था, इसका हर इंच चमक रहा था जैसे कि इसे किसी परीकथा से निकाला गया हो। जब हम वहाँ खड़े थे, तो ठंड ने मेरी

उंगलियों को काट लिया, यह सब देख रहे थे। एक पल के लिए, भीड़ और ठंड गायब हो गई, केवल रोशनी की कोमल जगमगाहट और किसी ऐसी प्रतिष्ठित चीज़ के सामने खड़े होने का विस्मय रह गया। मेट पूरी तरह से एक अलग दुनिया थी। किसी ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसने इसके बारे में केवल किताबों में पढ़ा था, इसकी भव्यता में कदम रखना अवास्तविक लगा। प्रदर्शनियों में घूमते हुए, मैं यहाँ के इतिहास और कला के जीवंत होने के तरीके से मंत्रमुग्ध हो गयी। बाहर, बर्फ फिर से गिर रही थी, लेकिन मैं अपने आस-पास की सुंदरता में इतना खो गया था कि ठंड का एहसास ही नहीं हुआ। वह यात्रा सिर्फ़ नज़ारों के बारे में नहीं थी; यह उन पलों के बारे में थी जो मेरे जाने के बाद भी लंबे समय तक मेरे साथ रहे। उन पलों में से एक ब्रॉडवे पर फैंटम ऑफ़ द ओपेरा देखना था। उस थिएटर में बैठकर, झूमर के गिरने और फैंटम की भयावह कहानी को सामने आते हुए देखकर, मुझे एक तरह का जादू महसूस हुआ जिसे मैं बयां नहीं कर सकता। यह सिर्फ़ एक शो से कहीं बढ़कर था-यह एक ऐसा पल था जिसने मुझे एक ऐसे तरीके से ज़िंदा महसूस कराया जैसा मैंने पहले कभी नहीं किया था।

बर्फीली रात में थिएटर से बाहर निकलते हुए, ऑर्केस्ट्रा की आवाज़ें अभी भी मेरे दिमाग में गूंज रही थीं, मुझे शहर से एक ऐसा जुड़ाव महसूस हुआ जिसे मैं हिला नहीं सकता था। ऐसा लगा जैसे न्यूयॉर्क ने अपनी बाहें मेरे लिए खोल दी हों और फुसफुसाते हुए कहा हो, वापस आओ।

पांच साल बाद, मैं वापस आ गयी। उस पहली यात्रा के बाद से ही मैं न्यूयॉर्क में रहने का सपना देखती थी, और अब मैं यहाँ थी, एक पर्यटक के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो शहर को अपना घर कहता है। यह मज़ेदार है कि वे शुरुआती यादें अभी भी इतनी जीवंत लगती हैं, जैसे कि वे मेरा एक हिस्सा हों। आज टाइम्स स्क्वायर से गुजरते हुए, मैं अभी भी उस ठंडी ब्लैक फ्राइडे की रात के बारे में सोचती हूँ जब मैंने पहली बार बर्फ का सामना किया था। रॉकफेलर के पेड़ को देखकर अब उस पहली यात्रा की झलकियाँ याद आती हैं- इसकी सुंदरता को देखकर विस्मय में खड़े होना और एक ऐसे भविष्य के बारे में सपने देखना जो किसी तरह वर्तमान जैसा लगता है। यहाँ तक कि जब मैं ब्रॉडवे शो देखती हूँ, तो मैं यह याद किए बिना नहीं रह पाती कि कैसे फैंटम ऑफ़ द ओपेरा ने मुझे पहली बार इस शहर से प्यार करने पर मजबूर कर दिया था।

न्यूयॉर्क में क्रिसमस के बारे में कुछ ऐसा है जो हमेशा के लिए अमर हो जाता है। चाहे कितने भी साल बीत जाएं या आप इसे कितनी भी बार देखें, इसका जादू कभी फीका नहीं पड़ता। बर्फ अभी भी चमकती है, रोशनी अभी भी चमकती है, और शहर अभी भी उस अचूक छुट्टियों की ऊर्जा से गुलजार रहता है। मेरे लिए, यह सिर्फ़ नज़ारों या बर्फ़ के बारे में नहीं है-यह इस बारे में है कि यह शहर आपको कैसा महसूस कराता है। यह इस बारे में है कि यह आपको अपनी अराजकता, अपनी सुंदरता और अपने जादू में कैसे लपेटता है, और आपको ऐसी यादें देता है जो जीवन भर बनी रहती हैं। न्यूयॉर्क शहर में एक सफ़ेद क्रिसमस सिर्फ़ एक छुट्टी नहीं है-यह एक कहानी है। और मेरे लिए, यह एक 19 वर्षीय व्यक्ति की कहानी है जिसे बर्फ़, रोशनी और शहर से प्यार हो गया।

आप की बात

सायबर ठगी को रोकें

हालांकि साइबर ठगी को रोकने के लिए सरकार, बैंकें, सामाजिक संस्थाएं आदि प्रयासरत हैं. किन्तु बढ़ती सायबर ठगी अब आम होती जा रही है और सरकार व समाज के प्रयास नाकाफी लग रहे हैं. एक ओर आधुनिक साधन सबके लिए सुविधाएं जुटा रहे हैं तो दूसरी ओर ये ही साधन सबके लिए जी के जंजाल बनते जा रहे हैं. कोई ठगी का शिकार हो रहा है तो कोई ठगों के चंगुल में फंसकर जिंदगी की जमा पूंजी से बेजार ही नहीं बल्कि जार-जार हो रहा है. जल,थल,नभ दुर्घटनाओं से भी अधिक आम ही नहीं बल्कि ख़ास लोगों के लिए भी ठग-घटनाएं तकलीफदेह बनती जा रही है. सरकार अपने स्तर पर लोगों को ठगों से बचाने के उपायों में तेजी लाये और सुरक्षात्मक व्यवस्थाओं को बढ़ाए ताकि आम लोग लुटने सकें. सामाजिक जागरूकता आंदोलन भी चलाकर लोगों को सचेत किया जा सकता है. दूसरे अपने संसाधनों से ठगों तक पहुँचने के प्रयास भी सरकार करे सरकार और समाज दोनों ही प्रयास से बढ़ती ठग समस्याओं से निपटा जा सकता है और उसके शिकार होने से लोगों को सचेत/सुरक्षित किया जा सकता है. सरकार इस हेतु उचित व सख्त कदम उठाये. ताकि लोगों को रोज-रोज होने वाली इस सायबर ठगी से बचाया जा सके।

– **शकुंतला महेश नेनावा**, इंदौर

नशे से मुक्ति का प्रयास

नशे से निकाल बनाया स्वावलंबी और मिटा दिया गांव के माथे पर लगा कलंक सबंधी खबर पढ़ी। पटियाला की गुरप्रीत कौर ने सैकड़ो लोगों को नशे की लत से छुटकारा दिला कर नशे से मुक्त किया साथ ही उन्हें फिर से दलदल में ना फंसे रोजगार भी उपलब्ध करवाया। नशा मुक्ति अभियान में इस तरह से जागृति लाना ही अभियान को सार्थकता प्रदान कर सकता है साथ ही आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी परेशानी को दूर कर एक स्वस्थ्य जीवन प्रदान कर सकता है। नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाला नुकसान हमारी कल्पना से कहीं अधिक घातक और जानलेवा होता है। खास तौर से युवाओं के बीच नशीले पदार्थों के सेवन का बढ़ता चलन अब एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है।किसी भी प्रदेश का भविष्य और तरक्की वहां के युवाओं पर टिकी होती है। देश की युवा पीढ़ी अगर गलत रास्ते पर चली जाए तो निश्चित तौर पर उनका जीवन अंधकारमय हो सकता है। नशे का मानसिक, सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर भी बुरा असर पड़ता है।यदि व्यक्ति अपनी,अपनों की एवं सारे संसार की खुशहाली जिंदगी चाहता है तो उसे आज से ही नशे का सेवन बंद कर देना चाहिए। दृढ़ इच्छाशक्ति के बिना इसे छोड़ा नहीं जा सकता है। अपनी व अपने परिवार की खुशहाली के लिए नशे से दूर रहने का प्रयत्न करना चाहिए।

– **संजय वर्मा**, धार, मप्र

बाधक भ्रष्टाचार

राजनेताओं या अन्य धनकुबेरों के घर से मिलते नोटों के पहाड़ समाज में कई सवाल उठाते हैं। यह स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या यह धन उनके द्वारा किए गए कार्यों का फल है, या यह किसी प्रकार की अनैतिकता और भ्रष्टाचार का प्रतीक है। जब एक नेता या जनप्रतिनिधि जनता के पैसों का दुरुपयोग करता है और उन पैसों से स्वयं लाभ उठाता है, तो यह केवल व्यक्तिगत लाभ नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक बड़ा खतरा बन जाता है। राजनीति में धन का ऐसा अंधाधुध रूप से भंडारण यह संकेत देता है कि शायद लोकसेवा के बजाय व्यक्तिगत स्वार्थ और सत्ता की भूख प्रमुख हो गई है। यह असमानता और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है। इसके बावजूद, इस प्रकार की घटनाएं समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार, लालच और नैतिक गिरावट को उजागर करती हैं। समाज के हर वर्ग को यह समझना आवश्यक है कि राजनीति का उद्देश्य केवल जनता की सेवा होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत संपत्ति की वृद्धि। राजनेताओं को ईमानदारी, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना चाहिए, ताकि वे लोगों का विश्वास हासिल कर सकें और एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र की नींव रख सकें।

– **गोपाल सोनी**, मनावर, मप्र

संविधान अमृत महोत्सव

भारत में सन 2025 में संविधान अमृत महोत्सव की चर्चा की धूम है. भारत के संसद के में संविधान पर विशेष चर्चा की गई, जिसके लिए केंद्र सरकार एवं संसद सचिवालय प्रशंसा के पात्र हैं. इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा प्रयागराज में संविधान गैलरी का निर्माण किया गया है जिसका लोकार्पण एवं अवलोकन भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के द्वारा 10 जनवरी को किया जाएगा .उत्तर प्रदेश सरकार का देश-विदेश के पर्यटकों संविधान के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी, जिसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार बधाई की पात्र है. संविधान गैलरी में संविधान निर्माण की प्रक्रिया, संविधान सभा का गठन, संविधान से संबंधित जानकारी को ऑडियो वीडियो विजुअल के माध्यम से जनता को दृश्य अवलोकन कराया जाएगा. संविधान के प्रति देश विदेश में जागरूकता बढ़ाने का यह अच्छा कदम है. महाकुंभ में 60 करोड़ देशवासी और 20 लाख विदेशी पर्यटक प्रयागराज में आने की संभावना है जिनको महाकुंभ के साथ-साथ संविधान गैलरी देखने का भी अवसर मिलेगा।

– **वी के जाटव**, नई दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

डीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

संवाददाता। अमेठी

डीएम निशा अनंत की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालय परिवहन यान की बैठक आयोजित हुई। डीएम ने सर्वप्रथम गत बैठक में समिति द्वारा दिए गए निर्देशों की कार्यवाही की समीक्षा की। डीएम ने कहा कि वर्तमान में पड़ रही कड़ाके की ठंड व घने कोहरे के दृष्टिगत अपने वाहन की गति धीरे रखें, जिससे कि दुर्घटना बचा जा सके। जिला अधिकारी ने महाकुंभ व कोहरे के दृष्टिगत दृश्यता कम हो जाती है जिसके लिए सभी सड़कों पर सफेद पट्टीए सड़कों के किनारे पेड़ों पर रिफ्लेक्टर निर्माण एजेंसियों को लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने रामगंज त्रिशुंडी ; सुल्तानपुर प्रयागराजद्ध मार्ग पर महाकुंभ के दृष्टिगत पर्याप्त प्रकाश व्यवस्थाए साफ सफाईए सफेद पट्टी लगवाने तथा अतिक्रमण मुक्त कराने निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान में घने कोहरे के कारण के कारण दृश्यता बहुत ही काम है जिसके लिए ई.रिक्शाए ट्रैक्टर ट्राली सहित अन्य समस्त प्रकार के वाहनों पर रिफलेक्टर लगवाए जाएए रोडवेज की बसों के फिटनेस का निरीक्षण उनके चालकों के स्वास्थ्य व नेत्र परीक्षण समय समय पर किया जाएए उच्च प्राथमिक, माध्यमिक उच्च शिक्षा द्वारा समस्त स्कूलों महाविद्यालयों, प्रशिक्षण संस्थानों इत्यादि में सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु भाषण, क्विज, चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित कराएं जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि अभिभावक मीटिंग में सड़क सुरक्षा विषय पर अनिवार्य रूप से चर्चा की जाएए समस्त तहसीलों में उपस्थित स्कूली वाहन वाले विद्यालयों की विद्यालय परिवहन यान समिति की बैठक अनिवार्य रूप से आयोजित कर ली जाए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण एजेंसियों द्वारा स्कूलों के पास साइन बोर्डए रंबल स्ट्रिप का निर्माण कराया जाए तथा सड़कों पर निर्धारित गति सीमा बोर्ड लगाया जाए।

बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिकए मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेलए अपर जिला अधिकारी ;विधिध्वद्ध अर्पित गुप्ता मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 अंशुमान सिंहए उप जिलाधिकारी गौरीगंज दिग्विजय सिंहए एआरटीओ सर्वेश श्रीवास्तवए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय तिवारीए सहित अन्य संबंधित अधिकारी व विद्यालय के प्रबंधकध्प्राचार्य उपस्थित रहे।

हाईवे पेट्रोलिंग को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया जाए:डीएम

उरई (जालौन)। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की। इस बैठक में सड़क सुरक्षा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि जनपद में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या को कम किया जा सके। जिलाधिकारी ने जनपद के उन मार्गों का चयन करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जो दुर्घटनाओं के लिए संवेदनशील हैं। इन मार्गों पर रोड सेफ्टी ऑडिट किया जाए और ऐसे ब्लैक स्पॉट्स के अतिरिक्त, उन हॉटस्पॉट्स की पहचान भी की जाए, जहां भविष्य में गंभीर दुर्घटनाओं की संभावना हो। इसके साथ ही, उन्होंने आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद में अधोमानक हेलमेट निर्माताओं और विक्रेताओं के खिलाफकार्रवाई की जाए और जनता को जागरूक किया जाए कि केवल आईएसआई मानक वाले हेलमेट का ही प्रयोग करें। साथ ही, वाहन चालकों और पिलियन राइडर्स को हेलमेट के सही उपयोग के प्रति जागरूक किया जाए। शराब पीकर ड्राइविंग रोकने और अन्य यातायात नियमों के पालन कराया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सड़क मार्गों पर निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही वाहनों को खड़ा किया जाए और अवैध रूप से खड़े वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई की जाए। इसके अलावा, हाईवे पेट्रोलिंग को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। सड़क और हाइवे पर विपरीत दिशा में चलने वालों के खिलाफपकड़कर कठोर कार्यवाही की जाए। जहां कहीं पर भी पुलिया या सड़क का निर्माण हो रहा है वहाँ पर पक्की दीवार की चिनाई कराकर बंद कर दिया जाए और संकेतक दूर से ही लगा दिया जाए ताकि दुर्घटना की संभावना न रहे। समस्त उपजिलाधिकारी इसे चेक करके देख लें।

प्रभारी मंत्री ने पोषण पुनर्वास केन्द्र व पुलिस लाइन स्थित बैरक हास्टल का किया निरीक्षण

श्रावस्ती। प्रदेश के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आबकारी एवं मद्य निषेध विभाग जनपद के प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल जी ने संयुक्त जिला अस्पताल स्थित नवनिर्मित पोषण पुनर्वास केन्द्र (एनआरसी) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने एनआरसी वार्ड में बच्चों से मिलकर उनका कुशलक्षेम जाना तथा बच्चों के परिजनों से वार्ता कर उन्हें दी जा रही सुविधाओं के सम्बन्ध में जानकारी ली। प्रभारी मंत्री ने कहा कि मरीजो को सभी सुविधाएं पूरी पारदर्शिता के साथ मुहैया करायी जाएं तथा मरीजो के साथ बेहतर व्यवहार कर सेवाभाव किया जाए एनआरसी में बेड के सापेक्ष शत.प्रतिशत बच्चों की भर्ती की जाए अस्पताल में तैनात सभी चिकित्सकोंध्पैरामेडिकल कर्मियों की शत.प्रतिशत उपस्थित सुनिश्चित रखे। इस दौरान जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी द्वारा मंत्री जी को अवगत

कराया गया कि उनके द्वारा भी समय.समय पर एनआरसी का निरीक्षण किया जाता रहा है तथा कुपोषित बच्चों को सभी सुविधाएं मुहैया हो इसके लिए सम्बन्धित को निर्देश भी दिये गये है।

तदोपरान्त उन्होंने पुलिस लाइन में निर्माणाधीन पुरूषों हेतु 100 बेड क्षमता के बैरक हास्टल का भी निरीक्षण किया उन्होने कहा कि जनपद में जो भी विकासपरक निर्माण कराये जा रहे हैं उन्हे पूरे गुणवत्ता के साथ समय.सीमा के अन्दर पूरा किया जाए और उन्हें जन उपयोग में लाया जाए। उक्त अवसर पर विधायक रामफेरन पाण्डेय सदस्य विधान परिषद डा. प्रज्ञा त्रिपाठी मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह मुख्य चिकित्साधिकारी डा. अशोक कुमार सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने पुस्तकालय का किया निरीक्षण

अमेठी। जिलाधिकारी निशा अनंत ने आज जामों रोड स्थित पुस्तकालय का स्थलीय निरीक्षण किया। डीएम ने निरीक्षण के दौरान लाइब्रेरी में उपस्थित छात्राओं से उनका हाल.चाल जाना एवं उन्हें नव वर्ष की शुभकामनाएं दी तथा उन्हें डायरी भेंट की। डीएम ने अध्यनरत छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई कर उनके द्वारा तय किए गए लक्ष्य को हासिल करने को कहा। इसके उपरांत उन्होंने साफ सफाईए खराब लाइटों को बदलवाने तथा लाइब्रेरी परिसर में डस्टबिन रखवाने के निर्देश संबंधित को दिए। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने लाइब्रेरी कार्यकत्री को ठंड से बचाव के दृष्टिगत कंबल दिलवाया। इसके उपरांत जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी निशा अनंत ने आज राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित ईवीएमध्वीवीपैट वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता, विभिन्न राजनैतिक पार्टियों के पदाधिकारी व निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एनकार्ड की जिलास्तरीय समिति की बैठक हुई आयोजित

अमेठी। जिलाधिकारी निशा अनंत ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में नशीले पदार्थ की खेती एवं मादक पदार्थों के अवैध व्यापार पर अंकुश लगाए जाने के दृष्टिगत एनकार्ड की जिला स्तरीय समिति की बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा.निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा जनपद में नारकोटिक्स पदार्थए ड्रग्स तथा अवैध शराब की बिक्रीए निर्माण अथवा संचय नहीं होने हेतु पुलिस विभागए आबकारी विभाग तथा ड्रग्स विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये। मीटिंग में जनपद में कहीं भी अवैध नारकोटिक्स पदार्थए ड्रग्स आदि की धरपकड़ हेतु सभी स्टेकहोल्डर्स को समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करने के निर्देश दिए गये। जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को विद्यालयों में नशा मुक्ति अभियान चलाने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत

कौशिक ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत समस्त शराब की दुकानों पर सीसीटीवी कैमरा व ग्रिल अनिवार्य रूप से लगवाए जाएं। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुमान सिंहए जिला आबकारी अधिकारी अखिलेश आर्य, जिला समाज कल्याण अधिकारी सहित अन्य संबंधित उपस्थित रहे। जिलाधिकारी निशा अनंत व पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में अत्याचार से उत्पीड़ित अनुसूचित जाति एवं जनजाति के व्यक्तियों की आर्थिक सहायता योजना की समीक्षा बैठक की। बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी मनोज शुक्ला ने बताया कि कुल 172 लाभार्थियों को रुपए 139ण70 लाख का भुगतान किया जा चुका है तथा शेष 141 लंबित प्रकरणों में ;प्रथम किस्त के 70, द्वितीय किस्त के 62 एवं प्रथम व द्वितीय किस्त के 09 प्रकरणद्ध से 71 प्रकरणों में 124 पीड़ितों को सहायता स्वीकृत की कार्यवाही की जा रही है। डीएम ने निर्देशित करते हुए कहा कि समस्त प्रकरणों की गुणवत्तापूर्ण जांच कर शेष समस्त प्रकरणों में स्वीकृत तथा भुगतान की कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जाएगी।

ठंड से बचाव के लिए तहसील प्रशासन ने 13 स्थानों पर जलवाए अलाव

लालगंज रायबरेली। तहसील प्रशासन की ओर से कर्क राशि ठंड से निजात दिलाने के लिए तहसील क्षेत्र के 13 स्थानों पर अलाव जलवाए गए। एसडीएम ने ठंड रहने तक अलाव के समुचित प्रबंध के लिए लेखपालों को निर्देशित किया है। एसडीएम नवदीप शुक्ला ने बताया कि बढ़ती ठंड को देखते हुए क्षेत्र के गेंगासो में पुरानी चुंगी के निकटए बेनीमाधवगंज बाजार, खीरों ब्लॉक परिसरए सरेनी बाजार, खजूरगांव अस्पताल परिसर, भोजपुर बाजार, दोसडका, पूरेपांडेय चौराहा, भीतरगांव पानी टंकी के निकट, सेमरी चौराहा, बेहटा चौराहा, तहसील परिसर व गेंगासो क्रासिंग में अलाव का प्रबंध किया गया। जरूरतमंदों को शासन की ओर उपलब्ध कराए गए कंबल वितरित किये गए हैं। राजस्व निरीक्षकों और लेखपालों की टीम लगाकर अलाव की सुविधा को निरंतर चालू रखने के निर्देश दिए गए हैं।

बालू का अंधाधुंध दोहन कर लोग करोड़पाति लेकिन बुंदेलखंडी फटेहाल: राजा बुंदेला

जालौन (उरई)। यदि बुंदेलखंड के जनप्रतिनिधि अलग बुंदेलखंड राज्य को समर्थन दें तो निश्चित ही जल्द ही पृथक बुंदेलखंड राज्य का निर्माण हो सकता है। यह बात अलग बुंदेलखंड राज्य को लेकर गांव-गांव, पांव-पांव यात्रा लेकर जालौन नगर पहुंचे राजा बुंदेला ने कही। उन्होंने कहा कि या तो केंद्र सरकार बुंदेलखंड को केंद्र शासित प्रदेश घोषित करें या फिर बुंदेलखंड को राज्य बनाये तभी इस क्षेत्र के विकास का रास्ता खुल सकता है। पृथक बुंदेलखंड राज्य की मांग को लेकर राजा बुंदेला द्वारा गांव गांव पांव पांव यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। राजा बुंदेला के नेतृत्व में निकाली जा रही गांव गांव पांव पांव यात्रा का पड़ाव गुरुवार को नगर में ही था। शुक्रवार की सुबह राजा बुंदेला ने आनंदी बाई हर्षे बालिका इंटर कॉलेज, महाराणा प्रताप साइंस इंटर कॉलेज व एनएसटी स्कूल में संवाद किया। इसके बाद कन्हैयालाल अग्रवाल मैमोरियल बाल विद्या मंदिर में उन्होंने पत्रकारों से संवाद करते हुए कहा कि पहले चरण की यात्रा का शुभारंभ ललितपुर और झांसी जिले में हुआ। जिसमें आम जनमानस का काफी सहयोग मिला। यात्रा का दूसरा चरण 26 दिसंबर से 10 जनवरी तक है। उन्होंने कहा कि अभी तक बुंदेलखंड को विकास की दौड़ में जानबूझकर अछूता छोड़ा गया है। बुंदेलखंड की धरती एक ओर जहां हीरे पैदा करती है। जिसकी बाजार में लाखों करोड़ों रुपये कीमत होती है। लेकिन यहां मजदूरी करने वाले लोगों को रूखी सूखी रोटी पर ही गुजारा करना पड़ता है। लाल सोना मानी जाने वाली बालू का अंधाधुंध दोहन कर लोग करोड़पाति बन जाते हैं। लेकिन यहां के लोगों को कुछ नहीं मिलता है। बिजली उत्पादन के प्लांट तो बुंदेलखंड में हैं फिर भी बुंदेलखंड में रहने वाले लोगों को घंटों अंधेरे में रहना पड़ता है। इसी तरह प्रदेश की आबादी भी लगातार बढ़ रही है। संसाधन के नाम पर घोषणाएं तो कर दी जाती हैं। लेकिन वह यहां के लिए पर्याप्त नहीं है। ऐसे में पृथक बुंदेलखंड राज्य का निर्माण की इसके विकास की गारंटी है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि भी इसमें आगे आएं और पृथक बुंदेलखंड राज्य के निर्माण में सहयोग करें। अब उत्तर प्रदेश या मध्य प्रदेश के अधीन नहीं रहना है। या तो बुंदेलखंड को केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया जाए या अलग राज्य बनाया जाए तभी बात बनेगी। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन, बुंदेलखंड मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष प्रदुम्न दीक्षित, अशोक राठौर, प्रताप सिंह बुंदेला, महेंद्र पाटकार मृदुल, विपुल अग्रवाल, आशीष चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे।

बौद्धिक काउंसिल ग्रुप ने किया बुंदेलखंड राज्य का समर्थन

जालौन। अलग बुंदेलखंड राज्य की मांग को लेकर गांव-गांव, पांव-पांव यात्रा लेकर नगर में आए राजा बुंदेला को बौद्धिक काउंसिल ग्रुप ने समर्थन दिया साथ ही झंडा चौराहे पर राजा बुंदेला को ताईबाई की प्रतिमा देकर उन्हें सम्मानित किया गया। इसके साथ ही बौद्धिक काउंसिल ग्रुप के सदस्यों ने जालौन को पुन: जिला घोषित करने और किसानों की सुविधा के लिए पचनद पर बांध बनाए जाने की भी मांग की है। इस मौके पर अध्यक्ष वाचस्पति मिश्रा, सचिव केसी पाटकार आदि मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने जय-जय बुंदेलखंड के संबोधन से किया पदयात्रियों का स्वागत

जालौन। पृथक बुंदेलखंड प्रांत की मांग को लेकर राजा बुंदेला के नेतृत्व में निकाली जा रही पदयात्रा में शामिल लोगों ने रात्रि विश्राम जालौन में करने के बाद नौवें दिन की पद यात्रा ने अपने अगले लक्ष्य की ओर प्रस्थान किया तो मौके पर मौजूद लोगों ने पदयात्रियों में जोश भरते हुये नारा लगाया- हमें अपना स्वराज्य चाहिए, पृथक बुन्देलखण्ड राज्य चाहिए। जय जय बुन्देलखण्ड, जय जय बुन्देलखण्ड। हम सबने ये ठाना है, बुन्देलखण्ड राज्य बनवाना है। हमें आपका साथ चाहिए, हर घर से दो हाथ चाहिए की गूंज के बीच पद यात्रा का कारवां ग्राम हरदोई राजा, कुसमरा, बाबई, नगरी, हथना, छानी होती हुई देर शाम सिरसा कलार पहुंची। पदयात्रा का ग्रामीणों ने जोश के साथ स्वागत करते हुये पृथक बुंदेलखंड राज्य निर्माण के समर्थन में अपना समर्थन पत्र भी राजा बुंदेला को सौंपा।

विद्युत आपूर्ति बाधित रहने से उपभोक्ता हुए बेहाल

लालगंज रायबरेली। टाउन फीडर में आई गड़बड़ी के कारण शुक्रवार को नगर क्षेत्र की बिजली पूरे दिन प्रभावित रही। करीब 12 घण्टे विद्युत आपूर्ति बाधित होने के कारण नगर क्षेत्र के करीब पांच हजार उपभोक्ता परेशान रहे। विद्युत आपूर्ति नहीं होने के कारण लोगों को पेयजल की समस्या से जूझना पड़ा। लाइन की मरम्मत के बाद शाम करीब 5 बजे विद्युत आपूर्ति बहाल की जा सकी। जिसके बाद उपभोक्ताओं के जान में जान आई। 132 केवी लाइन के तीन इंसुलेटर पंचर हो गए। जिसे सुबह पांच बजे से लेकर शाम 5 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रही। पूरे दिन बिजली विभाग के कर्मचारी फाल्ट को ढूंढने में लगे रहे। हार्ट में आई गड़बड़ी को ठीक करने के बाद विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी गई। एक्ससीएन दयाशंकर ने बताया कि विद्युत लाइन में आई गड़बड़ी को ठीक किया जा रहा है। जल्द ही विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

विधायक गणेश ने जिला अस्पताल का किया निरीक्षण

● कमियों को दूर किये जाने का सीएमओ को दिये निर्देश

संतकबीरनगर। शुक्रवार को धनघटा विधायक गणेश चौहान ने जिला अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल के अवांछित तत्व मौके से फरार हो गए। वहीं अस्पताल में मिली कमियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए इसे दूर करने के लिए सीएमएम डॉ. भवनाथ पाण्डेय को निर्देश दिया। विधायक के साथ सीएमओ डॉ. रामानुज कन्नौजिया, सीएमएम डॉ. भवनाथ पाण्डेय सहित अन्य डाक्टर मौजूद रहे। विधायक ने जिला अस्पताल के वार्डो का निरीक्षण करते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा मिली रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान कई मरीजों ने विधायक से स्वास्थ्य सुविधाओं पर सवाल खड़ा किया। जिस पर विधायक ने उक्त समस्या के समाधान के लिए सीएमएस को निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में विधायक ने एमसीएच विंग में स्थापित किए गए रैन बसेरा का निरीक्षण किया। रैन बसेरा में ताला लगा हुआ था जिसे सीएमएस डॉ. भवनाथ पाण्डेय ने संबंधित कर्मचारी को

निरीक्षण करते विधायक धनघटा।

बुलवाकर उसे खुलवाया। उसके वाद रैन बसेरा में की सुविधाओं के वारे में सीएमएस ने विधायक तथा सीएमओ को जानकारी ली। रैन बसेरा में महिला एवं पुरूप के लिए अलग-अलग वार्ड वनाये गए हैं। यहां पर पानी लेकर हर एक सुविधा का ध्यान रखा गया है। विधायक ने कहा कि भीषण ठंड पड़ रही है इसके दृष्टिगत रैन बसेरा में लगाये गये विस्तर सही नहीं है। इसके लिए सीएमओ को निर्देश दिया है कि उस पर एक और विस्तर लगाया जाय या फिर और मोटा विस्तर लगाया जाय। जिससे रैन बसेरा में आने वाले लोगों को ठंड से राहत मिल सके।

बांट माप विभाग ने परखी बजाज चीनी मिल के कांटों की शुद्धता

गोंडा। बजाज हिंदुस्थान शुगर लिमिटेड कुंदरखी चीनी मिल गेट पर गुरुवार की देर शाम औचक पहुंचकर वरिष्ठ बांट माप निरीक्षक बी.के. वर्मा ने वहां स्थापित कांटों की गहन जांच पड़ताल कर गेट पर हो रही गन्ना तौल का जायजा लिया। इस मौके पर उन्होंने कांटे पर खड़ी गन्ना लदी गाड़ी का वजन कराने के बाद 10 कुंतल के मानक बांट रखवाकर कांटों की शुद्धता परखा। जांच के दौरान चीनी मिल प्रशासन द्वारा दी जाने वाली सभी सुविधाएं और तौल कार्य दुरुस्त मिला।

● आरटीओ विभाग ने लगवाए रिफ्लेक्टर

दूसरी ओर जिलाधिकारी नेहा शर्मा के निर्देश पर संभागीय परिवहन विभाग गोंडा के प्रभारी एआरटीओ/यात्री कर अधिकारी शैलेन्द्र तिवारी ने चीनी मिल के केन यार्ड में पहुंच कर वरिष्ठ महाप्रबंधक (गन्ना) डॉ. अनिल कुमार त्रिपाठी के साथ गन्ना लेकर आए किसानों के ट्रैक्टर ट्रॉलियों में रेडियम/रिफ्लेक्टर लगवाए। पीटीओ श्री तिवारी ने किसानों से बातचीत करते हुए उनसे यातायात के नियमों को पालन करने और ओवर लोडिंग न करने के लिए जागरूक भी किया। इस मौके पर एचआर हेड बीपी दीक्षित, गेट इंचार्ज शशिकांत दूबे, सुरक्षा प्रमुख के.एन. तिवारी, सहायक प्रबंधक गन्ना उमापति तिवारी, वरिष्ठ गन्ना अधिकारी रमेश प्रताप सिंह, शिफ्ट ऑफिसर हेमंत पाठक, वरिष्ठ अधिकारी श्रवण पांडेय, यार्ड सुपरवाइजर जय प्रकाश सिंह, सिक्योरिटी सुपरवाइजर नंदलाल तिवारी, सुरेश सिंह आदि मौजूद रहे।

फार्मर रजिस्ट्री कार्य की प्रगति समीक्षा बैठक में धीमी गति पर डीएम ने जतायी नाराजगी

● लेखपाल निलम्बित, कृषि विभाग के 3 कर्मचारी निलम्बित ● जनसेवा केन्द्रों का लाईसेंस निरस्त व 112 जनसेवा केन्द्रों के निरस्तीकरण हेतु नोटिस

श्रावस्ती। भारत सरकार द्वारा संचालित फार्मर रजिस्ट्री योजनान्तर्गत एग्री स्टैक पोर्टल पर जनपद के समस्त कृषकों के रजिस्ट्रेशन का कार्य जनसेवा केन्द्र सीएससी के माध्यम से किया जाना है जिसके तहत जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के समस्त लेखपालों एवं कृषि विभाग के अधिकारियोंध्कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। बैठक में रजिस्ट्रेशन एवं ई.केवाईसी कार्य अत्यन्त धीमी गति पाये जाने पर जिलाधिकारी ने कई लेखपालों को चेतावनी देते हुए उनका दस दिन का वेतन काटने का निर्देश दिया है इसके अलावा कार्य में शिथिलता बरतने वाले सभी लेखपालों एवं कृषि विभाग के कर्मचारियों को स्पष्टीकरण जारी करने का निर्देश दिया।

डीएम ने लेखपाल क्रमश: घनश्याम अंशिका जायसवाल दिलीप यादव शिम्पी शुक्ला को कारण बताओ नोटिस जारी एवं कृषि विभाग के टीएसी रविकांत एटीएम जगत प्रसाद का दस दिन का वेतन काटते हुए प्रतिकूल प्रविष्टि जारी करने का निर्देश दिया। वहीं लेखपाल राजाराम वर्मा व गंगाराम एवं कृषि विभाग के टीएसी यशपाल एटीएम विजय कुमार व टी0ए0सी0 नितिन कुमार को तत्काल प्रभाव से निलम्बित करते हुए उनके स्थान पर अन्य कर्मचारी को लगाकर कार्य पूरा कराने का निर्देश दिया है। इसके अलावा रजिस्ट्रेशन कार्य की नियमित समीक्षा नही करने पर अपर जिला कृषि अधिकारी अश्वनी यादव एवं एसडीओ बलजीत बहादुर वर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। डीएम ने रजिस्ट्रेशन कार्य में सहयोग न करने वाले 03 जनसेवा केन्द्रों का लाइसेंस/आई0डी0 निरस्त कर दी गई है। एवं 112 जनसेवा केन्द्रों को निरस्त किये जाने हेतु नोटिस जारी किया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री कार्य शासन की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। इसलिए सभी लेखपालगण अपने सम्बन्धित ग्राम पंचायतों के रोजगार सहायकों अथवा अन्य किसी भी योग्य व्यक्ति की मदद लेकर फार्मर रजिस्ट्री कार्य शत.प्रतिशत पूर्ण करायें। सभी तहसीलों के संबंधित उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया है कि नियमित समीक्षा करते हुए अद्यतन रिपोर्ट शीघ्र प्रेषित की जाए।

शिक्षा में बांधा न आये सहायता के लिए वर्चुअल बैठक

संतकबीरनगर। त्वरित सेवा/मदद टीम अग्रहरि समाज रजि. उत्तर प्रदेश की वर्चुअल बैठक की गई। जिसमें जनपद जौनपुर, गोरखपुर, आजमगढ़, संतकबीरनगर, वाराणसी, फैजाबाद, लखनऊ, सुल्तानपुर, अमेठी, मिर्जापुर, भदोही, चित्रकूट के पदाधिकारी व संभ्रान्त नागरिकगण जुड़े रहे। इन लोगों से परस्पर चर्चा के दौरान प्रदेश अध्यक्ष श्रवण कुमार अग्रहरि द्वारा प्रस्ताव रखा गया कि आमजन की आकस्मिक सहायता के साथ-साथ समाज के अंतिम पायदान पर बैठे समाज के संसाधन विहीन नौनिहालों के शिक्षण/पठन-पाठन की व्यवस्था के निमित्त सहयोग/व्यवस्था का कार्य संचालित किया जाना चाहिए। जिस विभिन्न जनपदों से जुड़े समाज सेवियों एवं शिक्षकों ने चर्चा कर अपना विचार/सुझाव दिया। इसके अनुक्रम में विभिन्न स्थानों पर समाज के प्रतिनिधियों द्वारा संचालित शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत संस्थानों व बंधुओं का डाटा तैयार कर सभी के सहयोग से इस महत्वपूर्ण कार्य को दिशा दिये जाने पर सहमति बनी। आगामी शिक्षण सत्र तीन महीनों में शुरू होने वाला है जिसमें प्रदेश अध्यक्ष श्रवण कुमार अग्रहरि द्वारा विभिन्न स्थानों क्षेत्रों के समाज के अन्तिम पायदान पर बैठे अग्रहरि समाज के 201 संसाधन विहीन एवं जरूरत मंद बच्चों का प्रवेश कराकर उन्हें नि:शुल्क शिक्षा मुहैया कराये जाने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में प्रदेश कोषाध्यक्ष देवेन्द्र अग्रहरि, धर्मेन्द्र अग्रहरि आजमगढ़, युवा प्रदेश महामंत्री विवेक अग्रहरि भदोही, जगदीश चन्द्र अग्रहरि वाराणसी, रामेन्द्र अग्रहरि एडवोकेट गौरीगंज, उमेश अग्रहरि अमेठी, राकेश अग्रहरि लखनऊ, दयाराम अग्रहरि सुल्तानपुर, कामेश्वर अग्रहरि मिर्जापुर, श्रीमती सारिका अग्रहरि लखनऊ, सोनू अग्रहरि धम्मौर, अरविन्द अग्रहरि जौनपुर, विक्रम अग्रहरि जौनपुर, ई0 अरविन्द अग्रहरि सांगीपुर, अरूण अग्रहरि चित्रकूट, दीपेश अग्रहरि आदि क्षेत्रों के समाजसेवी कार्यकर्ता शामिल रहे।

हर्षोल्लास से मनाई माता सावित्रीबाई फुले की 194वीं जयन्ती

● हम भारत के लोग बैनर तले किया गया कार्यकम का आयोजन

शिवगढ़, रायबरेली। क्षेत्र के शिवगढ़ नगर पंचायत अन्तर्गत दामोदर खेड़ा में हम भारत के लोग बैनर तले बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक भारत की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले की 194 वीं जयन्ती मनाई गई। इस अवसर पर बहुजन महापुरुषों के जीवन पर आधारित भाषण तथा स्वरचित गीत प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया जिसमें छात्र.छात्राओं ने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए सैकड़ों की में संख्या में उपस्थित लोगों का मनमोह लिया। कार्यक्रम में बुद्धिष्ट म्यूजिकल ग्रुप की मिशनरी ड्रांसर आंचल बौद्धएपायल बौद्ध ने माता सावित्रीबाई की महिमा पर आधारित मनमोहक प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। वहीं अमरेश दीवाना के ऊर्जावान भाषण सुन जयभीम के उद्घोष से पूरा पण्डाल गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम का शुभारम्भ आलोक बौद्ध, जेपी बौद्ध, दीपक बौद्ध, शिक्षक राजेश्वर प्रसाद, प्रेम नरायण, आरवी टेडर्स के मालिक मनोज रावत, अम्बरीष बौद्धएओम प्रकाश रावतएप्रेमचन्द नाग आदि लोगो द्वारा भगवान तथागत बुद्ध, भारतरत्न डा. भीम राव अम्बेड़कर, महात्मा ज्योतिबाराव फुले, माता सावित्रीबाई फुलेएसन्त कबीरदास आदि महापुरुषों की प्रतिमा पर पुष्पांजलि से किया गया। मंच संचालक आलोक बौद्ध ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहाकि गरीबी से ज्यादा सामाजिक बेज्जती खटकती हैएइस शोषण को समाप्त करने के लिए महात्मा ज्योतिबाराव फुले ने सावित्रीबाई फुले को पढ़ाया लिखाया और वे देश की प्रथम महिला शिक्षिका बनी। समाज को शोषण से बचाने के लिए जन.जन में शिक्षा की अलख जगानी होगी। दीपक बौद्ध ने माता सावित्रीबाई के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहाकि

सावित्रीबाई फुले का जन्म एक दलित परिवार में हुआ था। पहले के समय में दलितों को शिक्षा आदि से वंचित रखा जाता था लेकिन सावित्रीबाई फुले ने इन सब कुरीतियों से लड़कर अपनी पढ़ाई जारी रखी। उनके समाज में छुआ.छूत का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने इन सबसे हार न मानकर अपनी शिक्षा जारी रखी। इसके बाद उन्होंने अहमदनगर और पुणे में अध्यापक बनने की ट्रेनिंग पूरी की और बाद में अध्यापिका बनीं। वहीं जेपी बौद्धएदीपक बौद्धएजगजीवन भारती आदि लोगों ने माता सावित्रीबाई फूले एवं बहुजन महापुरूषों के जीवन पर डालते हुए शिक्षा पर जोर दिया। कार्यक्रम का आयोजन युवा समाजसेवी आलोक कुमार बौद्धएमवइया निवासी युवा समाजसेवी दीपक कुमार बौद्ध के नेतृत्व में हम भारत के लोगों द्वारा किया गया। वक्ताओं ने लोगों में सविधान की अलख जगाते हुए कहाकि समाज में शोषण तथा ठगी से बचने के लिए संविधान के प्रति लोगों को जागरूक करना होगाएसंविधान की रक्षा करनी होगी।

पायनियर
लखनऊ, शनिवार, 4 जनवरी 2025

डीएम की पहल सीएम युवा उद्यमी, पीएम विश्वकर्मा स्कीम की कार्यशाला

● योजनाओं से जुड़कर उधमशीलता की ओर बढ़ाए कदम युवा, संवारे भविष्यः डीएम

●डीएम ने युवाओं में भरा जोश, बाटे प्रशिक्षण प्रमाण पत्र, खिले चेहरे

लखीमपुर। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की पहल पर शुक्रवार को राजकीय आईटीआई के ओपन ऑडिटोरियम सभागार में पीएम विश्वकर्मा और सीएम युवा उद्यमी अभियान के लक्षित समूहों का संवेदीकरण जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सीडीओ अभिषेक कुमार संग दीप जलाकर एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम की शुरुआत में उपायुक्त उद्योग उज्जवल सिंह ने कार्यक्रम की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता बताई। लखनऊ से आए योजना के टीम कोऑर्डिनेटर समाधान समिति से अमित अग्रवाल, अमित सिंहा ने योजना के प्रति मौजूद युवाओं का संवेदीकरण किया।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने युवाओं को दोनों स्कीमों की जानकारी देकर इनसे जुड़ने और उधमशीलता की ओर कदम आगे बढ़ने का आह्वाहन किया और उनमें जोश और ऊर्जा भरी। बैठी महिलाए पुरुष युवा शक्ति से उद्यमशीलता से संबंधित कई प्रश्न पूछे, सही जवाब पर उत्साहवर्धन भी किया। एंटरप्रेन्योर का अर्थ समझाए। पीएमए सीएम के प्रयासों से देश और प्रदेश आगे बढ़ रहा है। 21 से 40 वर्ष आयु वर्ग के आठवीं पास और मान्यता प्राप्त संस्थान से कौशल प्रमाण पत्र प्राप्त युवा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर सीएम युवा उद्यमी योजना से जुड़कर अपने भविष्य को सवारे।

डीएम ने कहा कि इन योजनाओं में जिले को सीमित लक्ष्य मिले हैं। लक्ष्य सीमित होने के चलते पहले आओ.पहले पाओ से योजनाओं का लाभ अर्जित करने में जल्दबाजी दिखाएं। लखीमपुर का युवा अन्य जनपदों की तुलना में काफी सशक्त है, जो बाढ़, सूखा एवं अन्य चुनौतियों का डटकर सामना कर निखर कर सामने आता है। आपके हाथ और कंधे मजबूत हैं। बड़े.बड़े सेटअप शुरू करते हुए लोगों को रोजगार देने वाले बने ऐसी शुभकामनाएं है।

डीएम बोली, उद्यमी बनने का देखें स्वप्न

भारतीय युवाओं में जिस मनोविज्ञान का निर्माण हुआ है अथवा किया गया है, उसके केंद्र में नौकरी रही है, उद्यम नहीं जबकि वास्तविक राह उद्यमिता के विकास से ही होकर जाती है। इसलिए आज की जरूरत यह है कि हमारा युवा वर्ग एक सफल उद्यमी बनने का मनोविज्ञान विकसित करे या स्वप्न देखे ताकि वे स्वयं रोजगार तलाश न करें, बल्कि रोजगार देने में सक्षम बन सकें। सीएम युवा उद्यमी योजना एक अवसर है।

ट्रेनिंग लेकर घर मत बैठे, योजना में पाए लोन शुरू करे रोजगार, संवारे भविष्य : सीडीओ

सीडीओ अभिषेक कुमार ने युवाओं से कहा कि वह ट्रेनिंग लेकर घर मत बैठे बल्कि सरकार की फ्लैगशिप स्कीमो से जुड़कर लोन से रोजगार शुरू करें और अपने भविष्य को सवारे। सीएम युवा उद्यमी योजना और पीएम विश्वकर्मा योजना के फायदे बताएं। युवाओं को उधमशीलता से जोड़ने के उद्देश्य से डीएम की पहल पर आज बड़े स्तर पर उन्मुखीकरण कार्यशाला हुई। एलडीएम अजय कुमार पांडे, प्राचार्य आईटीआई, जीआईसी, सभी बैंकों के जिला समंवयक, जिला सेवायोजन अधिकारी उपायुक्त उद्योग, योजना के टीम कोऑर्डिनेटर समाधान समिति से अमित अग्रवाल, अमित सिंहा सहित बड़ी संख्या में विभिन्न कौशल विधाओं में ट्रेनिंग प्राप्त युवा मौजूद रहे।

सर्वेश बने सीएम युवा उद्यमी के पहले लाभार्थी, डीएम ने सौंपा ऋण स्वीकृति पत्र

तहसील गोला, ब्लॉक बिजुआ के ग्राम पिपरा खुर्द के निवासी 36 वर्षीय सर्वेश कुमार शर्मा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी स्कीम के जिले के पहले लाभार्थी बनेए जिन्हें आर्यावर्त ग्रामीण बैंक शाखा रायपुर ने महज 02 दिन के भीतर योजना के अंतर्गत 5 लाख का ऋण की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की। सर्वेश बताते हैं कि विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत फर्नीचर बढ़ई कारीगरी का प्रशिक्षण और प्रमाण पत्र हासिल करते हुए अपना रोजगार शुरू किया।

डीएम ने विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों को बांटे प्रमाण पत्र, खिले चेहरे

कार्यक्रम में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सीडीओ अभिषेक कुमार संग केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पीएम विश्वकर्मा योजना के 25 लाभार्थियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र का वितरण किया। डीएम के हाथों प्रशिक्षण प्रमाण पत्र पाकर प्रशिक्षुओं के चेहरे खिल उठे।

जिलाधिकारी ने की सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता

● कुंभ के दृष्टिगत सड़क सुरक्षा से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियां शीघ्र पूर्ण कर ली जाए ●सड़क सुरक्षा मानकों, नियमों का अधिकारी संवेदनशील होकर कराए अनुपालन ●कोहरे के दृष्टिगत भारी वाहनों पर लगाए जाएं रिफ्लेक्टर ●सभी रोड जंक्शन कर्व पर रम्बल स्ट्रिप/स्पीड ब्रेकर, साइनेज लगायें

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में संपन्न हुई। बैठक में गत बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की प्रगति पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन सड़क सुरक्षा को लेकर संवेदनशील है। सभी संबंधित अधिकारी सड़क सुरक्षा मानकों, नियमों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित कराए। डीएम ने कहा कि कुंभ के दृष्टिगत सड़क सुरक्षा से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियों शीघ्र पूर्ण कर ली जाए। जनपद के लिए ट्रैफिक प्लान बनाया जाए, सड़कों में जहां जहां पर कर्व/मोड़ है। वहां पर कर्व/मोड़ के संकेतक के साथ स्पीड लिमिट के बोर्ड लगाए जाए, कुंभ के दौरान अत्यधिक ट्रैफिक होने पर कनवाय लगाकर जनपद सीमा के भीतर एक निश्चित गति से ट्रैफिक को संचालित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि हाईवे के किनारे शेल्टर होम चिन्हित कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त की जाए जिससे कुंभ के दौरान यात्रा करने वाले लोगों को संबंधित स्थान पर यात्रा के दौरान रुकने एप्रेश होने इत्यादि से संबंधित सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सके। जिलाधिकारी ने कहा नगर पालिकाए जिला पंचायत से भी इस कार्य में सहयोग लिया जाए, हाईवे के किनारे स्थित गेस्ट हाउस से भी वार्ता कर ली जाए, और उन्हें तैयार रखा जाए। डीएम ने एनएचएआई को निर्देशित किया कि प्रत्येक 10 से 15 किलोमीटर पर कुंभ जाने को लेकर इंडिकेटर के साइन बोर्ड लगाया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि कोई भी दुर्घटना घटित होने पर त्वरित प्रतिक्रिया की जाएएनिश्चित दूरी पर क्रेन, एंबुलेंस, सुरक्षा उपकरणों को तैनात किया जाए। नेशनल हाईवे पर बड़े वाहनों, छोटे वाहनों हेतु लेन, स्पीड निर्धारण संबंधी संकेतक लगाया जाए। शीत ऋतु के दृष्टिगत होने वाले कोहरे में दुर्घटनाओं से बचाव हेतु भारी वाहनों, ट्रैक्टर, ट्राली पर रिफ्लेक्टर लगाए जाए, रोड रोड जंक्शन पर रंबल स्ट्रिप, साइन बोर्ड लगाया जाए, सड़क सुरक्षा जागरूकता संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान चलाकर सभी रोड जंक्शन पर साइनेज, स्पीड ब्रेकर, रम्बल स्ट्रिप लगाने का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाये। डीएम ने परिवहन विभाग व यातायात पुलिस को वाहनों में रेडियम स्ट्रीकर लगाने के निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग को सभी स्कूलों में रोड सेफ्टी क्लब के गठन के साथ छात्र.छात्राओं को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करने हेतु समय.समय पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कराने के निर्देश दिये। परिवहन विभाग को बिना नम्बर प्लेट के संचालित हो रहे वाहनों का अभियान चलाकर कार्यवाही करने, ओवरलोड वाहनों व गलत दिशा में चलने वाले वाहनों के चालान करने के निर्देश दिये। डीएम ने एनएचएआई के पदाधिकारियों को ओवर स्पीडिंग रोकनेए स्वचालित चालान व्यवस्था लगाने, रोड पर रंबल स्ट्रिप बनाने, साइनेज बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि संबंधित विभाग आपस में समन्वय कर ट्रैफिक नियमों का पालन कराए, जो ट्रैफिक नियमों का पालन नही कर रहे हैं उन पर प्रभावी कार्यवाही करें। बैठक में एडीएम प्रशासन अमित कुमार, अधिशासी अभियंता पीडब्लूडी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी सहित सम्बन्धित अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ के बाद चार बदमाश गिरफ़्तार, एक के पैर में गोली लगी

संडीला (हरदोई)। संडीला पुलिस द्वारा सफ़री गाड़ी से जा रहे संदिग्धों को रोकने के प्रयास में बदमाशों ने भागने का प्रयास किया। पुलिस ने चारों को गिरफ़्तार कर लिया, जिनमें से एक को पैर में गोली लगने पर सीएचसी में भर्ती कराया गया है। पुलिस उपाधीक्षक सत्येन्द्र सिंह के अनुसार लगभग 4 मास पूर्व विगत 4 सितंबर की रात पूर्व प्रधान कुदौरी उज़ैर अहमद निवासी अब्बास नगर के बंद पड़े मकान में चोरों ने ताले तोड़कर 35 लाख रुपए से अधिक की चोरी की थी। पुलिस चोरों की तलाश में सक्रिय थी। पुलिस के अनुसार यह सूचना मिली कि ग्राम मौलवीखेड़ा के पास एक संदिग्ध सफ़री गाड़ी खड़ी है। इसपर पुलिस मौके पर पहुंचीए तो इसमें बैठे लोगों ने गाड़ी को लेकर मौलवीखेड़ा से मकदूमपुर की ओर भागने की कोशिश की लेकिन यह गाड़ी पुलिया में फंस गयी और इस पर सवार 4 लोग मकदूरपुर की ओर भागने लगे। जब पुलिस ने इनको रोकने का प्रयास किया तो इन लोगों ने पुलिस पर फ़ायरिंग करना शुरू कर दिया। जवाबी फ़ायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगी। पुलिस ने चारों को हिरासत में ले लिया। घायल बदमाश ने अपना नाम अरमान उर्फ़ शफ़क़त अली पुत्र रहमत अली निवासी काशीराम कॉलोनी संडीलाए मूल निवासी नई बस्ती काकादेव कानपुर नगर बताया। गिरफ़्तार किए बदमाशों ने अपने नाम हसरत पुत्र साबिर निवासी मण्डई थाना संडीला, मो. समीर व सोहैल अली पुत्रगण सत्तार अली निवासी ग्राम ढकवा थाना कासिमपुर जनपद हरदोई बताया। इन बदमाशों के पास से चोरी की एक रिवॉल्वर, 39660 रुपए नकद, 2 तमंचे 315 बोर, दो जिंदा कारतूस, तीन खोखा कारतूस बरामद किए गए। इनकी निशानदेई पर उजैर अहमद से यहां चोरी किए गए कुछ आभूषण भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार यह चारों शातिर चोर हैं और इन्होंनें क्षेत्र में चोरी की कई घटनाओं को अंजाम दिया है।

पकड़े गए तीन चोर, बरामद किया गया लाइसेंसी रिवॉलवर, आभूषण व नकदी

क्विक न्यूज

बलात्कारी को दस वर्ष के कारावास की सजा

फतेहपुर। अपर सत्र न्यायालय कोर्ट नंबर तीन के विद्वान न्यायाधीश ने शुक्रवार को बलात्कार के एक मामले पर आरोपी को दस वर्ष का कारावास और 25 हजार रुपए के अर्थ दण्ड से दण्डित करने का फैसला सुनाया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता देवेन्द्र सिंह भदौरिया ने बताया कि किशनपुर थाना क्षेत्र के गांव में 28 मई 2020 को 21 बजे अर्थात् रात्रि नौ बजे एक 18 वर्षीय युवती घर के पास बने शौचालय में लघुशंका करने गई थी। महावतपुर असहट गांव निवासी संतोष पुत्र देशा निषाद आ गया। पीड़िता को जबरन पकड़ लिया और मुंह दबा कर उसके साथ दुष्कर्म किया।पीड़िता के पिता की तहरीर पर किशनपुर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने तेजी दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, तब से आरोपी संतोष जेल में निरुद्ध है। विद्वान न्यायाधीश हरिप्रकाश गुप्ता ने अदालत में सुनवाई करते हुए उभयपक्षों के गवाहों, पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों और अधिवक्ताओं के तर्क सुनने के बाद आरोपी को दोषी करार देते हुए दस साल का कठोर कारावास की सजा के साथ ही 25 हजार रुपए अर्थदंड का फैसला सुनाया। यदि आरोपी समय से जुर्माना की धनराशि अदा नहीं करता उसे एक साल की अतिरिक्त सजा भुगतना पड़ेगा।

जनपद न्यायाधीश ने अवकाश सूची की घोषित

फतेहपुर। जनपद न्यायाधीश अनमोल पाल ने बताया कि उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा वर्ष 2025 के लिए अधीनस्थ न्यायालयों के लिए जारी किये गये अवकाश सूची में अंकित टिप्पणी के क्रम संख्या के अनुक्रम में जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष/महामंत्री जिला बार एसो. से विचार विमर्श के आधार पर 14 जनवरी मंगलवार को मकर संक्रांति, 15 मार्च शनिवार को भाई दूज (होली), 06 सितंबर 2025 को बारावफात (अवकाश स्थानीय चन्द्रदर्शन के अनुसार पुनः निर्धारित किया जा सकता है), 22 अक्टूबर 2025 को भाईदूज एवं 24 नवंबर को गुरु तेगबहादुर शहीद दिवस के अवसर पर स्थानीय अवकाश घोषित किया जाता है। इसी प्रकार उच्च न्यायालय की अवकाश सूची के क्रम संख्या (7) पर 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस रविवार के दिन पड़ने के कारण 29 जनवरी बुधवार को मौनी अमावस्या उपलक्ष्य में, 6 अप्रैल को रामनवमी अवकाश रविवार के दिन पड़ने के कारण 12 मई को बुद्ध पूर्णिमा के उपलक्ष्य में, 6 जुलाई को मोहर्रम रविवार के दिन पड़ने के कारण 14 अप्रैल को अम्बेडकर जयन्ती के उपलक्ष्य में, 2 अक्टूबर को दशहरा रविवार के दिन पड़ने के कारण 1 अक्टूबर को महानवमी के उपलक्ष्य में अतिरिक्त अवकाश घोषित किया जाता है।

अज्ञात वाहन की टक्कर बाइक सवार युवक की मौत

राठ(हमीरपुर)। सरसई गांव स्थित पालिटेक्निक कालेज के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मझगवां थाने के गिरवर गांव निवासी राम सहोदर राजपूत ने बताया कि नए वर्ष की सुबह करीब दस बजे उसका छोटा भाई 32 वर्षीय देवसिंह राजपूत पुत्र महेश कुमार पर बाइक से घर से निकल गया था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। बताया कि गुरुवार की रात करीब साढ़े सात बजे सरसई गांव स्थित पालिटेक्निक कालेज के पास संदिग्ध परिस्थितियों के चलते अज्ञात वाहन की टक्कर से उसके भाई की दर्दनाक मौत हो गई। देव सिंह पिता के साथ खेती में हाथ बंटाता था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

राठ। एक सप्ताह पहले हाईटेंशन लाइन की चपेट में आए युवक ने इलाज के बाद आज सुबह तड़के झांसी में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है। कोतवाली के कैंथी गांव निवासी करन कुशवाहा ने बताया कि उसका भाई 35 वर्षीय कल्लू पुत्र चुरामन राजमिस्त्री का काम कर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। उसके भाई ने गांव के करन सिंह अहिरवार की छत डालने का ठेका लिए था। उसके भाई ने उससे उसके मकान से ऊपर से निकली हाईटेंशन लाइन की सप्लाई बंद करने को कहा था। सप्लाई बंद होने की बात कहने पर उसका भाई शुक्रवार को जब मकान की छत का छज्जा डालने पहुंचा तो विद्युत करंट की चपेट में आकर छत से गिर पड़ा। जिसे इलाज के लिए राठ सीएचसी से उरई व उसके बाद झांसी रेफर किया गया। जहां शुक्रवार की सुबह इलाज के दौरान उसके भाई ने दम तोड़ दिया।

पिकनिक मना रहे युवकों में मारपीट, रायफल से हवाई फायरिंग

राठ(हमीरपुर)। पिकनिक के दौरान कहासुनी हो जाने पर दो युवकों में मारपीट हो गई। इस दौरान एक युवक ने अपने पिता की लाइसेंसी रायफल से हवाई फायर कर दिया। युवक से रायफल छीनकर युवती कोतवाली आ गई। युवक की बहन ने कोतवाली में तहरीर दी है। कस्बे के छोटी जुलहेटी मोहल्ला निवासी सोनम पुत्री राजेन्द्र सिंह ने पुलिस को बताया कि उसका भाई आशीष पड़ोस के एक युवक के साथ पिकनिक कर रहा था। तभी उसी दौरान एयरफोन को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई। इसके बाद उसका भाई घर आ गया। दोपहर करीब दो बजे पड़ोसी युवक घर आया और गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर भाई के साथ मारपीट कर दी।

संपूर्ण समाधान दिवस का रोस्टर जारी

फतेहपुर। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने बताया कि संपूर्ण समाधान दिवस का रोस्टर जारी कर दिया गया है। जिसमें 04 जनवरी को खागा, 18 जनवरी को बिंदकी, 01 फरवरी को फतेहपुर, 15 फरवरी को खागा, 01 मार्च को बिंदकी व 17 मार्च को फतेहपुर में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस होगा। इसी तरह 04 जनवरी को बिंदकी, 18 जनवरी को फतेहपुर, 01 फरवरी को खागा, 15 फरवरी को बिंदकी, 01 मार्च को फतेहपुर व 17 मार्च को खागा में मुख्य विकास अधिकारी संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करेंगे। 04 जनवरी को फतेहपुर, 18 जनवरी को खागा, 01 फरवरी को बिंदकी, 15 फरवरी को फतेहपुर, 01 मार्च को खागा व 17 मार्च को बिंदकी में एडीएम वित्त एवं राजस्व संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करेंगे। उन्होने बताया कि 15 मार्च को होली का अवकाश होने के कारण अगले कार्य दिवस 17 मार्च सोमवार को तहसील दिवस की तिथि निर्धारित की गई है।

प्रधानमंत्री मोदी और सीएम योगी का रहा है गांवों के विकास पर फ़ोकसः अशोक रावत

संडीला (हरदोई)। क्षेत्र पंचायत संडीला के बैठक में ग्राम प्रधानों एवं क्षेत्र पंचायत सदस्यों को संबोधित करते हुए सांसद अशोक रावत ने कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकारों ने ग्रामीण क्षेत्रों के विकास तथा लोगों के कल्याण के लिए अनेक योजनएं शुरू की हैंए जिनका लाभ करोड़ों लोगों को प्राप्त हो रहा है।

क्षेत्र पचायंत समिति कर बैठक में क्षेत्रीय सांसद अशोक रावत का ब्लाक प्रमुख आरती गुप्ताए खण्ड विकास अधिकारी प्रतिभा शर्माए ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अमित गुप्ता समेत कई ग्राम प्रधानों और बीडीसी सदस्यों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। अपने संबोधन में श्री रावत ने कहा कि भारत गांवों में बसता है और जबतक गांव सशक्त और आत्मनिर्भर नहीं हो जाते तब तक भारत मजबूत और सशक्त नहीं हो सकता। यही कारण है कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गांव के विकास पर विशेष फोकस रहा है। गांवों और नगरों के गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजनाए स्वच्छ भारत मिशन कार्यक्रमए मनरेगा जैसे कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा समाज कल्याण विभाग द्वारा भी अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं।

ी रावत ने कहा कि निराश्रित गोवंशों के लिए भी प्रदेश सरकार ने गांव.गांव में आश्रय स्थल बनवाने के साथ वहां रखे जाने वाले गोवंशों के भोजन और देखभाल के लिए पर्याप्त धन की व्यवस्था की है और किसान भाईयों को इन पशुओं के कारण हो रही छति से भी छुटकारा मिला है। खण्ड विकास अधिकारी प्रतिभा शर्मा ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशनए पंचम राजवित्त आयोग तथा 15वे वित्त आयोग के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से पूर्व में कराए गए कार्यों की विस्तार से जानकारी दी तथा प्रधानों और क्षेत्र पंचायत सदस्यों से नई कार्य योजनाओं के संबंध में प्रस्ताव मांगे। बैठक में करोड़ों रुपए के विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गयी। ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अमित गुप्ता ने सभी आगंतुक प्रधानोंए क्षेत्र पंचायत सदस्यों एवं सांसद का आभार व्यक्त किया।

सांसद अशोक रावत का स्वागत करती प्रतिभा शर्मा

सर्विस रोड पर वाहनों की नहीं होनी चाहिए अवैध पार्किंगः डीएम

● एनएचआई रायबरेली को निर्देश, सफलतापूर्वक चलाया जाए राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह

फतेहपुर। जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में डीएम रविन्द्र सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उन्होंने सड़क सुरक्षा से संबंधित पिछली बैठक में दिये गए निर्देश के अनुपालन आख्या की समीक्षा करते हुए विस्तृत चर्चा की। उन्होंने एआरटीओ एवं पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि सर्विस रोड पर वाहनों की अवैध पार्किंग किसी भी दशा में न होने पाए। इसका विशेष ध्यान रखा जाये। सड़क के किनारे पार्किंग करने पर वाहनों पर नियमानुसार कार्यवाही की जाय। सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत शाह , बहुआ कस्बे में सर्विस रोड बनाने हेतु शासन स्तर पर प्रस्ताव बनाकर पत्राचार करने के निर्देश एनएचआई रायबरेली को दिए। लखनऊ बाईपास, खागा नौबस्ता बाईपास में अंडर पास के नीचे अवैध अतिक्रमण को पुलिस एवं परिवहन विभाग हटवाना सुनिश्चित करे और रिपोर्ट से अवगत कराए। कार्यदाई संस्थाएं आवश्यकतानुसार साइनेज, सफेद पट्टी, रैंबल्स आदि का कार्य कराए प्रयागराज में महाकुंभ मेले के दृष्टिगत डायवर्जन मार्ग से पहले साइनेज/बोर्ड लगवाने के निर्देश संबंधितों को दिए। सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत एनएचआई कानपुर के पदाधिकारी से कहा कि जिला पूर्ति अधिकारी से समन्वय बनाकर नेशनल हाईवे स्थित पेट्रोल पंपों के स्वामियों के माध्यम से उनके पेट्रोल पंपों के पहले से ही साइनेज बोर्ड लगवाना सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि नेशनल हाईवे के टोल फ्री नंबर 1033 का प्रचार प्रसार कराया जाय। बीएसए एवं जिविनि से कहा कि जिन विद्यालयों मे छात्र–छात्राओ का स्कूली वाहन से आवागमन किया जाता है।

भाजपा नगर उत्तरी के संजय अध्यक्ष निर्वाचित, हुआ स्वागत

● विभिन्न मार्गों में घूमा स्वागत जुलूस, जगह-जगह हुआ इस्तकबाल

फतेहपुर। भारतीय जनता पार्टी नगर उत्तरी के अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद संजय कुमार श्रीवास्तव उर्फ संजय लाला का लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन से जोरदार स्वागत किया गया। स्वागत जुलूस जिला अस्पताल, बाकरगंज, ज्वालागंज, वर्मा चौराहा, पटेल नगर, पथरकटा, बुलेट चौराहा होते हुए जिला कार्यालय पहुंचा जहां पर कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर अंगवस्त्र भेंट कर व प्रतीक चिन्ह देकर ऐतिहासिक स्वागत किया। बाम्बे लॉज के पास रजा मोहम्मद, अंबर, राजू, गीलू सहित तमाम अल्पसंख्यक कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। महादेवन टोला में महिलाओं की टोली ने स्वागत किया। जिसमें कपूर देवी, माया शुक्ला, विकास मिश्रा सहित तमाम लोग मौजूद रहे। सरांय में जलालउद्दीन, सानू, साकिब के नेतृत्व में स्वागत हुआ। पीरनपुर में आचार्यकुलम के संस्थापक अध्यक्ष विनोद शुक्ला, अमित शिवहरे, अमित शुक्ला, सुशील श्रीवास्तव, पूतन श्रीवास्तव, भईयन श्रीवास्तव के नेतृत्व में स्वागत किया। पूर्व न्यायमंत्री राधेश्याम गुप्त के आवास में नगर अध्यक्ष उत्तरी संजय लाला ने पहुंचकर अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते बन रहा था। चार पहिया वाहनों की लंबी कतार में लोगों का उत्साह देखते बन रहा था।

कार्यालय में भाजपा जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल, पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज शुक्ला, जिला महामंत्री चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव, महिला जिलाध्यक्ष ज्योति प्रवीण, पूर्व नगर अध्यक्ष संजय मोदनवाल, व्यापार मंडल के अध्यक्ष प्रदीप गर्ग ने मंच की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का सफल संचालन पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष अमित शिवहरे ने किया। इस दौरान स्वागत करने वालों की लाइन लगी रही। नवनिर्वाचित नगर अध्यक्ष उत्तरी संजय कुमार श्रीवास्तव पूर्व संजय लाला ने कहा कि जिस प्रकार से ठंड के मौसम में कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया है और इतनी भीड़ काफिले में रही इसके वह सदैव ऋणी रहेंगे और सभी को साथ लेकर कार्य करेंगे। जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व ने जो निर्णय लिया है उसका हम सबको स्वागत करना चाहिए।

घर के अंदर मिला दम्पति का शव, जांच में जुटी पुलिस

● पति का शव फांसी पर लटका व पत्नी चारपाई पर मिली मृत

असोथर (फतेहपुर)। असोथर थाना क्षेत्र के ग्राम झब्बापुर जागेश्वर बाबा मंदिर के समीप स्थित मकान से शुक्रवार की सुबह ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दम्पति का शव बरामत किया है। पति का शव फाँसी पर लटका था। वहीं पत्नी का शव चारपाई पर पड़ा था। हादसे के बाद जहा क्षेत्र में सनसनी फैल गई। वहीं इस घटना को लेकर ग्रामीणों के बीच तरह–तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म रहा। गाजीपुर थाना क्षेत्र के मीरापुर गांव निवासी रामपाल का 47 वर्षीय पुत्र प्रकाश लोधी अपनी 35 वर्षीय पत्नी रानी देवी के साथ अपने दुसरे मकान झब्बापुर में रहता था। आज सुबह पति पत्नी का शव घर से बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों शवों को लेकर पंचनामा भरते हुए। पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताते है कि प्रकाश की पहली पत्नी मिथलेश जिसकी सात वर्ष पूर्व मौत हो गई थी। पहली पत्नी से तीन पुत्री कल्पना 17 वर्ष श्वेता 13 अंशिका 11 व आदित्य 9 वर्ष है। बताया जा रहा है कि पांच माह पूर्व प्रकाश ने सुरेश की पुत्री रानी से मंदिर में शादी कर ली थी। बच्चों को लेकर पति–पत्नी के बीच मनमुटाव चल रहा था। प्रकाश की झब्बापुर में किराने की दुकान है। आज सुबह कस्टमर कुछ समान लेने गया। कई आवाज देने पर दरवाजा नही खोला तो उसने आस पास के लोगों को बुलाकर बताया कि काफी आवाज देने पर भी दरवाजा नहीं खुला तभी किसी ने इसकी सूचना 112 को दे दी। ग्रामीणों की मदद से दरवाजा खुलवाया तो सभी के होश उड़ गये। प्रकाश का शव फाँसी पर लटका था। जबकी पत्नी का शव जमीन पर पड़ा था। मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंच साक्ष्य जुटाये। पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

समाज के कमजोर वर्गों की सुरक्षा प्रशासन की जिम्मेदारी है

● एसडीएम ने अज्ञात विक्षिप्त महिला को रैन बसेरा पहुंचाया

संवाददाता। गुरसहायगंज, कन्नौज

बीती रात छिबरामऊ उपजिलाधिकारी ने मानवीय संवेदनाओं का उदाहरण पेश करते हुए एक अज्ञात मानसिक विक्षिप्त महिला जो कि नगर के बाईपास पर दरोगा बाबा की मजार के सामने सड़क किनारे पर कई महीनो से पड़ी थी। उसको रैन बसेरा में पहुंचाया गया

बीती शाम किसी की सूचना पर नगर के बाईपास पर दरोगा बाबा की मजार के सामने पहुंचे छिबरामऊ उपजिलाधिकारी उमाकान्त शुक्ला ने ईओ अनिल पंडित के साथ सडक किनारे पडी एक अज्ञात मानसिक विक्षिप्त महिला की स्थिति का जायजा लिया। जो कि मानसिक रूप से विक्षिप्त प्रतीत हो रही थी और उसकी पहचान स्पष्ट नहीं हो पाई। गलनभरी ठंड को देखते हुए एसडीएम ने वरिष्ठ लिपिक आरपी सिंह, क्षेत्रीय लेखपाल कौशल पाण्डेय को पुलिस बल द्वारा महिला को रैन बसेरा पर पहुंचाने के निर्देश दिए। जहां महिला को प्राथमिक उपचार और भोजन व गर्म रजाई उपलब्ध कराई गई।

एसडीएम ने बताया कि आवश्यक औपचारिकता पूरी करने के बाद लकी मानसिक मंदित अस्पताल में कल दाखिल कर दिया जाएगा, जहां उसकी देखभाल की जाएगी। कहा कि समाज के कमजोर वर्गों की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे ऐसे मामलों में प्रशासन को तुरंत सूचना दें।

विक्षिप्त महिला को रैन बसेरा पहुंचाते एसडीएम व इनसेट में विक्षिप्त महिला।

कॉलेजों में जातिगत भेदभाव संवेदनशील मामला इसे रोकने के लिए कुछ करेंगे: उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली। (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने जातिगत भेदभाव को एक संवेदनशील मुद्दा बताते हुए शुक्रवार को कहा कि वह देश में शैक्षणिक संस्थानों में इससे निपटने के लिए एक प्रभावी तंत्र तैयार करेगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को मसौदा नियमों को अधिसूचित करने का निर्देश दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केंद्रीय, राज्य, निजी और डीम्ड विश्वविद्यालयों में छात्रों के साथ कोई जाति-आधारित भेदभाव न हो। अदालत ने यूजीसी को उन संस्थानों की संख्या के बारे में जानकारी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, जिन्होंने यूजीसी (उच्च शैक्षणिक संस्थानों में निष्पक्षता को बढ़ावा देने के नियम) 2012 का अनुपालन करते हुए समान अवसर प्रकोष्ठ स्थापित किए हैं। पीठ ने कहा, हम इस संवेदनशील मुद्दे के प्रति सजग रूप से सचेत हैं। हम कुछ करेंगे। हमें यह सुनिश्चित करने के लिए कुछ प्रभावी तंत्र और तौर-तरीके तलाशने होंगे कि 2012 के नियम वास्तविक रूप से लागू हों। पीठ ने इस मुद्दे पर केंद्र की प्रतिक्रिया मांगी और यूजीसी को सभी विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रों के बीच इस तरह के भेदभाव की शिकायतों के बारे में छह सप्ताह में डेटा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। जाति-आधारित भेदभाव का सामना करने के बाद कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले छात्र रोहित वेमुला और पायल तड़वी की माताओं की ओर से वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह ने कहा कि 2004 से अब तक आईआईटी और अन्य संस्थानों में 50 से अधिक छात्रों (ज्यादातर एससी/एसटी वर्ग के) ने इस तरह के भेदभाव का सामना करने के बाद आत्महत्या कर ली। हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के पीएचडी के छात्र वेमुला की 17 जनवरी, 2016 जबकि टीएन टोपीवाला नेशनल मेडिकल कॉलेज की छात्रा तड़वी की 22 मई, 2019 को मृत्यु हो गई थी। आरोप है कि उनके कॉलेज में तीन डॉक्टरों उनसे भेदभाव किया था। पीठ ने कहा कि 2019 में एक जनहित याचिका दायर की गई थी लेकिन इस मुद्दे पर अब तक कोई ठोस सुनवाई नहीं हुई है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, अब से हम इस याचिका को समय-समय पर सूचीबद्ध करेंगे ताकि मामले में कुछ प्रभावी समाधान निकाला जा सके क्योंकि 2019 के बाद से कुछ भी नहीं हुआ है। यूजीसी के वकील ने कहा कि यूजीसी द्वारा गठित एक समिति ने सिफारिशें की और आयोग ने जाति-आधारित भेदभाव को रोकने के लिए नए नियमों का मसौदा तैयार किया। उन्होंने कहा, मसौदा नियमों को जनता से आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित करने के लिए एक माह के लिए वेबसाइट पर डाला जाएगा और उसके बाद इसे अधिसूचित किया जाएगा। पीठ ने इस मामले में देरी होने पर यूजीसी से सवाल किया और कहा कि वह इतने समय तक सोता रहा और अब नए नियम लेकर नहीं आया। पीठ ने कहा, नए नियमों को अधिसूचित करने के लिए कितना समय चाहिए? आप इसे (कार्य को) एक महीने में करें और इसे रिकॉर्ड पर रखें। पीठ ने मामले की सुनवाई छह सप्ताह के लिए स्थगित कर दी।

मेडिकल सीट रिक्त नहीं रह सकती, हितधारकों के साथ बातचीत करे केंद्र: उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली। (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि मेडिकल पाठ्यक्रमों में सीट रिक्त नहीं रह सकती और राज्यों सहित संबद्ध हितधारकों के साथ केंद्र को एक बैठक करने का निर्देश दिया। न्यायालय ने इस मुद्दे पर नियुक्त एक समिति की सिफारिशों पर भी केंद्र से विचार करने को कहा। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा, सीट रिक्त नहीं रह सकती। शीर्ष अदालत ने अप्रैल 2023 में, मेडिकल पाठ्यक्रमों में सुपर स्पेशलिटी सीट रिक्त रहने के मुद्दे का संज्ञान लिया था। केंद्र ने तब मुद्दे के समाधान के लिए स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशक की अध्यक्षता में एक समिति नियुक्त करने का प्रस्ताव किया था, जिसमें राज्यों और निजी मेडिकल कॉलेजों के प्रतिनिधियों सहित सभी हितधारकों को शामिल करने की बात कही गई थी। शुक्रवार को, केंद्र के वकील ने कहा कि हितधारकों की समिति गठित की गई और इसने मुद्दे पर अपनी सिफारिशें दी हैं। उन्होंने कहा कि यह उपयुक्त होगा कि केंद्र हितधारकों के साथ एक बैठक करे और एक ठोस प्रस्ताव के साथ न्यायालय में आए। इसके बाद, पीठ ने केंद्र को एक बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि जल्दी से जल्दी तीन महीने के अंदर बैठक होनी चाहिए और मामले की सुनवाई अप्रैल के लिए निर्धारित कर दी। अप्रैल 2023 में शीर्ष अदालत ने कहा था कि न्यायालय में दायर याचिका से यह प्रदर्शित होता है कि 1,003 सुपर स्पेशलिटी सीट रिक्त पड़ी हुई है क्योंकि इन सीट पर दाखिला नहीं हो सका। सुपर स्पेशलिटी पाठ्यक्रम का उद्देश्य विशिष्ट चिकित्सा क्षेत्रों में व्यापक विशेषज्ञता प्रदान करना है। न्यायालय ने कहा, एक ओर, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी है, वहीं दूसरी ओर ए महत्वपूर्ण सीट रिक्त पड़ी हुई है।

ईडी ने मनमाना रवैया अपनाया, हरियाणा के पूर्व कांग्रेस विधायक की गिरफ्तारी अवैध

नई दिल्ली। (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने हरियाणा के पूर्व कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार से लगभग 15 घंटे की पूछताछ के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रवैए को मनमाना और अमानवीय बताया तथा नेता की गिरफ्तारी को अवैध करार देने वाले आदेश को बरकरार रखा। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि यह ईडी अधिकारियों का अमानवीय आचरण है क्योंकि यह मामला किसी आतंकवादी गतिविधि से संबंधित नहीं है, बल्कि कथित अवैध रेत खनन से संबंधित है। पीठ ने कहा, इस तरह के मामले में लोगों के साथ ऐसा व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए। आपने एक व्यक्ति को बयान देने के लिए, वस्तुत: मजबूर किया है। पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की याचिका को खारिज करते हुए कहा, हम उच्च न्यायालय के इस निष्कर्ष में हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं हैं कि प्रतिवादी की गिरफ्तारी अवैध थी।

उसने कहा कि उच्च न्यायालय के निष्कर्ष केवल यह तय करने के लिए थे कि पंवार की गिरफ्तारी अवैध थी या नहीं। इसलिए, उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा, ए निष्कर्ष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 44 के तहत लंबित शिकायत के गुण-दोष को प्रभावित नहीं करेंगे। अदालत ने कहा कि जांच में ईडी का रवैया चौंकाने वाला है जिसके तहत एक व्यक्ति को बयान देने के लिए वस्तुत: मजबूर किया गया। ईडी के वकील जोहेब हुसैन ने कहा कि उच्च न्यायालय ने गलत निष्कर्ष निकाला कि पंवार से लगातार 14 घंटे 40 मिनट तक पूछताछ की गई। उन्होंने पूछताछ के दौरान रात्रि भोजन के ब्रेक की ओर इशारा किया। वकील ने कहा कि ईडी ने 2024 के एक परिपत्र में अपने अधिकारियों से पूछताछ के कुछ निश्चित मानक बनाए, रखने और यह सुनिश्चित करने को कहा था कि लोगों से देर रात और तड़के पूछताछ न की जाए। उच्च न्यायालय ने 29 सितंबर, 2024 को कहा था कि गिरफ्तारी के आधार के अनुसार, याचिकाकर्ता के खिलाफ प्राथमिक रूप से आरोप अवैध खनन या अवैध रूप से खनन की गई सामग्री की आपूर्ति से संबंधित हैं उच्च न्यायालय ने कहा था, खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 (एमएमडीआर अधिनियम) की धारा 21 के तहत अवैध खनन बेशक एक अपराध है लेकिन न तो अवैध खनन और न ही एमएमडीआर अधिनियम को पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) के साथ संलग्न अनुसूची में शामिल किया गया है। दूसरे शब्दों में, अवैध खनन पीएमएलए के तहत अनुसूचित अपराध नहीं है। इसलिए, प्रथम दृष्टया, याचिकाकर्ता पर इस आधार पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। पंवार (55) को 20 जुलाई, 2024 को तड़के गुरुग्राम में हिरासत में लिया गया और अंबाला में एक विशेष पीएमएलए अदालत के समक्ष पेश किया गया, जिसने उन्हें अवैध खनन से जुड़े धन शोधन मामले में 29 जुलाई, 2024 तक ईडी की हिरासत में भेज दिया।

संभल: अपने परिवार के सदस्यों के हाथों मारी गई महिला व उसकी चार बेटियों के शव दफनाए गए

भाषा। संभल

लखनऊमें अपने ही परिवार के एक सदस्य के हाथों मारे गए पांच लोगों के शवों को शुक्रवार को संभल में दफना दिया गया। मृतकों के शव शुक्रवार की सुबह संभल लाए गए। एक साथ पांच शवों को देखकर परिवार में गम का माहौल है। सरकार से हत्या के मुख्य आरोपी अरशद और उसके पिता को फांसी की सजा देने की मांग की गई है। लखनऊ में मारी गईं पांच महिलाओं के शवों को संभल ले जाने के बारे में पूछे जाने पर एक अधिकारी ने बताया कि चूंकि आरोपी की मां अस्मा का मायका संभल के सरायतरीन मोहल्ले में है, इसलिए मां और बेटियों के शवों को उसके मामा को सौंपा गया और उनके अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी हुई।सूत्रों ने बताया कि आरोपी के पिता के परिजनों ने शवों को लेने में दिलचस्पी नहीं दिखाई, इसलिए ननिहाल पक्ष के लोगों को इसे सौंपा गया।पुलिस के अनुसार, आगरा के 24 वर्षीय एक युवक ने जमीन संबंधी विवाद में अपने समुदाय के लोगों द्वारा उत्पीड़न किए जाने से परेशान होकर एक जनवरी की सुबह यहां एक होटल में अपनी चार बहनों और मां की हत्या कर दी थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा था कि आरोपी मोहम्मद अरशद को दिल दहलाने वाली इस घटना के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया गया। यह घटना नाका क्षेत्र में स्थित होटल शरनजीत में हुई। पुलिस उपायुक्त (मध्य लखनऊ) रवीना त्यागी के मुताबिक, आरोपी की पहचान अरशद (24) के रूप में हुई जिसने अपने ही परिवार के पांच सदस्यों की हत्या कर दी। इस घटना के बाद पुलिस ने उसे घटनास्थल से ही पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान आलिया (9), अलशिया (19), अक्सा (16), रहमीन (18)- सभी अरशद की बहनें और अस्मा (आरोपी युवक की मां) के रूप में हुई है। त्यागी ने बताया था कि 24 वर्षीय अरशद आगरा का रहने वाला है और प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि उसने घरेलू विवाद की वजह से यह कदम उठाया। इस बीच शुक्रवार को अस्मा के भाई मोहम्मद जीशान ने बताया, "उस दिन लखनऊ से फोन आया, उसके बाद मैंने अरशद से बात की। अरशद ने कहा कि उसने परिवार को मार दिया है, फिर पुलिस ने उसके हाथ से फोन ले लिया। करीब चार महीने पहले मेरी बहन से बात हुई थी। वह बहुत ही सरल और प्यारी थी। अब, मैं बस यही चाहता हूं कि अरशद को सख्त से सख्त सजा मिले, उसे फांसी हो और जल्द ही उसके पिता को भी गिरफ्तार किया जाए" इस चौंकाने वाली घटना के सामने आने के कुछ ही देर बाद सोशल मीडिया पर एक कथित वीडियो सामने आया, जिसमें अरशद ने अपनी बहनों और मां की कलाई और गला काटने की बात कबूल की। उसने दावा किया कि उसने अपने इलाके के निवासियों द्वारा उत्पीड़न किए जाने से परेशान होकर यह कदम उठाया। अरशद ने कहा था, "मैं और मेरा पूरा परिवार असहाय और हताश होकर यह कदम उठाने को मजबूर हैं... मैंने अपनी बहनों और मां को मार डाला है। जब पुलिस को यह वीडियो मिले, तो मैं अनुरोध करता हूं कि वह इसके लिए इलाके के लोगों को जिम्मेदार ठहराएं" उसने आरोप लगाया था कि उसके इलाके के लोगों ने उसका घर छीनने के लिए उसके परिवार के सदस्यों पर "अकल्पनीय अत्याचार" किए हैं। उसने कहा कि आवाज उठाने के बावजूद किसी ने उनकी बात नहीं सुनी। उन्होंने कहा, "अब 10 दिन हो गए हैं और हमें फुटपाथ पर सोने और ठंड में भटकने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने हमसे हमारा घर छीन लिया है, जबकि हमारे पास संपत्ति के कानूनी कागजात हैं। हम इसे मंदिर को समर्पित करना चाहते थे और अपना धर्म बदलना चाहते थे, लेकिन हमसे सब कुछ छीन लिया गया" अरशद ने वीडियो क्लिप में पुलिस और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी अपील की थी।

पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार को अरशद को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया और उसके पिता को गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं।

अल्लू अर्जुन को भगदड़ मामले में मिली नियमित जमानत, अदालत की अनुमति बिना विदेश जाने पर रोक

हैदराबाद। (भाषा) हैदराबाद की एक अदालत ने फिल्म पुष्पा-2 के प्रीमियर के दौरान भगदड़ मचने से एक महिला की मौत होने के मामले में तेलुगु अभिनेता अल्लू अर्जुन को नियमित जमानत दे दी। द्वितीय अतिरिक्त मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायाधीश ने इससे पहले अभिनेता और पुलिस के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद आज के लिए आदेश सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने अभिनेता को 50-50 हजार रुपए के दो जमानतदार पेश करने के अलावा उतनी ही रकम का मुचलका भरने का निर्देश दिया।जमानत शर्तों के तहत, अभिनेता को दो महीने की अवधि के लिए या आरोप पत्र दाखिल होने तक हर रविवार को पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न एक बजे के बीच जांच अधिकारी के सामने पेश होना होगा। अदालत ने कहा, "याचिकाकर्ता किसी भी तरह से जांच में बाधा नहीं डालेगा और न ही प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी गवाह को कोई प्रलोभन, धमकी या कोई वादा करेगा। अदालत के आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता जांच में सहयोग करेगा और किसी भी तरह के हस्तक्षेप का कोई प्रयास नहीं करेगा। अभिनेता को मामले का निपटारा होने तक अदालत की पूर्व अनुमति के बिना विदेश नहीं जाने का निर्देश दिया गया है। घटना के सिलसिले में अभिनेता को 13 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था और तेलंगाना उच्च न्यायालय की ओर से चार सप्ताह की अंतरिम जमानत मिलने के बाद 14 दिसंबर को जेल से रिहा कर दिया गया था। अभिनेता की अंतरिम जमानत 10 जनवरी को खत्म होनी थी। अल्लू अर्जुन को मामले में आरोपी नंबर 11 के रूप में नामजद किया गया है। उन्होंने अदालत में नियमित जमानत याचिका दायर की थी। वह 27 दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अदालत के समक्ष पेश हुए थे। चार दिसंबर को हैदराबाद के संध्या थिएटर में पुष्पा 2 के प्रीमियर के दौरान अभिनेता की एक झलक पाने के लिए प्रशंसकों के बीच होड़ में भगदड़ जैसी स्थिति के दौरान 35 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई थी और उसका आठ वर्षीय बेटा घायल हो गया। घटना के बाद, शहर की पुलिस ने मृत महिला के परिवार से मिली शिकायत के आधार पर चिक्कड़पल्ली थाने में अल्लू अर्जुन, उनकी सुरक्षा टीम और थिएटर प्रबंधन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था।

भारत सरकार समयसीमा का पालन क्यों नही कर सकती : न्यायालय ने याचिका दायर करने में देरी पर कहा

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) सहित सरकारी प्राधिकारियों से अपील दायर करने में अत्यधिक देरी को लेकर आत्मनिरीक्षण करने को कहा।प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना ने एनएचएआई की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, मुझे लगता है कि लगभग 95 प्रतिशत मामलों में सभी लोग समय-सारिणी का पालन कर रहे हैं। भारत सरकार इसका पालन क्यों नहीं कर पा रही है? कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है...आत्मनिरीक्षण जरूरी है।

एनएचएआई ने दिवालियापन मामले में राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के आदेश को चुनौती दी थी, जिसे न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया गया था।एनसीएलएटी ने देरी के कारण एनएचएआई की अपील खारिज कर दी थी। प्रधान न्यायाधीश ने 295 दिनों की देरी पर असहमति जताते हुए प्रक्रियागत समयसीमा का पालन करने के महत्व पर बल दिया और कहा कि एनएचएआई का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से सहमति जताते हुए इस मुद्दे को सुलझाने का आश्वासन दिया है। मेहता ने कहा, मैं अध्यक्ष से बात करने का वचन देता हूं। उन्हें जांच करने दीजिए कि सुस्ती या अन्य कोई कारण क्यों था।

बंगाल सरकार सहकारिता चुनाव के दौरान हुए बम विस्फोट पर रिपोर्ट दाखिल करे: उच्च न्यायालय

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल सरकार को पूर्वी मेदिनीपुर जिले में एक झड़प के दौरान हुए कथित बम विस्फोट को लेकर रिपोर्ट दाखिल करने का शुक्रवार को निर्देश दिया। यह विस्फोट उस दौरान हुआ था जब एक सहकारी संस्था का चुनाव हो रहा था। याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में, विस्फोट के कारण एक व्यक्ति के घायल होने का दावा करते हुए, पिछले साल आठ दिसंबर को चुनाव के दौरान हुई घटना की राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से जांच कराने का अनुरोध किया है। अदालत के पूर्व के निर्देश के बावजूद राज्य के रिपोर्ट दाखिल नहीं करने को लेकर नाखुशी जताते हुए न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता ने आदेश दिया कि हलफनामे के रूप में एक रिपोर्ट सात जनवरी को दाखिल की जाए। उसी दिन मामले की फिर से सुनवाई होनी है।

मुजफ्फरनगर दंगा

मंत्री, सपा सांसद व भाजपा नेताओं समेत 19 लोगों पर आरोप तय, सुनवाई 30 जनवरी को

मुजफ्फरनगर।(भाषा) मुजफ्फरनगर की विशेष सांसद-विधायक अदालत ने वर्ष 2013 में मुजफ्फरनगर दंगा मामले में उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री कपिल देव अग्रवाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान, विश्व हिंदू परिषद की नेता साध्वी प्राची और डासना के महंत यति नरसिंहानंद, सपा सांसद हरेंद्र मलिक और भाजपा नेताओं समेत 19 लोगों के खिलाफ आरोप तय किए हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी और कहा कि अगली सुनवाई 30 जनवरी को होगी। अभियोजन अधिकारी नीरज सिंह ने बताया कि विशेष सांसद-विधायक अदालत के न्यायाधीश देवेंद्र सिंह फौजदार ने मामले में 19 आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 188 (लोक सेवक द्वारा विधिवत आदेश की अवज्ञा), 341 (किसी को गलत तरीके से रोकना), 153, 353 (ड्यूटी पर तैनात लोक सेवक पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) के साथ-साथ आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम के प्रावधानों के तहत आरोप तय किए। सिंह ने बताया कि अगली सुनवाई 30 जनवरी को होगी। सुनवाई के दौरान सभी आरोपी अदालत में मौजूद थे। अदालत ने जिनके खिलाफ आरोप तय किया है उनमें उप्र सरकार के व्यावसायिक शिक्षा व कौशल विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल, उप्र सरकार के पूर्व मंत्री सुरेश राणा और अशोक कटारिया, पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान, विहिप नेता साध्वी प्राची, पूर्व भाजपा सांसद भारतेंदु सिंह, डासना के महंत यति नरसिंहानंद, पूर्व भाजपा विधायक अशोक कंसल व उमेश मलिक, सपा सांसद हरेंद्र मलिक और अन्य सहित कई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं के खिलाफ निषेधाज्ञा उल्लंघन और सांप्रदायिक तनाव भड़काने के एक मामले में आज सभी आरोपी अदालत में मौजूद थे। नीरज सिंह ने आज यहां पीटीआई-भाषा को बताया कि 19 लोगों पर मुकदमा चल रहा है और आरोपियों पर मुजफ्फरनगर दंगों से संबंधित एक मामले में आरोप लगाया गया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने नगला मंडोर गांव में एक पंचायत बैठक में भाग लिया और उन्होंने हिंसा भड़काई। आरोप के मुताबिक, उन्होंने 30 अगस्त 2013 को अपने भाषणों के माध्यम से निषेधाज्ञा का उल्लंघन किया।

बहराइच में नेपाल सीमा पर करीब 50 लाख रुपए की स्मैक के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

बहराइच। नेपाल सीमा पर उत्तर प्रदेश (उप्र) के बहराइच जिले में रुपईडीहा आउट पोस्ट पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और स्थानीय पुलिस के साझा अभियान में तस्करी कर नेपाल ले जाई जा रही करीब 50 लाख रुपए कीमत की स्मैक के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सशस्त्र सीमा बल की 42वीं वाहिनी के उप सेनानायक दिलीप कुमार ने शुक्रवार को पीटीआई- भाषा से बताया कि खुफिया सूचना पर एसएसबी व रुपईडीहा पुलिस की संयुक्त गश्त के दौरान सीमा स्तंभ संख्या 651।11 के निकट बृहस्पतिवार रात करीब 10 बजे भारत से नेपाल की ओर जा रहे एक व्यक्ति को रोककर तलाशी ली गई। उन्होंने बताया कि तलाशी पर उसके पैंट की जेब में रखी काले रंग की पॉलीथिन में 70 ग्राम स्मैक बरामद हुई।

पेज 1 का शेष

प्रदूषण बढ़ा...

है। जीआरएपी की मौजूदा अनुसूची, दिल्ली-एनसीआर में सभी संबंधित एजेंसियों द्वारा तत्काल प्रभाव से, पहले से ही लागू स्टेज- दो और तीन कार्रवाइयों के अलावा। सीएक्यूएम ने अपने आदेश में कहा, संशोधित जीआरएपी के चरण के तहत कार्रवाई पूरे एनसीआर में संबंधित सभी एजेंसियों द्वारा लागू, निगरानी और समीक्षा की जाएगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एक्यूआई का स्तर और न गिरे। सभी कार्यान्वयन एजेंसियां ??संशोधित जीआरएपी अनुसूची की कड़ी निगरानी और गहनता से उपाय करेंगी। नागरिकों से अनुरोध है कि वे जीआरएपी चरण-तीन के तहत नागरिक चार्टर का सख्ती से पालन करें।जीआरएपी स्टेज 3, जिसे पिछले शुक्रवार को हटा लिया गया था, में गैर-आवश्यक निर्माण कार्य पर प्रतिबंध शामिल है। चरण 3 के प्रतिबंधों में गैर-आवश्यक निर्माण कार्य पर प्रतिबंध भी शामिल है, ग्रेड पांच तक की कक्षाओं को हाइब्रिड मोड में स्थानांतरित करना आवश्यक है और माता-पिता और छात्रों के पास जहां भी उपलब्ध हो, ऑनलाइन शिक्षा चुनने का विकल्प है। स्टेज 3 दिल्ली में बीएस-फोर या पुराने मानकों वाले गैर-आवश्यक डीजल-संचालित मध्यम माल वाहनों पर भी प्रतिबंध लगाता है।दिल्ली के भारत गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर, दृश्यता शून्य हो जाने के कारण 500 से अधिक उड़ानों में देरी हुई, सुबह 8 बजे, दिल्ली के पालम हवाई अड्डे पर 0 मीटर की दृश्यता दर्ज की गई, जबकि नई दिल्ली के सफदरजंग हवाई अड्डे पर 50 मीटर की दृश्यता दर्ज की गई। दोनों हवाई अड्डों का उपयोग वाणिज्यिक उड़ान संचालन के लिए नहीं किया जाता है। घने कोहरे की स्थिति के कारण, दिल्ली हवाई अड्डे ने एक सलाह जारी की जिसमें कहा गया कि गैर-कैट थ्री अनुपालन वाली उड़ानें प्रभावित होंगी।किसी भी असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए, सोशल मीडिया जानकारी का सहारा लें।

मोदी का...

लोग एक तो चोरी ऊपर से सीना ज़ोरी (ये कट्टर भ्रष्ट लोग, वे चोरी करते हैं और फिर बेशर्मी से अपना बचाव करते हैं)। दिल्ली के लोग कह रहे हैं, आपदा की नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे (दिल्ली के लोग कह रहे हैं) वे इस आपदा को बर्दाश्त नहीं करेंगे, लेकिन बदलाव लाएंगे। उन्होंने आप पर शिक्षा और स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में घोटालों में शामिल होने का आरोप लगाया।मोदी के इस आरोप पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कि आम आदमी पार्टी दिल्ली के लिए 'आपदा' है, केजरीवाल ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र ने दिल्ली में कोई विकास कार्य नहीं किया है, अन्यथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 39 मिनट खर्च नहीं करना पड़ता। उनके 43 मिनट के भाषण में राजधानी के लोगों और उनके द्वारा सबसे बड़े जनादेश के साथ चुनी गई सरकार को कोसा गया। पीएम मोदी ने आज 43 मिनट का भाषण दिया. करीब 39 मिनट तक उन्होंने दिल्ली की जनता और चुनी हुई सरकार को गालियां दीं। अगर मोदी सरकार ने दस साल में काम किया होता तो उन्हें दिल्ली के लोगों को गाली देने की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने कहा, बीजेपी को तीन कॉलेजों की आधारशिला रखने में उतना ही समय लगा जितना आप को 22,000 कक्षाएं, तीन नए विश्वविद्यालय, छह विश्वविद्यालय परिसर और 11 नए व्यावसायिक कॉलेज बनाने में लगा।उन्होंने कहा, 'पीएम मोदी दिल्ली के लोगों और उनके द्वारा चुनी गई बहुमत वाली सरकार को गाली दे रहे हैं। आप प्रमुख ने दावा किया कि अगर उनकी सरकार ने 2014 के बाद से केंद्र में दस साल तक सत्ता में रहते हुए अच्छा प्रदर्शन किया होता तो पीएम मोदी को उन्हें गाली देने की जरूरत नहीं पड़ती।'

सत्ता में आने के लिए 'अन्ना हजारे को अपने चेहरे के रूप में इस्तेमाल करने वाली' आप पर परोक्ष हमला करते हुए, पीएम मोदी ने पार्टी पर दिल्ली के लोगों के लिए 'आपदा' बनने का आरोप लगाया, और मतदाताओं से खुद को 'मुक्त' करने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'अगर राजधानी में राजमार्ग बनाए जा रहे हैं और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) गरीबों के लिए घर बनाने में सक्षम है, तो ऐसा इसलिए है क्योंकि इन क्षेत्रों में 'आपदा' की ज्यादा भूमिका नहीं है।' उन्होंने कहा कि 2025 भारत के लिए कई नई संभावनाएं लेकर आएगा, उन्होंने कहा कि देश दुनिया में राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता का प्रतीक बन गया है, भारत नए साल में एक बड़ा विनिर्माण केंद्र बन जाएगा जिसमें कृषि क्षेत्र में नए रिकॉर्ड बनेंगे उन्होंने कहा कि महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को भी पंजीकृत किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2025 में भारत की वैश्विक स्थिति और छवि भी मजबूत होगी। इससे पहले पीएम मोदी ने अपने एक्स हैंडल को संभालते हुए कहा कि यह दिल्ली के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। उन्होंने कहा, आज दिल्ली के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। अशोक विहार में एक कार्यक्रम में कई विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास करूंगा, जो दिल्ली के लोगों के लिए 'ईज ऑफ लिविंग' को बढ़ावा देगा।' पीएम मोदी ने अशोक विहार इलाके के स्वाभिमान अपार्टमेंट में ईडब्ल्यूएस फ्लैटों के पात्र लाभार्थियों को चाबियां सौंपीं।अशोक विहार में रैली की योजना रणनीतिक रूप से वजीरपुर, मॉडल टाउन और शालीमार बाग जैसे इलाकों में झुग्गीवासियों के बीच आप के गढ़ को लक्षित करने के लिए बनाई गई है। चांदनी चौक संसदीय क्षेत्र का हिस्सा, इन इलाकों में अतीत में भाजपा का गढ़ होने के बावजूद आप का वर्चस्व देखा गया है। अनुमान के मुताबिक, दिल्ली की झुग्गियों में लगभग 20 लाख लोग रहते हैं। हालाँकि वे पारंपरिक रूप से कांग्रेस समर्थक थे, खासकर पूर्व सीएम शीला दीक्षित के कार्यकाल के दौरान, आप ने 2013 और 2015 के विधानसभा चुनावों के दौरान उन पर जीत हासिल की।अशोक विहार के बाद पीएम मोदी की दूसरी रैली 5 जनवरी को रोहिणी के जापानी पार्क में होगी. इस कार्यक्रम में ग्रामीण मतदाताओं की लंबे समय से चली आ रही मांग को संबोधित करते हुए रिठाला को ग्रामीण क्षेत्रों से जोड़ने वाली मेट्रो परियोजना की आधारशिला रखी जाएगी। रैली ग्रामीण क्षेत्रों में समर्थन मजबूत करने पर केंद्रित होगी जहां आप ने पिछले चुनावों में जोरदार प्रदर्शन किया है। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री रविवार को रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) कॉरिडोर की धारा 4 का उद्घाटन करेंगे जो साहिबाबाद को न्यू अशोक नगर से जोड़ता है। वर्तमान में, आरआरटीएस का 42 किमी कार्यात्मक हिस्सा पूरी तरह से उत्तर प्रदेश में स्थित है।

बाइडन ...

का चांदी का कटोरा, इज़राइल के राष्ट्रपति से 3,160 अमेरिकी डॉलर की चांदी की ट्रे और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से 2,400 अमेरिकी डॉलर का कोलाज शामिल हैं। संघीय कानून के अनुसार कार्यकारी शाखा के अधिकारियों को विदेशी नेताओं और समकक्षों से प्राप्त उन उपहारों की घोषणा करनी होती है, जिनकी अनुमानित कीमत 480 अमेरिकी डॉलर से अधिक है।

यूनियन कार्बाइड ...

नहीं किया गया तो वह अवमानना की कार्यवाही शुरू करेगा।इस बीच, कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पीथमपुर में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बृहस्पतिवार को संदेह करने वालों को संबोधित करते हुए कहा कि इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कचरे में 60 प्रतिशत मिट्टी और 40 प्रतिशत नेफ्थॉल शामिल है जिसका उपयोग कीटनाशक मिथाइल आइसोसाइनेट (एमआईसी) बनाने के लिए किया जाता है और यह बिल्कुल भी हानिकारक नहीं है।

ड्राफ्ट डेटा...

चाहिए। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 को 2023 में संसद द्वारा पारित किया गया था। मसौदा नियम, एक बार अंतिम रूप दिए जाने और अधिसूचित होने के बाद, लागू होंगे। केंद्र ने जनता के लिए मसौदा नियमों पर टिप्पणी करने और अपनी प्रतिक्रिया भेजने के लिए 18 फरवरी, 2025 की समय सीमा निर्धारित की है।

बिकवाली ...

है। नायर ने कहा कि आने वाले समय में भारतीय बाजार तीसरी तिमाही के नतीजों पर ध्यान केंद्रित करेगा। उम्मीद है कि दूसरी तिमाही की तुलना में आंकड़े बेहतर होंगे। मझोली कंपनियों के बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.33 प्रतिशत गिरावट आई जबकि छोटी कंपनियों के बीएसई स्मालकैप सूचकांक में 0.02 प्रतिशत की सुस्ती रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में आईटी खंड में 1.31 प्रतिशत की गिरावट रही जबकि प्रौद्योगिकी खंड में 1.13 प्रतिशत एवं बैंक खंड में 1.07 प्रतिशत की नरमी आई।

मालदीव को आर्थिक मुद्दों पर देंगे सहयोग : जयशंकर

भाषा। नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत की पड़ोस पहले नीति का मालदीव एक शानदार उदाहरण है और उन्होंने हिंद महासागर में स्थित इस द्वीपीय देश को नई दिल्ली के सहयोग का वादा किया। मालदीव की अर्थव्यवस्था कुछ हद तक संकट का सामना कर रही है। जयशंकर ने मालदीव के अपने समकक्ष अब्दुल्ला खलील के साथ बैठक की शुरुआत में, भारत और मालदीव के बीच व्यापार के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने के सिलसिले में एक रूपरेखा को अंतिम रूप देने का उल्लेख किया। साथ ही, आर्थिक समस्याओं से निपटने में द्वीपीय देश की मदद के लिए नई दिल्ली की ओर से दी गई वित्तीय सहायता का उल्लेख किया। दोनों पक्षों ने भारत से अनुदान सहायता के माध्यम से मालदीव में तीसरे चरण के तहत उच्च सामुदायिक प्रभाव वाली विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। वार्ता के दौरान खलील ने व्यापक आर्थिक व समुद्री सुरक्षा साझेदारी संबंधी भारत-मालदीव संयुक्त दृष्टिकोण को साकार करने में नई दिल्ली के साथ मिलकर काम करने की राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु की दृढ़ प्रतिबद्धता प्रकट की। खलील व्यापार और निवेश समेत कई प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के तरीके तलाशने के लिए बृहस्पतिवार को तीन दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे थे। जयशंकर ने कहा, "दोनों देशों के बीच व्यापार के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने की रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होंने कहा,विभिन्न क्षेत्रों में हमारी भागीदारी बढ़ी है और भारत हमेशा मालदीव के साथ खड़ा रहा है।

हमारे लिए, आपके साथ सहयोग हमारी पड़ोस पहले नीति का शानदार उदाहरण है। विदेश मंत्री ने मालदीव को भारत की ओर से दी गई आर्थिक सहायता के बारे में बताते हुए 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर की मुद्रा आदान-प्रदान व्यवस्था का उल्लेख किया। मालदीव को आवश्यक वस्तुओं के निर्यात की भी सुविधा प्रदान की है। यह हमारे संबंधों में एक परंपरा रही है।हमें निश्चित रूप से उम्मीद है कि हमारे संबंधों ने इस कठिन समय से निपटने में आपकी मदद की है। वहीं विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि खलील ने जरूरत के समय भारत द्वारा मालदीव को दी गई समय पर आपातकालीन वित्तीय सहायता की सराहना की। बयान में कहा गया है, "विदेश मंत्री खलील ने भारत-मालदीव व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी के संयुक्त दृष्टिकोण को साकार करने में भारत सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए राष्ट्रपति मुइज्जु और मालदीव सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

निमिषा प्रकरण पर विदेश मंत्रालय ने कहा: घटनाक्रम पर हम करीब से नजर रख रहे हैं

नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को कहा कि वह यमन में मौत की सजा का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया के मामले में घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रहा है। प्रिया (37) केरल के पलक्कड़ की रहने वाली है और उसे जुलाई, 2017 में यमन के एक नागरिक की हत्या करने का दोषी पाया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को कहा, हम निमिषा प्रिया को सुनाई गई सजा से जुड़े घटनाक्रम पर करीब से नज़र रख रहे हैं। सरकार इस मामले में हर संभव मदद कर रही है। प्रिया फिलहाल यमन की राजधानी सना की एक जेल में बंद है। सना पर ईरान समर्थित हूथी का नियंत्रण है। बृहस्पतिवार को एक ईरानी अधिकारी ने कहा कि ईरान इस मामले में जो कुछ कर सकता है, वह करेगा। यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी की मौत कथित तौर पर बेहोशी की दवा की ओवरडोज से हुई थी।

महिलाओं को उनके स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर बोलने के लिए प्रोत्साहित करें : मुर्मू

भाषा। बेंगलुरू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को लोगों से आग्रह किया कि वे अपने घरों में महिलाओं को उनके स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर खुलकर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करें। मुर्मू ने कहा कि कई बार परिवार में महिलाओं को उनके स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के लिए समय पर निदान और उपचार नहीं मिल पाता है। उन्होंने कहा कि ऐसा पारंपरिक मानसिकता के कारण हो सकता है, जहां महिलाओं सहित परिवार के लिए उनकी स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का समाधान करना प्राथमिकता नहीं होती। मुर्मू ने बेलगावी में केएलई कैंसर अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद मुख्य भाषण देते हुए कहा कि इस तरह की देरी, खासकर कैंसर के मामलों में गंभीर हो सकती है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि समग्र समाज को महिलाओं के स्वास्थ्य को अधिक गंभीरता से लेना चाहिए तथा उनकी देखभाल में सक्रिय रूप से योगदान देना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उन्हें समय पर उचित उपचार मिले। मुर्मू ने एक वैश्विक अध्ययन पर प्रकाश डाला, जिसमें कैंसर को विश्वभर में मृत्यु का प्रमुख कारण बताया गया है। अनुमान के मुताबिक, वर्ष 2022 में दुनिया भर में कैंसर के दो करोड़ नए मामले सामने आए और 97 लाख मौतें हुईं। भारत में कैंसर के मामले हर एक लाख लोगों पर लगभग 100 हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के एक अध्ययन के अनुसार, भारत में कैंसर के मामलों में 2020 की तुलना में 2025 में लगभग 13 प्रतिशत की वृद्धि होने की आशंका है।

ई रेस मामले में बीआरएस नेता केटीआर को छह को पेश होने का आदेश

हैदराबाद। तेलंगाना पुलिस के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शुक्रवार को पूर्व मंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता केटी रामा राव को फरवरी 2023 में प्रस्तावित रही फॉर्मूला-ई रेस के दौरान कथित भुगतान अनियमितताओं से जुड़े एक मामले के संबंध में छह जनवरी को पेश होने के लिए नोटिस जारी किया। तेलंगाना एसीबी ने पिछले महीने राव के खिलाफ कथित भुगतानों को लेकर मामला दर्ज किया था, जिनमें से कुछ भुगतान पिछली सरकार के दौरान बिना मंजूरी के विदेशी मुद्रा में किए गए थे।रामा राव को केटीआर के नाम से भी जाना जाता है।तेलंगाना उच्च न्यायालय ने फार्मूला-ई रेस मामले में एसीबी द्वारा दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध करने वाली याचिका पर आदेश सुनाए जाने तक राव को अग्रिम जमानत दी हुई है।

कार्यस्थल को महिलाओं के अनकूल बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी: एनसीडब्ल्यू

लातूर। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने शुक्रवार को कहा कि हर कार्यस्थल पर (चाहे वह सरकारी हो या निजी) महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करना चाहिए और यह सभी की जिम्मेदारी है। वह कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के तहत गठित आंतरिक शिकायत समितियों (आईसीसी) के सदस्यो और प्रमुखो के साथ लातूर जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में बोल रही थी। रहाटकर ने कहा कि कई महिलाएं कार्यस्थल पर उत्पीड़न झेलती है और शिकायत दर्ज कराने में झिझकती है।

प्रयागराज में होगा आयुष महाकुंभ

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। इसके पूर्व वहाँ 2 से 6 जनवरी तक आयुष महाकुंभ एवं ग्लोबल आयुष एक्सपो 2025 का आयोजित किया जा रहा है, इसमें देश भर के चुनिंदा विश्वप्रसिद्ध आयुष चिकित्सा विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे। इस 5 दिनी आयोजन के तहत, 5 जनवरी को आयोजित वैज्ञानिक सत्र में इंदौर के प्रख्यात होम्योपैथिक चिकित्सक और सी सी आर एच, आयुष मंत्रालय के वैज्ञानिक सलाहकार मंडल के सदस्य डॉ. ए.के. द्विवेदी अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रयागराज में आने वाले लोगों को आयुष चिकित्सा के द्वारा स्वस्थ रखना है। डॉ एके द्विवेदी लोगों को बतायेंगे कि भारतीय खाद्य पदार्थों का सेवन करके लोग कैसे ठंड से बच सकेंगे और कैसे बीमार होने से बचेंगे। आयुष महाकुंभ में दैनिक योग, ध्यान, प्राणायम एवं आयुर्वेद तथा होम्योपैथी के विशेष सत्रों के साथ-साथ प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ भी स्वस्थ रहने के सरल तरीके सुझाएंगे। सम्पूर्ण देश से पधारे प्रसिद्ध आयुष चिकित्सा विशेषज्ञ निःशुल्क परामर्श एवं उपचार प्रदान करेंगे। इस दौरान आयुष, शिल्पकला, गृह उद्योग, हस्तशिल्प एवं खाद्य समेत 36 वर्गो की प्रदर्शनियाँ भी लगाई जाएंगी।

दृष्टिबाधित उम्मीदवारों से नियुक्ति के लिए विवरण मांगा

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने 15 साल पहले सिविल सेवा परीक्षा देने वाले दो दृष्टिबाधित उम्मीदवारो से विवरण मांगा है ताकि नियुक्ति के लिए उनके नाम पर विचार किया जा सके। यह कदम उच्चतम न्यायालय के उस आदेश के बाद उठाया गया है, जिसमे पिछले वर्ष जुलाई में निर्देश दिया गया था कि दिव्यांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) के लिए लंबित रिक्तियों के संबंध में नियुक्ति के लिए 11 उम्मीदवारो पर विचार किया जाए। यूपीएससी ने बयान में कहा कि न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुसरण मे, कार्यान्वयन की प्रक्रिया उम्मीदवार के आवेदन पत्र में उल्लिखित विवरण के आधार पर की जानी है।

वक्फ बोर्ड के आदेश का हवाला देकर दुकानदारों को बेदखल करने पर मस्जिद के न्यासी समेत नौ लोग गिरफ्तार

भाषा। राजकोट

गुजरात के राजकोट शहर में एक मस्जिद के न्यासी और आठ अन्य लोगों को वक्फ बोर्ड के आदेश का हवाला देकर तीन दुकानदारों को बेदखल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। न्यास द्वारा हिंदू व्यापारियों को किराए पर दी गई दुकानें दानापीठ क्षेत्र में नवाब मस्जिद के भूतल पर स्थित हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि 31 दिसंबर को मस्जिद के न्यासी फारूक मुसानी के नेतृत्व में भीड़ ने कथित तौर पर दुकानों के ताले तोड़ दिए और सारा सामान सड़क पर फेंककर दुकानों का कब्जा ले लिया। जब एक दुकानदार वीरेंद्र कोटेचा ने मुसानी और अन्य लोगों से इस बारे में पूछा तो उन्होंने गुजरात राज्य वक्फ बोर्ड के आदेश का हवाला दिया, जिसमें मस्जिद न्यास को दुकानों पर कब्जा करने के लिए कहा गया था। कोटेचा ने संवाददाताओं से कहा कि उनका परिवार 1962 से दुकान चला रहा है और न्यास द्वारा उन्हें कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई थी। दूसरी ओर, मुसानी ने अपनी गिरफ्तारी से पहले संवाददाताओं से कहा कि दुकानदारों को वक्फ बोर्ड के आदेश के अनुसार बेदखल किया गया था, जिसकी प्रतियां उन्हें दी गई थीं। राज्य वक्फ बोर्ड के सदस्य आसिफ सलोट ने कहा कि बोर्ड ने आदेश जारी किया था, लेकिन दुकानों पर कब्जा वापस लेते समय न्यास द्वारा उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। पुलिस की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि कोटेचा की शिकायत के आधार पर राजकोट पुलिस ने मुसानी और अन्य के खिलाफ प्रासंगिक धाराओं में एक जनवरी को प्राथमिकी दर्ज की। विज्ञप्ति में कहा गया है कि दुकानों में तोड़फोड़ करने में कथित रूप से शामिल मुसानी और आठ अन्य को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया और ुलिस ने दुकानों का कब्जा व्यापारियों को वापस सौंप दिया। गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सभी दुकानें खुल गई हैं और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। हम आपकी सहायता के लिए हमेशा तैयार हैं।

मनमोहन सिंह की स्मृति में अंतिम अरदास आयोजित

●सोनिया, खरगे समेत कई नेता हुए शामिल

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा कई अन्य नेता शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की स्मृति में गुरुद्वारा रकाबगंज में आयोजित कीर्तन और अंतिम अरदास में शामिल हुए। मनमोहन सिंह का बीते 26 दिसंबर को 92 साल की आयु में निधन हो गया था। उनका अंतिम संस्कार 28 दिसंबर को निगमबोध घाट पर किया गया। कीर्तन और अंतिम अरदास में मनमोहन सिंह के परिजन के अलावा खरगे, सोनिया गांधी, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शामिल थे। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की पूर्व अध्यक्ष बीबी जागीर कौर, पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा और योजना आयोग (अब नीति आयोग) के पूर्व उपाध्यक्ष मोंटेक सिंह अहलूवालिया, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश, प्रवक्ता पवन खेड़ा, पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद और अजय माकन तथा सांसद सुखजिंदर रंधावा भी शामिल हुए। भाजपा नेता प्रनीत कौर और मनजिंदर सिंह सिरसा, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी और दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी (डीएसजीएमसी) के प्रमुख हरमीत सिंह कालका भी उपस्थित थे।डीएसजीएमसी ने राष्ट्रीय राजधानी में अपने सभी संस्थानों में पूर्व प्रधानमंत्री की तस्वीरें लगाने के अलावा, दिल्ली में समिति द्वारा संचालित सभी कॉलेज में सिंह के नाम पर अर्थशास्त्र में छात्रवृत्ति शुरू करने का प्रस्ताव पारित किया।कालका ने कहा कि डीएसजीएमसी ने देश में उनके योगदान को देखते हुए अपने नए शैक्षणिक संस्थान का नाम सिंह के नाम पर रखने का भी फैसला किया है।उन्होंने यह भी कहा कि डीएसजीएमसी हर साल सिंह के निधन वाले दिन, 26 दिसंबर को उनकी याद में एक कार्यक्रम का आयोजन करेगी।इससे पहले, सिंह के आवास 3 मोतीलाल नेहरू मार्ग पर उनकी स्मृति और सम्मान में शुक्रवार को अखंड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें सोनिया, खरगे, पूर्व उप राष्ट्रपति हामिद अंसारी और कुछ अन्य नेता शामिल हुए।सिंह की पत्नी गुरशरण कौर ने अखंड पाठ के दौरान सिख धर्म के पवित्र ग्रंथ के कुछ अंश का पाठ किया।

जम्मू-कश्मीर : एनआईए ने अनंतनाग में आतकवादियों के सहयोगियों का भूखंड कुर्क किया

श्रीनगर। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने एक मुठभेड़ से जुड़े मामले में मुख्य आरोपी की संपत्ति शुक्रवार को कुर्क कर ली। इस मुठभेड़ में लश्कर ए तैयबा का एक आतंकी मारा गया था, जबकि चार सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए थे। सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच यह मुठभेड़ 13 सितंबर 2023 को कोकरनाग के गडोले वन क्षेत्र के गुरी नाद में हुई थी। इसमें सेना की 19 राष्ट्रीय राइफल्स इकाई के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धोंचक, जम्मू-कश्मीर पुलिस के उपाधीक्षक हुमायूं भट और एक अन्य जवान शहीद हो गया था। एक सप्ताह तक चले अभियान में सेना ने लश्कर के आतंकवादी उजैर खान को मार गिराया था।अधिकारियों ने बताया कि हमले से संबंधित एक मामले में एनआईए ने दक्षिण कश्मीर जिले में कोकरनाग के हालपोरा इलाके में 19 मरला जमीन कुर्क की है। यह संपत्ति हालपोरा के मोहम्मद अकबर डार की है।एनआईए के अनुसार, डार, उजैर खान का सहयोगी था और उसने आतंकी को रसद सहायता, आश्रय, भोजन और खुफिया जानकारी उपलब्ध कराई थी।एजेंसी ने बताया कि यह संपत्ति अवैध गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धारा 25 के उपखंड (एक) के तहत कुर्क की गई।एनआईए के मुताबिक, डार को 20 सितंबर 2023 को उसके घर से एके-47 की 40 गोलियां और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद होने के बाद गिरफ्तार किया गया था।

हरियाणा में जमीन विवाद में युवक की ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या, मामला दर्ज

भिवानी। हरियाणा में भिवानी जिले के गांव लेघा भानान में जमीन से जुड़े विवाद को लेकर एक युवक की ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कैरू पुलिस चौकी के एक अधिकारी ने बताया कि मृतक सुमित उर्फ बंटी(32) के भाई मनोज की शिकायत पर रणबीर सहित छह लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करके पुलिस जांच में जुटी है। पुलिस ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार शाम करीब सात बजे की है। पुलिस ने शुक्रवार सुबह मृतक के शव का जिला नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया। आरोपियों में शामिल एक युवक पर पहले भी जमीनी विवाद को लेकर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज है। गांव लेघा भानान निवासी मनोज ने पुलिस को बताया कि उनकी पारिवारिक जमीन गांव के समीप बनी तूड़ी की फैक्टरी के पास है और उसी के पास रणबीर की भी जमीन है। मनोज ने पुलिस को बताया कि पिछले चार-पांच साल से रणबीर और उसका परिवार उनकी जमीन को हड़पना चाहता है। उन्होंने कहा कि इसी को लेकर 2021 में भी आरोपी रिंकू ने उनके परिवार के सतेंद्र पर जानलेवा हमला किया था और इस संबंध में तोशाम पुलिस थाने में उसके खिलाफ हत्या का प्रयास करने का मामला दर्ज किया गया था। बृहस्पतिवार की शाम करीब सात बजे मनोज को जब पता चला कि आरोपी रणबीर और उसके परिवार के रिंकू व अन्य लोग ट्रैक्टर से उनकी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं, तो वह अपने परिवार के सदस्यों के साथ मौके पर पहुंचा।

आईआईटी ने 152 आईपीआर फाइलिंग के साथ रिकॉर्ड-तोड़ उपलब्धि हासिल की

कानपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने 2024 में 152 इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स दाखिल करने के साथ अनुसंधान और नवाचार में अपनी पहचान बनाना जारी रखा है। एक वर्ष में दाखिल किए गए सबसे अधिक ढ्ढक्क के साथ संस्थान लगातार चौथे वर्ष अपनी बढ़त को बनाए हुए है। अब तक कुल 1200 आईपीआर दाखिल करने के साथ, आईआईटी कानपुर ने उद्योग भागीदारों के लिए अपनी असाधारण लाइसेंसिंग दर को भी बनाए रखा है, जो 2024 में लगभग 12.91प्रतिशत रही। 152 आईपीआर फाइलिंग में 124 पेटेंट, 10 डिजाइन पंजीकरण, 2 कॉपीराइट और 6 ट्रेडमार्क आवेदन शामिल हैं। संस्थान ने 7 अमेरिकी पेटेंट, 2 चीनी पेटेंट और 1 यूरोपीय पेटेंट दाखिल करके अपनी वैश्विक उपस्थिति का भी विस्तार किया। आईपीआर फाइलिंग में अत्याधुनिक तकनीक के कई क्षेत्र शामिल हैं, जिसमें मेडटेक और नैनोटेक्नोलॉजी शामिल हैं। कुछ उल्लेखनीय आविष्कारों में दवा वितरण के लिए एक ट्रांसडर्मल पैच, क्रिप्टोग्राफिक एक्सेलेरेशन के लिए क्रिप्टोसेलर और एक चॉप सॉ मेटल-कटिंग मशीन शामिल हैं। अन्य उल्लेखनीय पेटेंट में एक हाइब्रिड-संचालित इलेक्ट्रिक टॉवर कार और दरार वृद्धि को मापने के लिए एक कॉन्टैक्टलेस ऑटोमेटेड टूल शामिल हैं। प्रोफेसर मणींद्र अग्रवाल, निदेशक आईआईटी कानपुर ने कहा, 2024 में 152 इलिंग हासिल करना और स्वीकृत पेटेंट में उल्लेखनीय वृद्धि देखना, अनुसंधान और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के बीच की खाई को पाटने के लिए अग्रणी अनुवादात्मक अनुसंधान के लिए आईआईटी कानपुर की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

एनीमिया मुक्त भारत अभियान शुरू

भदोही। भदोही जिलाधिकारी विशाल सिंह की उपस्थिति में कमला अंकीबाई घमंडीराम गोवानी ट्रस्ट ने जिले में एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया था। 26, 27, 28 दिसंबर को आयोजित इस तीन दिवसीय अभियान का नेतृत्व ट्रस्ट प्रमुख निदर्शना गोवानी ने किया। इसका उद्देश्य जिले में एनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इस समस्या को जड़ से खत्म करना था।इस अभियान के दौरान जिले के आठ विद्यालयों के लगभग हजार छात्राओं का हीमोग्लोबिन स्तर जाँचा गया। साथ ही जिनके हीमोग्लोबिन स्तर नीचे थे उन्हें बढ़ाने के लिए आयरन की गोलियां सहित समुचित दवाइयाँ वितरित की गईं। कमला ट्रस्ट के इस अभियान में कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय, हरिचंदनपुर, भदोही, कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय, गडेरियापुर, सुरियावां, कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय, वहीदानगर, डीघ, कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय, ककराही गोपीगंज, ज्ञानपुर, कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय, उपरौठ, औराई, कंपोजिट विद्यालय हरिचंदनपुर, यू पी एस, भूलईपुर और उच्च प्राथमिक विद्यालय, डभका शामिल रहे। इस मौके पर जिलाधिकारी विशाल सिंह ने कहा कमला ट्रस्ट का यह प्रयास जिले के स्वास्थ्य सुधार के लिए अत्यंत सराहनीय है। ऐसे आयोजनों से न केवल जागरूकता बढ़ती है, बल्कि लोगों को अपनी सेहत को बेहतर बनाने का अवसर भी मिलता है। ट्रस्ट प्रमुख निदर्शना गोवानी ने इस अभियान के माध्यम से यह संदेश दिया कि एनीमिया जैसी समस्याओं को खत्म करने के लिए उचित जागरूकता का होना बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट आगे भी इस तरह के शिविर आयोजित करेगा, जिससे अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके।

फडणवीस का संपादित वीडियो साझा करने वाले की गिरफ्तारी को अदालत ने अवैध करार दिया

भाषा। मुंबई

मुंबई की एक अदालत ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का शरारतपूर्ण तरीके से संपादित वीडियो कथित रूप से साझा करने को लेकर एक व्यक्ति की गिरफ्तारी को शुक्रवार को अवैध करार दिया। अदालत ने इस आधार पर इस कार्वाई को अवैध करार दिया कि पुलिस उस व्यक्ति को गिरफ्तारी का आधार बताने में नाकाम रही थी। साइबर पुलिस ने बृहस्पतिवार को वरद तुकाराम कणकी को गिरफ्तार किया था। हालांकि, यहां की मजिस्ट्रेट अदालत ने पाया कि पुलिस ने प्रक्रिया का पालन नहीं

किया और जांच अधिकारी (आईओ) को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए उसे तुरंत रिहा करने का आदेश दिया। फडणवीस ने हाल में राज्य विधानसभा में कहा था कि नक्सली भारतीय संविधान और लोकतंत्र में विश्वास नहीं रखते। एक सोशल मीडिया उपयोगकर्ता ने भाषण के शुरुआती हिस्से को संपादित कर दिया और संपादित वीडियो में फडणवीस को यह कहते दिखाया कि हम संविधान में विश्वास नहीं रखते। यह वीडियो वायरल हो गया। शुक्रवार को कणकी को मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। पुलिस ने उसे रिमांड में देने का अनुरोध करते हुए कहा कि गहन जांच की जरूरत है क्योंकि दुर्भावनापूर्ण इरादे से पोस्ट किए गए वीडियो से दंगे भड़क सकते हैं। आरोपी की ओर से पेश वकील ऐश्वर्या शर्मा ने दलील दी कि कणकी ने वीडियो नहीं बनाया, बल्कि कथित तौर पर इसे अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर महज साझा भर किया था। बाद में इसे हटा दिया।

सावित्रीबाई फुले की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में एक मंच पर दिखे शरद पवार, भुजबल

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के असंतुष्ट नेता छगन भुजबल शुक्रवार को महान शिक्षाविद और समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर पुणे में आयोजित एक कार्यक्रम में एक मंच पर देखे गए। भुजबल ने इस अवसर पर कहा कि कई लोग उन्हें और शरद पवार को एक मंच पर देखकर आश्चर्यचकित हैं। उन्होंने कहा, लेकिन हम महात्मा फुले, शाहू महाराज और बाबासाहेब आंबेडकर जैसी महान हस्तियों के लिए हमेशा एक साथ आते रहेंगे। जुलाई 2023 में अजित पवार, भुजबल और कई अन्य नेताओं के महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार में शामिल होने के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी दो हिस्सों में बंट गई थी। भुजबल मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किए जाने की वजह से उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पार्टी से नाराज हैं। पंद्रह दिसंबर को शपथ ग्रहण समारोह के बाद भुजबल ने मंत्रिमंडल में शामिल न किए जाने पर अजित पवार पर निशाना साधा था।

भारत ने ब्रह्मपुत्र पर चीन के बांध बनाने की योजना पर कहा: हितों की रक्षा के लिए जरूरी उपाय करेंगे

भाषा। नई दिल्ली

तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर एक बड़ा बांध बनाने की अपनी योजना की चीन द्वारा घोषणा किए जाने के कुछ दिनों बाद, भारत ने शुक्रवार को कहा कि वह निगरानी जारी रखेगा और अपने हितों की रक्षा के लिए आवश्यक उपाय करेगा। प्रस्तावित बांध के प्रति अपनी पहली प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए नई दिल्ली ने बीजिंग से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि ब्रह्मपुत्र के ऊपरी इलाकों में गतिविधियों से नदी के प्रवाह के निचले क्षेत्रों में स्थित देशों को नुकसान नहीं पहुंचे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हम निगरानी जारी रखेंगे और अपने हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। यह आशंका जताई जा रही है कि बांध का निर्माण होने से अरुणाचल प्रदेश और असम में पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचेगा। ब्रह्मपुत्र इन दो राज्यों से होकर बहती है। जायसवाल ने कहा, नदी के प्रवाह के निचले क्षेत्रों में जल के उपयोग का अधिकार रखने वाले देश के रूप में, हमने विशेषज्ञ स्तर के साथ-साथ कूटनीतिक माध्यम से, चीनी पक्ष के समक्ष उसके क्षेत्र में नदियों पर बड़ी परियोजनाओं के बारे में अपने विचार और चिंताएं लगातार व्यक्त की हैं। उन्होंने कहा, हालिया रिपोर्ट के बाद, इन बातों को दोहराया गया है। साथ ही, नदी के प्रवाह के निचले क्षेत्रों में स्थित देशों के साथ पारदर्शिता बरतने और परामर्श की जरूरत बताई गई है। उन्होंने कहा, चीनी पक्ष से आग्रह किया गया है कि ब्रह्मपुत्र के प्रवाह के निचले क्षेत्रों में स्थित देशों के हितों को नदी के प्रवाह के ऊपरी क्षेत्र में गतिविधियों से नुकसान नहीं पहुचे। चीन ने गत वर्ष 25 दिसंबर को, तिब्बत में भारत से लगी सीमा के निकट ब्रह्मपुत्र नदी पर विश्व का सबसे बड़ा बांध निर्मित करने की अपनी योजना की घोषणा की थी। परियोजना पर 137 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत आने का अनुमान है। बांध के हिमालय पर्वतमाला क्षेत्र के पारिस्थितिकी रूप से नाजुक क्षेत्र में बनाने की योजना है।

बीपीएससी परीक्षा को लेकर रेल रोको और आमरण अनशन जारी

भाषा। पटना

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 13 दिसंबर को आयोजित 70वीं संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगी परीक्षा (सीसीई) को रद्द करने की मांग को लेकर जन स्वराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर का गांधी मैदान में आमरण अनशन जारी है। इसी बीच, शुक्रवार को पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने अपने समर्थकों के साथ पटना सचिवालय हाल्ट पर रेल पटरियों पर धरना दिया।शुक्रवार की सुबह सचिवालय हॉल्ट रेलवे स्टेशन पर बड़ी संख्या में यादव समर्थक एकत्र हुए और रेल की पटरी पर बैठ गए तथा ट्रेनों की आवाजाही को बाधित करने का प्रयास किया। बीपीएससी के मुद्दे को लेकर यादव के अपने समर्थकों के साथ रेल और राष्ट्रीय राजमार्ग रोको अभियान की घोषणा के मद्देनजर सचिवालय हॉल्ट रेलवे स्टेशन पर बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रदर्शनकारी ट्रेनों की आवाजाही को बाधित न कर सकें।इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए यादव ने कहा कि उन्होंने राज्यपाल से लेकर प्रदेश में हर स्तर पर छात्रों के मुद्दे का हल निकाले जाने का प्रयास किया पर सरकार सुनने को तैयार नहीं है। अब वह इसको लेकर उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे।बीपीएससी परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर पटना के गांधी मैदान में बृहस्पतिवार से आमरण अनशन पर बैठे किशोर ने पत्रकारों से कहा कि उनका अनशन तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार छात्रों की मांग पर विचार नहीं करती।किशोर ने तीन दिन पहले नीतीश कुमार सरकार को नाराज उम्मीदवारों की मांग पर कार्वाई करने के लिए"48 घंटे का अल्टीमेटमै दिया था। हालांकि, पटना जिला प्रशासन ने गांधी मैदान में किशोर के अनशन को नियम विरुद्ध बताते हुए आमरण अनशन पर बैठने पर जन सुराज के संस्थापक और उनके समर्थकों के खिलाफ बृहस्पतिवार को प्राथमिककी दर्ज की थी। प्रशासन द्वारा उनके अनशन को अवैध बताए जाने के बारे में पूछे जाने पर किशोर ने शुक्रवार को कहा, किस कानून के तहत हम यहां नहीं बैठ सकते?

पायनियर
लखनऊ, शनिवार, 4 जनवरी, 2025

गाजा में इजराइली हमलों में 30 लोग मारे गए

भाषा। दीर अल-बला (गाजा पट्टी)

गाजा में बीती रात और शुक्रवार सुबह तक इजराइली हमलों में बच्चों सहित कम से कम 30 लोग मारे गए। अस्पताल के कर्मचारियों ने यह जानकारी दी। हवाई हमलों के मद्देनजर पूरे इजराइल में चेतावनी देने के लिए सायरन बज रहे थे।

यह हमला तब हुआ जब रुकी हुई युद्धविराम वार्ता के शुरू होने की उम्मीद है। अल अक्सा शहीद अस्पताल के कर्मचारियों ने बताया कि नुसेरात, जवैदा, मघाजी और दीर अल-बला सहित मध्य गाजा के विभिन्न स्थानों पर हुए हमलों में 12 से ज्यादा महिलाएं और बच्चे मारे गए। पिछले दिन भी पूरे इलाके में कई लोग मारे गए थे, जिससे पिछले 24 घंटों में मरने वालों की कुल संख्या 56 हो गई। बृहस्पतिवार को हमास के सुरक्षा अधिकारियों और इजराइल द्वारा घोषित मानवीय क्षेत्र पर हमले हुए। शुक्रवार सुबह इजराइली लोगों को भी हमलों का सामना करना पड़ा। इजराइल ने कहा कि यमन से देश में मिसाइलें दागी गईं, जिससे यरुशलम और मध्य इजराइल में हवाई हमले के सायरन बजने लगे और लोग भागकर सुरक्षित स्थानों पर चले गए। किसी के घायल होने या नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है, हालांकि यरुशलम में मिसाइल या इंटरसेप्टर से होने वाले विस्फोट की हल्की आवाज सुनी जा सकती है। इजराइल की सेना ने कहा कि एक मिसाइल को नाकाम कर दिया गया है। इन हमलों के जारी रहने के बीच शुक्रवार को युद्धविराम वार्ता के प्रयास पुन: शुरू होने की उम्मीद है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि उन्होंने मोसाद खुफिया एजेंसी, शिन बेट आंतरिक सुरक्षा एजेंसी और सेना के एक प्रतिनिधिमंडल को कतर में होने वाली वार्ता के लिए अधिकृत किया है। प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को रवाना हो रहा है। अमेरिका के नेतृत्व वाली वार्ता 15 महीने के युद्ध के दौरान बार-बार रुकी है, जो हमास के नेतृत्व वाले आतंकवादियों द्वारा सात अक्टूबर, 2023 को इजराइल पर किए गए हमले से शुरू हुआ था। उग्रवादियों ने लगभग 1,200 लोगों की हत्या कर दी, जिनमें अधिकतर नागरिक थे, तथा लगभग 250 का अपहरण कर लिया। लगभग 100 बंधक अब भी गाजा के अन्दर हैं, जिनमें से कम से कम एक तिहाई की मौत हो जाने की आशंका है।

पश्चिम एशिया : सीरिया के साथ नई शुरुआत करना चाहते हैं जर्मनी और फ्रांस

बेरूत। सीरिया के साथ रिश्तों की नई शुरुआत करने के उद्देश्य से जर्मनी और फ्रांस के विदेश मंत्री दमिश्क का दौरा कर रहे हैं।जर्मनी की विदेश मंत्री अन्नालेना बेयरबॉक और फ्रांस के विदेश मंत्री ज्यां-नोएल बैरोट के, बशर असद को सत्ता से हटाने वाले समूह के नेता अहमद अल-शरा से शुक्रवार को मुलाकात करने की उम्मीद है। इसके अलावा, दोनों देशों के नेता सीरियाई नागरिक समाज के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठक करेंगे।बेयरबॉक ने कहा कि रिश्तों में एक नई शुरुआत तभी हो सकती है जब नया सीरियाई समाज विभिन्न जातीय और धार्मिक समूहों के सभी लोगों को राजनीतिक प्रक्रिया में स्थान के साथ-साथ अधिकार और सुरक्षा प्रदान करे।इससे पहले, गाजा में बृहस्पतिवार और शुक्रवार को इजराइली हवाई हमलों में कम से कम 50 लोग मारे गए। हमला एक उच्च पदस्थ पुलिस अधिकारी को निशाना बनाकर किया गया। उसने नागरिकों की मौत के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराया। फलस्तीन के स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, गाजा में इजराइल के हमलों में अब तक 45,500 से अधिक फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे हैं।

ट्रंप का रुख रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने में कर सकता है मदद : जेलेंस्की

भाषा। कीव

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मजबूत और अप्रत्याशित हैं तथा ए विशेषताएं यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के प्रति उनके नीतिगत रुख में एक निर्णायक कारक है। हालांकि, जेलेंस्की ने कहा कि लगभग तीन साल से जारी युद्ध को एक दिन में समाप्त करना संभव नहीं होगा, जैसा कि ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान दावा किया था कि वह ऐसा कर सकते हैं। जेलेंस्की ने बृहस्पतिवार देर रात यूक्रेनी टेलीविजन को दिए साक्षात्कार में, युद्ध का जिक्र करते हुए कहा, अगर ट्रंप मजबूत रुख अपनाते हैं, तो युद्ध का भीषण दौर बहुत जल्द समाप्त हो सकता है। ट्रंप 20 जनवरी को अमेरिका के राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने वाले हैं। उन्होंने यूक्रेन पर अपनी नीति को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन उनकी पिछली टिप्पणियों ने इस बात पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है कि क्या अमेरिका, यूक्रेन का सबसे बड़ा - और सबसे महत्वपूर्ण सैन्य समर्थक बना रहेगा। जेलेंस्की ने कहा, मेरा मानना है कि (ट्रंप) मजबूत और अप्रत्याशित हैं। मैं चाहूंगा कि राष्ट्रपति ट्रंप का अप्रत्याशित रुख मुख्य रूप से रूस के प्रति हो। युद्ध के अगले महीने चौथे वर्ष में प्रवेश करने और ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के मद्देनजर, यह प्रश्न उठता है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से कैसे और कब यूरोप का सबसे बड़ा संघर्ष खत्म होगा। रूस ने यूक्रेन के करीब 20 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर लिया है। युद्ध जिस दिशा में बढ़ रहा है वह यूक्रेन के पक्ष में नहीं है और उसे अपने पश्चिमी सहयोगियों से मदद की दरकार है। जेलेंस्की ने कहा कि लड़ाई रोकने के लिए एक समझौते की निगरानी के वास्ते यूक्रेन में पश्चिमी शांति सैनिकों को तैनात किए जाने की संभावना फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों द्वारा जताए जाने पर ट्रंप ने सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की है। जेलेंस्की ने पिछले महीने पेरिस में ट्रंप और मैक्रों से मुलाकात की थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा, लेकिन हमें नहीं पता कि कौन-कौन से देश इस पहल में शामिल होंगे और क्या अमेरिका भी शामिल होगा।

बाइडन वीर सैनिकों को सम्मानित करेंगे

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन शुक्रवार को वीर सैनिकों को मेडल ऑफ ऑनर और मेडल ऑफ वैलोर से सम्मानित करेंगे। मेडल ऑफ ऑनर अमेरिकी सरकार द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च सैन्य सम्मान है जबकि मेडल ऑफ वैलोर दूसरा सबसे बड़ा सैन्य सम्मान है। सेना के जवान ब्रूनो आर. ओरिग 15 फरवरी, 1951 को एक मिशन से लौट रहे थे, जब उन्होंने अपने साथी सैनिकों पर हमला होते देखा था। इस हमले को अब चिपयोंग-नी की लड़ाई के रूप में जाना जाता है। पैदल सैनिक ने कोरियाई युद्ध में घायल हुए अपने साथियों को प्राथमिक उपचार प्रदान किया और उन्हे सुरक्षित स्थानों पर ले जाने में मदद की। उस दिन बाद में जब जमीन पर पुनः कब्जा किया गया तो ओरिग को मृत पाया गया।

ऑस्ट्रिया में नई सरकार के गठन को लेकर विभिन्न दलों के बीच बातचीत विफल

वियना। ऑस्ट्रिया में नई सरकार बनाने को लेकर जारी वार्ता शुक्रवार को विफल हो गई, क्योंकि संभावित गठबंधन के सहयोगियों में से सबसे छोटा दल इस वार्ता में शामिल नही हुआ। पिछले साल अक्टूबर में ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति द्वारा रूढ़िवादी चांसलर कार्ल नेहमर को नई सरकार गठित करने का कार्य सौंपे जाने के बाद से वार्ता में देरी हो रही थी। यह निर्णय तब लिया गया जब अन्य सभी पार्टियो ने अति-दक्षिणपंथी फ्रीडम पार्टी के साथ काम करने से इनकार कर दिया, जिसने सितंबर में पहली बार राष्ट्रीय चुनाव जीता था।

दक्षिण कोरिया: व्यावसायिक इमारत में लगी आग

सियोल। दक्षिण कोरिया के सेओंगनाम शहर मे शुक्रवार को एक बड़ी व्यावसायिक इमारत मे आग लगने के बाद दर्जनो लोगो को सुरक्षित बाहर निकाला गया। अग्निशमन अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ग्योंगगी प्रांतीय अग्निशमन विभाग के अनुसार, आग लगने की घटना के बाद 100 से अधिक अग्निशमन कर्मी और 40 वाहन घटनास्थल पर तैनात किए गए। टीवी फुटेज मे इमारत के निचले हिस्से से धुआं और लपटे निकलती दिखाई दे रही थीं। विभाग के अधिकारियो ने बताया कि लगभग 50 लोग इमारत से बाहर निकलने मे कामयाब रहे जबकि आपातकालीन कर्मचारियो ने अन्य 40 लोगो को बाहर निकाला। यह तुरंत स्पष्ट नही हो सका है कि आठ मंजिला इमारत के अंदर अब भी कोई व्यक्ति है या नही।

कैलिफोर्निया में विमान दुर्घटना में दो लोगों की मौत, 18 लोग घायल

फुलर्टन (अमेरिका)। अमेरिका के सदर्न कैलिफोर्निया मे बृहस्पतिवार को एक विमान यहां स्थित एक व्यावसायिक इमारत की छत से टकरा गया जिससे दो लोगो की मौत हो गई और 18 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।फुलर्टन पुलिस प्रवक्ता क्रिस्टी वेल्स ने बताया कि पुलिस को बृहस्पतिवार को अपराह्न दो बजकर नौ मिनट पर फुलर्टन के ऑरेंज काउंटी शहर मे हुई इस दुर्घटना के बारे मे सूचना मिली। वेल्स ने बताया कि मौके पर पहुंचे अग्निशमन के कर्मियो और पुलिस की टीम ने आग पर काबू पा लिया है तथा आसपास के व्यापारिक प्रतिष्ठानो को भी खाली कराया गया है।आग से एक गोदाम को नुकसान पहुंचा है। ऐसा प्रतीत होता है कि गोदाम मे सिलाई मशीन और कपड़े रखे थे। पुलिस ने बताया कि 10 घायलो को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जबकि आठ लोगो का घटनास्थल पर ही प्राथमिक उपचार किया गया। वेल्स ने बताया कि दो लोगो की मौत की पुष्टि हुई है। वेल्स ने बताया कि अभी इस बात की पुष्टि नही हुई कि घायल हुए लोग विमान मे सवार थे या इमारत मे मौजूद थे।

दक्षिण कोरिया: घंटों के गतिरोध के बाद राष्ट्रपति यून को हिरासत में नहीं ले सके प्राधिकारी

भाषा। सियोल

दक्षिण कोरिया के जांचकर्ता महाभियोग का सामना कर रहे देश के राष्ट्रपति यून सुक एओल को राष्ट्रपति सुरक्षा सेवा के साथ लगभग छह घंटे के गतिरोध के बाद भी हिरासत में नहीं ले सके।यून द्वारा लगाए गए अल्पकालिक मार्शल लॉ के बाद से जारी राजनीतिक संकट और एक महीने के भीतर दो राष्ट्राध्यक्षों के खिलाफ महाभियोग चलाए जाने से दक्षिण कोरियाई राजनीति पंगु हो गई है। देश की भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी ने कहा कि उसके जांचकर्ताओं को यून के आधिकारिक आवास में प्रवेश करने से रोक दिया गया जिसके बाद उन्हें सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण वापस बुला लिया गया। एजेंसी ने बताया कि संख्या में कम उसके जांचकर्ताओं की राष्ट्रपति के सुरक्षा बलों के साथ कई बार झड़प हुई। उसने कहा कि वह संदिग्ध के रवैए पर गंभीर खेद व्यक्त करती है जिन्होंने कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया। राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी ने कहा कि उसने आधिकारिक कर्तव्य में बाधा डालने के संदेह में राष्ट्रपति सुरक्षा सेवा के प्रमुख और उप प्रमुखों के खिलाफ जांच करने की योजना बनाई है और उन्हें शनिवार को पूछताछ के लिए बुलाया है। यून उनसे पूछताछ की जांचकर्ताओं की कोशिश को पिछले कई सप्ताह से विफल कर रहे हैं। यून आखिरी बार 12 दिसंबर को अपने आवास से बाहर निकले थे। उस समय वह निकट स्थित राष्ट्रपति कार्यालय गए थे और उन्होंने टेलीविजन पर प्रसारित राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा था कि वह उन्हें हटाने के प्रयासों का विरोध करेंगे। जांचकर्ता इस बात की जांच कर रहे हैं कि तीन दिसंबर को यून द्वारा लगाया गया अल्पकालिक मार्शल लॉ विद्रोह के समान है या नहीं। यून उनकी नीतियों को विपक्ष के प्रभुत्व वाली संसद द्वारा अवरुद्ध किए जाने से हताश थे और इसीलिए उन्होंने तीन दिसंबर को मार्शल लॉ लागू कर दिया और नेशनल असेंबली को घेरने के लिए सेना भेज दी।संसद ने कुछ ही घंटों बाद इस घोषणा को सर्वसम्मति से निष्प्रभावी कर दिया। दक्षिण कोरिया में अल्पकालिक मार्शल लॉ लागू करने का आदेश देने पर नेशनल असेंबली में राष्ट्रपति यून सुक एओल के खिलाफ लाया गया महाभियोग का प्रस्ताव 14 दिसंबर को पारित हो गया था। उन पर विद्रोह का आरोप लगाया गया है। दक्षिण कोरियाई भ्रष्टाचार रोधी अधिकारियों और सरकारी अभियोजकों ने इस घटनाक्रम की अलग-अलग जांच शुरू की। सियोल की एक अदालत ने यून को हिरासत में लेने और उनके आवास की तलाशी के लिए मंगलवार को वारंट जारी किए थे लेकिन जब तक वह अपने आधिकारिक आवास में हैं, तब तक इसे लागू करना कठिन है। यून के वकीलों ने बृहस्पतिवार को वारंट को चुनौती दी थी। उन्होंने कहा कि कानून के अनुसार, सैन्य गोपनीय दस्तावेजों से जुड़े स्थानों की उसके प्रभारी की सहमति के बिना तलाशी नहीं ली जा सकती। इसी कानून के तहत वारंट की यून के आवास पर तामील नहीं की जा सकती। कार्यालय ने कहा कि वह आगे की कार्वाई पर विचार करेगा लेकिन उसने अभी यह नहीं बताया कि वह यून को हिरासत में लेने का एक और प्रयास करेगा या नहीं। यून को हिरासत में लेने का वारंट एक सप्ताह के लिए वैध है।

राणा को भारत प्रत्यर्पित करने के फैसले की समीक्षा करे अमेरिकी अदालत : वकील

भाषा। वाशिंगटन

मुंबई हमले के दोषी तहव्वुर राणा के वकील ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से उसे भारत प्रत्यर्पित करने के निचली अदालत के फैसले की समीक्षा करने का आग्रह किया है। उन्होंने दोहरे खतरे के सिद्धांत का हवाला दिया है, जो किसी व्यक्ति को एक ही अपराध के लिए दो बार मुकदमा चलाने या दंडित करने से रोकता है। निचली अदालतों और सैन फ्रांसिस्को में उत्तरी सर्किट के लिए अमेरिकी अपील न्यायालय सहित कई संघीय अदालतों में कानूनी लड़ाई हारने के बाद, राणा ने 13 नवंबर को अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के समक्ष अभिलेख के लिए याचिका दायर की थी।अमेरिकी सॉलिसिटर जनरल एलिजाबेथ बी प्रीलोगर ने 16 दिसंबर को उच्चतम न्यायालय से याचिका खारिज करने का आग्रह किया। राणा के वकील जोशुआ एल ड्रेटल ने 23 दिसंबर को अपने जवाब में अमेरिकी सरकार की सिफारिश को चुनौती दी और न्यायालय से अनुरोध किया कि उनकी याचिका स्वीकार की जाए।एक लंबी कानूनी लड़ाई में, यह राणा के लिए भारत प्रत्यर्पित न किए जाने का आखिरी वैधानिक मौका है।

चीन ने बड़े पैमाने पर फ्लू के प्रकोप की खबरों को खारिज किया, कहा-देश यात्रा के लिए सुरक्षित

बीजिंग। चीन ने देश में बड़े पैमाने पर फ्लू के प्रकोप संबंधी खबरों को अधिक तवज्जो नहीं देते हुए शुक्रवार को कहा कि सर्दियों के दौरान होने वाली श्वसन संबंधी बीमारियों के मामले पिछले साल की तुलना में इस वर्ष कम गंभीर हैं।चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेशियों के लिए चीन की यात्रा करना सुरक्षित है।मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने देश में इन्फ्लूएंजा ए और अन्य श्वसन रोगों के फैलने को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में पत्रकारों से कहा, सर्दियों के मौसम में श्वसन संक्रमण चरम पर होता है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में चीन के अस्पतालों में मरीजों की भारी भीड़ दिख रही है। निंग ने कहा, पिछले वर्ष की तुलना में ए बीमारियां कम गंभीर प्रतीत होती हैं और छोटे स्तर पर फैल रही हैं। उन्होंने कहा, मैं आपको आश्वस्त कर सकती हूं कि चीन सरकार चीनी नागरिकों और विदेशियों के स्वास्थ्य की परवाह करती है। चीन में यात्रा करना सुरक्षित है। निंग ने सर्दियों में श्वसन संबंधी बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण के संबंध में चीन के राष्ट्रीय रोग नियंत्रण एवं रोकथाम प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का भी उल्लेख किया। पिछले कुछ दिनों से विदेश में, खासकर भारत और इंडोनेशिया में चीन में बड़े पैमाने पर फ्लू फैलने की खबरें आ रही हैं। चीन में लोगों को पिछले कुछ महीनों से कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है।

अतिरिक्त ऑक्सीजन के बिना 14 चोटियां चढ़ने वाले नेपाल के पर्वतारोही को सम्मानित किया गया

काठमांडू। जाने-माने नेपाली पर्वतारोही मिंगमा जी. शेरपा को शुक्रवार को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अतिरिक्त ऑक्सीजन का उपयोग किए बिना 8,000 मीटर से अधिक उंची सभी 14 चोटियों पर चढ़ने वाला पहला नेपाली पर्वतारोही बनकर इतिहास रचा था। मिंगमा (38) अक्टूबर में तिब्बत में शीशा पंगमा (8,027 मीटर उंची) चोटी पर अपराह्न लगभग चार बज कर छह मिनट पर पहुंचे और अतिरिक्त ऑक्सीजन के उपयोग के बिना 8,000 मीटर की 14 चोटियों पर चढ़ने वाले नेपाल के पहले पर्वतारोही बन गए। पर्यटन, संस्कृति एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री अरुण कुमार चौधरी ने शुक्रवार को काठमांडू में नेपाल पर्वतारोहण संघ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मिंगमा को सम्मानित किया। डोलखा जिले के रोलवालिंग ग्रामीण नगर पालिका में जन्मे मिंगमा ने पहली बार 2007 में दुनिया की सबसे उंची चोटी एवरेस्ट (8,848.86 मीटर) पर चढ़ाई की और चार अक्टूबर, 2024 को माउंट शीशा पंगमा (8,027 मीटर) पर चढ़कर अपना मिशन पूरा किया। पेशे से माउंटेन गाइड मिंगमा छह बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ चुके हैं। वह नेपाल में पर्वतारोहण एजेंसी इमैजिन नेपाल के मालिक भी हैं। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, पहाड़ी देश नेपाल का नागरिक होने के नाते, मैंने अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में अपने देश की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए बिना ऑक्सीजन सिलेंडर के 14 उंची चोटियों पर चढ़ने का साहस किया। उन्होंने सरकार से आपात स्थिति का सामना करने वाले पर्वतारोहियों को बचाने के लिए सुविधाओं से लैस एक स्थाई बचाव दल बनाने का अनुरोध किया ताकि देश में पर्वतीय पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने कहा कि सुविधाओं से लैस बचाव दल की अनुपस्थिति में कई शेरपाओं की जान खतरे में पड़ जाती है।

युद्ध क्षेत्र में सैनिकों की बुद्धिमत्ता के बजाय एआई पर निर्भर नहीं रहना चाहिए: चीनी सेना

बीजिंग। चीनी सेना ने अपने सशस्त्र बलों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर बहुत ज्यादा निर्भर रहने के खिलाफ आगाह करते हुए कहा है कि एआई एक सहायक उपकरण होना चाहिए, लेकिन युद्ध के मैदान में सैनिकों के बजाय इस तकनीक के माध्यम से निर्णय नहीं लेने चाहिए। चीनी सेना के आधिकारिक समाचार पत्र पीपुल्स लिबरेशन आर्मी डेली में नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रकाशित एक लेख में कहा गया है, एआई तेजी से विकसित हो रहा है, लेकिन यह मानव बुद्धिमत्ता पर निर्भर उपकरण बना रहना चाहिए ताकि सैन्य निर्णय लेने में जवाबदेही, रचनात्मकता और रणनीतिक अनुकूलनशीलता सर्वोपरि रहे। लेख में कहा गया है कि सेना ने ऐसे मॉडल को प्राथमिकता दी है जिसके तहत मानव योजना बनाता है और एआई उसे क्रियान्वित करता है। लेख के अनुसार इन प्रौद्योगिकी का उपयोग कमांडरों द्वारा विकसित रणनीतियों को अंजाम देने लिए किया जाता है। हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर में कहा गया है कि सेना ऐसी संरचना को प्राथमिकता देती है, जिसके तहत मशीनें डेटा का विश्लेषण करती हैं, मार्गदर्शन प्रदान करती हैं और संभावित कार्वाई का सुझाव देती हैं। एआई के कारण होने वाली गलतियों से बचाव के लिए अंतिम निर्णय सैनिकों की बुद्धिमत्ता पर निर्भर करता है।

भारत के साथ संबंधों को सामान्य बनाने के लिए आपसी इच्छाशक्ति की जरूरत है: पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा है कि भारत के साथ संबंधों को सामान्य बनाने के लिए आपसी इच्छाशक्ति की जरूरत है।डार ने बृहस्पतिवार को यहां विदेश कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए पिछले साल पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सरकार के सत्ता में आने के बाद से पाकिस्तान के कूटनीतिक प्रयासों पर प्रकाश डाला।जब उनसे भारत के साथ पाकिस्तान के संबंधों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने संयुक्त रूप से प्रयास किए जाने के महत्व पर जोर दिया और कहा कि ताली दोनों हाथों से बजती है। डार ने अगले महीने बांग्लादेश की यात्रा की योजना की भी घोषणा की और कहा कि पिछले साल अगस्त में हसीना सरकार के अपदस्थ होने के बाद इस्लामाबाद और ढाका के संबंधों का पुनर्निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हाल में काहिरा में एक बैठक के दौरान उन्हें बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस से निमंत्रण मिला था। उन्होंने कहा, बांग्लादेश एक बिछड़े हुए भाई की तरह है। हमारा लक्ष्य आर्थिक और व्यापारिक सहयोग को मजबूत करना है। पिछले साल पांच अगस्त को छात्रों के नेतृत्व वाले आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बेदखल कर दिया गया था, जिसके बाद यूनुस ने मुख्य सलाहकार का पद संभाला था। इससे पहले, डार ने देश के अलग-थलग पड़ने के दावों को खारिज करते हुए कहा, जब हमने सत्ता संभाली थी, तो कूटनीतिक अलगाव की धारणा थी। हालांकि, अपनी कूटनीतिक पहुंच का विस्तार करने और क्षेत्रीय पड़ोसियों के साथ जुड़ने से यह धारणा बदल गई है। अफगानिस्तान पर टिप्पणी करते हुए डार ने काबुल के साथ संबंधों को मजबूत करने संबंधी पाकिस्तान की इच्छा व्यक्त की और साथ ही स्वीकार किया।

ऑरलियंस का हमलावर आईएसआईएस का कट्टर समर्थक था, अकेले ही हमले को अंजाम दिया : बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि न्यू ऑरलियंस में नए साल के स्वागत का जश्न मना रहे लोगों पर हमला करने वाले व्यक्ति शम्सुद्दीन जब्बार ने अकेले ही इस घटना को अंजाम दिया और इस बात के संकेत मिले हैं कि वह आईएसआईएस का कट्टर समर्थक था। अमेरिका के न्यू ऑरलियंस में बुधवार तड़के नए साल के स्वागत का जश्न उस वक्त त्रासदी में बदल गया जब जब्बार ने जश्न मना रहे लोगों पर पिकअप ट्रक चढ़ा दिया। इस घटना में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 35 अन्य घायल हो गए। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने कहा कि वह मामले में आतंकवादी हमले के पहलू से जांच कर रही है। आरोपी टेक्सास राज्य का 42 वर्षीय पूर्व सैनिक था और वह स्थानीय पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया। बाइडन ने संवाददाताओं से कहा, एफबीआई ने आज मुझे बताया कि हमें अभी तक इस बात का कोई सबूत नहीं मिला है कि हमले में कोई और शामिल था। उन्हें पता चला है कि हमलावर वही व्यक्ति था जिसने भीड़ में अपनी गाड़ी घुसाने से कुछ घंटे पहले ही फ्रेंच क्वार्टर में दो नजदीकी जगहों पर आइस कूलर में विस्फोटक रखे थे। बाइडन ने कहा, उनका अनुमान है कि उसके वाहन में इन दो कूलर को उड़ाने के लिए रिमोट डेटोनेटर था। उन्होंने कहा, हमलावर ने हमले से कुछ घंटे पहले ही कई वीडियो पोस्ट किए थे, जिनसे पता चलता है कि वह आईएसआईएस का कट्टर समर्थक था। उन्होंने कहा कि संघीय कानून प्रवर्तन और खुफिया समुदाय मामले की सक्रिय जांच कर रहे हैं।

अमेरिका: ट्रंप के शपथ ग्रहण से पहले एच 1 बी वीजा पर बहस तेज हुई

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह से तीन सप्ताह पहले एच- 1बी वीजा को लेकर बहस छिड़ गई है, जिसके कारण डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दोनों दलों में मतभेद पैदा हो गए हैं। उच्च कुशल पेशेवरों को दिए जाने वाले विदेशी अतिथि श्रमिक वीजा एच- 1बी के मुख्य लाभार्थी भारतीय हैं। ट्रंप 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। उन्होंने एच- 1बी वीजा का समर्थन किया है। उनके दो करीबी विश्वासपात्रों- टेस्ला के मालिक एलन मस्क और उद्यमी विवेक रामास्वामी भी एच- 1बी का समर्थन कर रहे हैं। इन दोनों को नव गठित सरकारी दक्षता विभाग का नेतृत्व करने के लिए नामित किया गया है। मुझे हमेशा से लगता रहा है कि हमारे देश में सबसे सक्षम लोग होने चाहिए। हमें सक्षम लोगों की जरूरत है। हमारे पास ऐसी नौकरियां होंगी जो पहले कभी नहीं थीं। रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति और श्री थानेदार सहित भारतीय अमेरिकी डेमोक्रेटिक सांसद भी एच- 1बी वीजा के समर्थन में सामने आए हैं। ट्रंप के कुछ समर्थकों का कहना है कि एच- 1 बी वीजा के कारण अमेरिकियों की नौकरियां खत्म हो रही हैं लेकिन मस्क और रामास्वामी दोनों ने ही एच- 1बी वीजा का समर्थन किया है।

कुछ लोगों के बालों, नाखूनों की वृद्धि तेज क्यों होती है ?

भाषा। सिडनी

हमारे बाल और नाखून यह बताने में हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं कि हम कौन हैं और हमारी सामाजिक स्थिति क्या है। बालों और नाखूनों का महत्व इस बात से भी समझा जा सकता है कि कोविड लॉकडाउन के दौरान कई लोगों ने अपने हेयरड्रेसर और नेल आर्टिस्ट के कौशल के लिए सराहना पाई। यहाँ तक कि टेलर स्विफ्ट ने भी बताया कि उसने लॉकडाउन के दौरान अपने बाल खुद ही काटे।जरा सोचिए कि क्या होगा अगर बाल और नाखून संवारना हमारे लिए अत्यंत मुश्किल हो जाए और हम इसे छोड़ने का फैसला कर लें। क्या हमारे बाल और नाखून बढ़ते रहेंगे ? इसका जवाब है हाँ। हमारे सिर पर बाल औसतन हर महीने एक सेंटीमीटर बढ़ते हैं, जबकि हमारे नाखून औसतन 3 मिलीमीटर से थोड़े ज़्यादा बढ़ते हैं। इन्हें अनियंत्रित छोड़ने पर हमारे बाल और नाखून प्रभावशाली लंबाई तक बढ़ सकते हैं। यूक्रेनी रपन्ज़ेल कहलाने वाली आलिया नासिरोवा के नाम एक जीवित महिला के सबसे लंबे बालों का विश्व रिकॉर्ड है। उसके बालों की लंबाई 257.33 सेमी है।जब नाखूनों के रिकॉर्ड की बात आती है, तो यह अमेरिका की डायना आर्मस्ट्रांग के नाम है जिनके नाखून 1,306.58 सेमी लंबे हैं।ज़्यादातर लोग नियमित रूप से बाल कटवाते हैं और अपने नाखून काटते हैं। यहां दिलचस्प सवाल यह है कि कुछ लोगों के बाल और नाखून ज़्यादा तेज़ी से क्यों बढ़ते हैं ? बताइए, वे किस चीज़ से बने होते हैं ?बाल और नाखून ज़्यादातर केराटिन से बने होते हैं। दोनों ही त्वचा के नीचे पाई जाने वाली मैट्रिक्स कोशिकाओं के विभाजन से बढ़ते हैं। नाखून वाली मैट्रिक्स कोशिकाएं, नाखून के आधार पर त्वचा के नीचे होती हैं। ए कोशिकाएँ विभाजित हो कर पुरानी कोशिकाओं को आगे धकेलती हैं। जैसे-जैसे वे बढ़ती हैं, नाखून का विस्तार होता है। नाखून के नीचे का सपाट क्षेत्र समृद्ध रक्त आपूर्ति के कारण गुलाबी दिखता है।मैट्रिक्स कोशिकाओं से ही बाल उगते है। एक बाल जब उगना शुरू होता है, जो उसका दृश्यमान हिस्सा शाफ्ट बनाता है। यह शाफ्ट एक जड़ से बढ़ता है जो त्वचा के नीचे एक थैली में लिपटा होता है जिसे हेयर फॉलिकल कहते हैं। इस थैली में एक तंत्रिका आपूर्ति होती है, यहीं होती हैं तेल ग्रंथियाँ जो बालों को चिकनाई देती हैं। यहीं एक नन्हीं मांसपेशी होती है जो ठंड होने पर बालों को खड़ा करती है। हेयर फॉलिकल के आधार पर हेयर बल्ब होता है, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण हेयर पैपिला होता है जो फॉलिकल को रक्त की आपूर्ति करता है। पैपिला के पास मैट्रिक्स कोशिकाएं विभाजित होकर नई बाल कोशिकाएं बनाती हैं, जो फिर सख्त होकर बालों का शाफ्ट बनाती हैं। जैसे-जैसे नई बाल कोशिकाएं बनती हैं, बाल त्वचा से ऊपर आते हैं और बढ़ते हैं।पैपिला बाल विकास चक्रों को विनियमित करने में भी एक अभिन्न भूमिका निभाता है। यह स्टेम कोशिकाओं को रोम के आधार पर जाने और बाल मैट्रिक्स बनाने के लिए संकेत भेजता है। मैट्रिक्स कोशिकाओं को तब विभाजित होने और एक नया विकास चरण शुरू करने के लिए संकेत मिलते हैं।नाखूनों के विपरीत, हमारे बाल चक्रों में बढ़ते हैंवैज्ञानिकों ने बाल के विकास के चार चरणों की पहचान की है। पहला है एनाजेन या वृद्धि चरण, जो दो से आठ साल तक रहता है। दूसरा चरण कैटाजेन या संक्रमण चरण है। इस दौर में बालों का विकास धीमा हो जाता है। यह अवधि लगभग दो सप्ताह तक रही है।

प्रतिरक्षा बढ़ा कर सर्दियों से बचा जा सकता है

अगर शरीर की इम्युनिटी बढ़ जाए तो सर्दियों से बच सकते हैं। बच्चों को बुनियादी स्वच्छता और पौष्टिक आहार के माध्यम से अपनी प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के तरीकों में भी शिक्षित किया जा सकता है। डॉक्टरो ने कहा मौसम परिवर्तन के चक्रों के दौरान अचानक तापमान परिवर्तन होता है, जो खांसी, ठंड और फ्लू जैसे संक्रमण और बीमारियों का कारण है।डाबर इंडिया लिमिटेड के राजीव जॉन मार्केटिंग हैड,डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा डाबर च्यवनप्राश 100 से अधिक वर्षों से हर भारतीय को सबसे मजबूत प्रतिरक्षा प्राप्त करने में मदद के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल इस प्रतिबद्धता की दिशा में एक छलांग है। हम शीत लहर के बारे में चिंतित हैं जो हर साल कई जान ले लेती है। इस पहल के माध्यम सेए हम इन बच्चों को च्यवनप्राश प्रदान करने के अलावा प्रतिरक्षा के महत्व को उजागर करके वंचित बच्चों को सुरक्षा प्रदान करने का प्रयास करेंगे। डाबर का प्रमुख हेल्थकेयर ब्रांड डाबर च्यवनप्राश ने देश भर में स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित बच्चों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से एक मेगा जागरूकता पहल की शुरूआत की घोषणा की। इस पहल के तहत प्रमुख डॉक्टर के साथ मिलकर डाबर च्यवनप्राश ने परिवर्तनशील मौसम, सामान्य बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने के लिए एक मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली बनाने की आवश्यकता पर तीन सौ बच्चों को शिक्षित करने के लिए प्रतिरक्षा सत्र विकास इंटर कॉलेज परमानंदपुर में एक विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में डाबर इंडिया के दिनेश कुमार, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, एमडी आयुर्वेद, बीएचयू, डॉ ए के सिंह, चेयरमैन विकास एजुकेशनल सोसाइटी कई प्रमुख लोग मौजूद थे।

किंग कोहली फिर नाकाम, बनाए सिर्फ 17 रन

● पांचवा व अंतिम टेस्ट : भारतीय पारी 185 रन पर सिमटी

भाषा। सिडनी

रोहित शर्मा ने भले ही टीम के हित में खुद को बाहर रखने का फैसला किया लेकिन नए साल में भी भारतीय बल्लेबाजों का हाल नहीं बदला और आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और आखिरी टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को पूरी टीम 185 रन पर आउट हो गई। खराब फॉर्म और तकनीकी कमजोरियों से जूझ रहे विराट कोहली 69 गेंद में 17 रन बनाकर आउट हुए। आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंद उन्हें लगातार परेशान करती आ रही है और यहां भी उन्होंने अपना विकेट आसानी से गंवा दिया। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर आस्ट्रेलिया ने एक विकेट पर नौ रन बनाए थे। कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह ने खराब फॉर्म से जूझ रहे उस्मान ख्वाजा (दो) को पवेलियन भेज दिया। युवा सैम कोंस्टास सात रन बनाकर खेल रहे थे जिन्होंने बुमराह को पहली गेंद पर चौका लगाया। बुमराह और कोंस्टास के बीच हल्की बहस भी देखी गई। इससे पहले बुमराह ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन भारतीय बल्लेबाजों को अति रक्षात्मक खेलने का खामियाजा भुगतना पड़ा। आस्ट्रेलिया के लिए स्कॉट बोलैंड ने 20 ओवर में 31 रन देकर चार विकेट लिए जबकि मिचेल स्टार्क ने 18 ओवर में 49 रन देकर तीन विकेट चटकाए। कप्तान पैट कमिंस को दो विकेट मिले। रोहित का मैच से बाहर रहने का फैसला जहां भविष्य को ध्यान में रखकर लिया गया, वहीं लगातार खराब खेल रहे कोहली को टीम में बनाए रखने का कारण समझ में नहीं आया। कोहली के पास पारंपरिक प्रारूप की टीम में अपनी जगह बनाए रखने के लिए अब बस एक पारी बची है। अगर पर्थ टेस्ट के शतक को छोड़ दिया जाए तो कोहली ने पिछली 20 टेस्ट पारियों में सिर्फ 17 . 57 की औसत से रन बनाए हैं। कोहली पहली ही गेंद पर आउट होने से बच गए लेकिन इसका फायदा नहीं उठा सके और लंच के बाद स्कॉट बोलैंड ने ही उन्हें आफ स्टम्प से बाहर गेंद डालकर स्लिप में लपकवाया। ऋषभ पंत ने मैच के हालात के अनुरूप खेला और जोखिम उठाने से बचते रहे। मेलबर्न में गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलकर विकेट गंवाने वाले पंत ने कई प्रहार झेलते हुए पूरा दूसरा सत्र निकाला। उन्होंने ब्यू वेबस्टर को स्ट्रेट छक्का लगाया लेकिन इसके अलावा उन्हें बाजुओं पर, हेलमेट पर और पेट में दो बार गेंद लगी। उन्होंने रविंद्र जडेजा (95 गेंद में 26 रन) के साथ पांचवें विकेट के लिए 151 गेंद में 48 रन जोड़े। पहले सत्र में 25 ओवर में सिर्फ 50 रन बने थे। आखिरकार पंत का संयम टूटा और एक पूल शॉट ने उनका विकेट ले लिया। भारतीय बल्लेबाजों ने रन नहीं बनाए और विकेट गिरते रहे। दूसरे सत्र में अति रक्षात्मक खेलना महंगा पड़ा चूंकि गेंद पुरानी हो चुकी थी और स्विंग भी नहीं मिल रही थी। पंत ने जहां अनुशासित प्रदर्शन किया, वहीं गिल (64 गेंद में 20 रन) डटकर बल्लेबाजी का प्रयास करने के बाद पहले सत्र की आखिरी गेंद पर लियोन को बाहर निकलकर खेलने के प्रयास में पहली स्लिप में कैच दे बैठे। केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ने पारी का आगाज किया लेकिन पहले ही घंटे में आउट हो गए।

स्कोरबोर्ड

भारत पहली पारी : यशस्वी का वेबस्टर बो बोलैंड 10, राहुल का कोंस्टास बो स्टार्क 4, गिल का स्मिथ बो लियोन 20, कोहली का वेबस्टर बो बोलैंड 17, पंत का कमिंस बो बोलैंड 40, जडेजा पगबाधा बो स्टार्क 26, रेड्डी का स्मिथ बो बोलैंड 0, सुंदर का कैरी बो कमिंस 14, कृष्णा का कोंस्टास बो स्टार्क 3, बुमराह का स्टार्क बो कमिंस 22, सिराज नाबाद 3, **अतिरिक्त** : 26 रन, **योग** : 72.2 ओवर मे 185 रन, **विकेट पतन** :1-11, 2-17, 3-57, 4-72, 5-120, 6-120, 7-134, 8- 148, 9-168, **गेंदबाजी** : स्टार्क 18-5-49-3, कमिंस 15.2-4 -37-2, बोलैंड 20-8-31 -4, वेबस्टर 13-4 -29 -0, लियोन 6-2-19-1, **आस्ट्रेलिया पहली पारी** :कोंस्टास नाबाद 7, ख्वाजा का राहुल बो बुमराह 2, **अतिरिक्त** : 0, **योग** : तीन ओवर मे नौ रन पर एक विकेट , विकेट पतन :1- 9, गेंदबाजी : बुमराह 2-0-7-1, सिराज 1-0-2-0

नायर का रिकॉर्ड, विदर्भ ने यूपी को शिकस्त दी

● अय्यर के शतक से मुंबई की बड़ी जीत

● विजय हजारे ट्रॉफी

भाषा। विजयनगरम

करुण नायर ने बिना आउट हुए लिस्ट ए में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकार्ड तोड़ा जिससे विदर्भ ने उत्तर प्रदेश को शिकस्त दी जबकि श्रेयस अय्यर के 137 रन की मदद से मुंबई ने शुक्रवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी मैच में पुडुचेरी को 163 रन से हराकर बड़ी जीत दर्ज की। उत्कर्ष सिंह ने 38 रन देकर दो विकेट झटके लेकिन रविकुमार समर्थ के 104 रन की मदद से उत्तराखंड ने जयपुर में ग्रुप ए मैच में झारखंड के खिलाफ चार विकेट से जीत हासिल की। नवी मुंबई में सिद्धेश वीर की नाबाद 115 रन की विजय पारी से महाराष्ट्र ने ग्रुप बी मैच में आंध्र को पांच विकेट से पराजित किया। विजयनगरम में भारतीय गेंदबाज वरूण चक्रवर्ती ने शानदार स्पैल डाला जिससे तमिलनाडु ने मिजोरम को 21.2 ओवर में महज 71 रन पर समेट दिया और फिर 40 ओवर रहते 10 विकेट से जीत दर्ज की। वरूण ने 5.2 ओवर में दो मेडन से नौ रन देकर पांच विकेट झटके। नायर ने विश्व रिकॉर्ड बनाया जिसमें वह पिछले चार मैच में 112, 44, 163 और 112 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने शुक्रवार को एक और 112 रन की पारी खेली लेकिन आउट हो गए। पर शतक जड़कर विदर्भ को विजयनगरम में ग्रुप डी मैच में उत्तर प्रदेश पर आठ विकेट की शानदार जीत हासिल करने में मदद की। समीर रिज्वी के 104 रन (82 गेंद, पांच चौके, सात छक्के) से उत्तर प्रदेश ने आठ विकेट पर 307 रन बनाए। इसके जवाब में विदर्भ ने यश राठौड़ के नाबाद 138 रन और नायर की 112 रन की पारी से दो विकेट पर 313 रन बनाकर जीत प्राप्त की।मुंबई की अहमदाबाद में जीत में अय्यर की 137 रन की नाबाद पारी अहम रही जिससे मुंबई ने ग्रुप सी मैच में पुडुचेरी को 163 रन के बड़े अंतर से शिकस्त दी। मुंबई की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 82 रन पर पांच विकेट गंवाकर मुश्किल में थी लेकिन अय्यर ने क्रीज पर उतरकर 16 चौके और चार छक्के जड़ित 133 गेंद की पारी से टीम को नौ विकेट पर 290 रन के स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में पुडुचेरी की टीम 27.2 ओवर में महज 127 रन पर सिमट गई जिसमें सूर्यांश शेडगे (27 रन देकर दो विकेट), आयुष म्हात्रे (सात रन देकर दो विकेट) और शार्दुल ठाकुर (47 रन देकर तीन विकेट) ने गेंद से धमाल किया। अहमदाबाद में ही एक अन्य ग्रुप सी मैच में कर्नाटक ने सौराष्ट्र को 60 रन से शिकस्त दी।

एससीजी पर पहले दिन रिकॉर्ड 47,566 दर्शक

सिडनी। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच पांचवे और आखिरी टेस्ट के पहले दिन सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर 47,586 दर्शक जुटे जो दोनों टीमों के बीच किसी टेस्ट मैच मे यहां पहले दिन दर्शक संख्या का नया रिकॉर्ड है। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के दौरान आस्ट्रेलिया मे भारी संख्या मे दर्शक मैदान मे आए है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने एक्स पर लिखा , रिकॉर्ड टूटते जा रहे है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर पहले दिन 45000 से अधिक दर्शका इससे पहले मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर चौथे टेस्ट मे दर्शक संख्या का अब तक का रिकॉर्ड टूटा था।

जोकोविच को राइली ओपेल्का ने हराया

ब्रिस्बेन (ऑस्ट्रेलिया)। नोवाक जोकोविच को ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को यहां राइली ओपेल्का के खिलाफ सीधे सेटों मे 6-7, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। अमेरिका के ओपेल्का ने 16 ऐस लगाकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। सैतीस साल के जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी के लिए इस टूर्नामेंट में खेल रहे है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन की शुरुआत 12 जनवरी से होगी और जोकोविच इसके 10 बार के चैम्पियन रहे है।ओपेल्का ने फरवरी 2022 में सर्वश्रेष्ठ करियर रैंकिंग 17 हासिल की है। कूल्हे की सर्जरी के कारण खेल से दूर रहने के कारण उनकी मौजूदा रैंकिंग 293 है। ओपेल्का के सामने सेमीफाइनल में जी. एमपेत्शी पेरीकार्ड की चुनौती होगी। पेरीकार्ड ने याकूब मेनसिक को 7-5, 7-6 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में जिरी लेहेका का मुकाबला ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा।

पीठ ने हैदराबाद क्रिकेट संघ का मामला सीजेआई के सुपुर्द किया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को हैदराबाद क्रिकेट संघ (एचसीए) पर लंबे समय से लंबित विवाद को भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को भेज दिया ताकि इसे भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से संबंधित मामले से जोड़ा जा सके। न्यायाधीश विक्रम नाथ और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और अन्य की दलीलो पर गौर किया जिसमे कहा गया था कि एचसीए मुकदमे के मुद्दे का अन्य लंबित मामलों से टकराव हो सकता है।

स्मिथ को पूरा यकीन कि कोहली का कैच लपका था

सिडनी। आस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को सौ फीसदी यकीन है कि पांचवे टेस्ट के पहले दिन दूसरी स्लिप में जब उन्होंने भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली का कैच लपकने की कोशिश की तो उनका हाथ गेंद के नीचे था। टीवी अंपायर ने हालांकि बल्लेबाज के पक्ष में फैसला दिया। स्मिथ ने लंच ब्रेक मे फॉक्स स्पोटर्स से कहा , सौ प्रतिशत। मुझे सौ प्रतिशत यकीन है। लेकिन अंपायर ने फैसला लिया तो हमे उसे मानना ही होगा।

हम्पी ने न्यूयॉर्क में जीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

नई दिल्ली। ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने फिडे महिला विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप मे अपनी हालिया जीत के बाद शुक्रवार को अपने परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और इसे जिंदगी मे एक बार मिलने वाला सौभाग्य करार दिया। हम्पी ने रविवार को न्यूयॉर्क मे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट मे इंडोनेशिया की इरीन सुकंदर को हराकर भारतीय शतरंज के लिए एक शानदार वर्ष का समापन किया। अपने परिवार के साथ हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मिलना बेहद सम्मान की बात है ।

कप्तान ने नेतृत्व का परिचय दिया : बुमराह

● रोहित ने आखिरी टेस्ट से खुद को बाहर रखा

भाषा। सिडनी

खराब फॉर्म से जूझ रहे भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और आखिरी टेस्ट से शुक्रवार को खुद को बाहर रखा जिससे टेस्ट क्रिकेट में उनके भविष्य पर प्रश्नचिन्ह लग गया। रोहित अपने खराब फॉर्म की वजह से किसी मैच से बाहर रहने वाले पहले भारतीय कप्तान बने। उपकप्तान जसप्रीत बुमराह आखिरी टेस्ट में कप्तानी कर रहे हैं जिन्होंने रोहित की गैर मौजूदगी में पहले टेस्ट में भी कप्तानी की थी। भारत ने इस दौरे पर एकमात्र टेस्ट पर्थ में 295 रन से जीता था। बुमराह और भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने रोहित के टीम से बाहर होने को भावुक करने वाला कदम करार दिया। रोहित ने इस श्रृंखला की तीन टेस्ट मैचों की पांच पारियों में केवल 31 रन बनाए। सीमित ओवरों के क्रिकेट के दिग्गज 37 वर्ष के रोहित इन पारियों में सहज नहीं लगे और अपने चिर परिचित शॉट भी नहीं खेल पाए। भारतीय टीम के लिए इस करो या मरो वाले मैच में रोहित की जगह शुभमन गिल ने अंतिम एकादश में जगह बनाई। बुमराह ने टॉस के समय कहा , हमारे कप्तान ने नेतृत्व का परिचय देकर खुद को इस टेस्ट से आराम दिया है। उन्होंने कहा , इससे साबित होता है कि टीम में कितनी एकता है। उन्होंने कहा, यह एक भावनात्मक क्षण था। वह हमारे कप्तान हैं लेकिन यह टीम प्रबंधन का फैसला है (जिसमें रोहित भी शामिल हैं)। मैं उस बातचीत का हिस्सा नहीं था और इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। मैच से पहले वॉर्मअप में रोहित को विराट कोहली, ऋषभ पंत और सरफराज खान के साथ फुटबॉल खेलते देखा गया। वह टीम के वीडियो विश्लेषक हरि प्रसाद से भी बात कर रहे थे। वह टॉस से ठीक पहले आउटफील्ड से चले गए और टॉस के लिए बुमराह आए। टीवी कैमरे ने जब उनकी ओर रूख किया तो रोहित ड्रेसिंग रूम में सहायक कोच रियान टेन डोइशे के साथ बैठे थे जबकि मुख्य कोच गौतम गंभीर दोनों से दूर बैठे थे। भारत के पूर्व खिलाड़ी संजय मांजरेकर ने रोहित के फैसले की सराहना की। उन्होंने एक्स पर लिखा , रोहित शर्मा ने वही किया जिसके लिए वह जाने जाते हैं। सही समय पर टीम के हित में सही फैसला। इस मसले को लेकर इतना रहस्य हालांकि समझ में नहीं आया। टॉस पर भी इस पर बात नहीं की गई।

सिद्धू ने रोहित के अंतिम टेस्ट में नही खेलने पर कहा, इससे गलत संकेत जाता है

सिडनी। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि रोहित शर्मा का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रहे पांचवें टेस्ट से बाहर होने का फैसला अजीब है क्योंकि इससे गलत संकेत जाता है और नियमित कप्तान को टीम प्रबंधन से अधिक सम्मान मिलना चाहिए।खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित ने सिडनी टेस्ट से आराम करने का विकल्प चुना और कप्तानी की जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह को सौंप दी। इस कदम ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के अहम मैच में शुभमन गिल के शामिल होने का रास्ता भी साफ कर दिया। सिद्धू ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, कप्तान को कभी भी श्रृंखला के बीच में नहीं हटाया जाना चाहिए और ना ही उसे बाहर होने का विकल्प दिया जाना चाहिए। इससे गलत संकेत जाता है। रोहित अपने दूसरे बच्चे के जन्म के लिए पर्थ में शुरुआती टेस्ट में नहीं खेल पाए थे और उन्होंने तीन टेस्ट मैचों की पांच पारियों में केवल 31 रन बनाए हैं।

टेस्ट में रोहित शर्मा को शायद आखिरी बार खेलते देख लिया: गावस्कर, शास्त्री

सिडनी। भारत के पूर्व क्रिकेटरों सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री का मानना है कि बॉक्सिंग डे टेस्ट शायद रोहित शर्मा का आखिरी टेस्ट था जिन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और आखिरी टेस्ट से खुद को बाहर रखा है। सैतीस वर्ष के रोहित ने पांचवें टेस्ट में खुद को आराम देने का फैसला किया है। रोहित तीन टेस्ट की पांच पारियों में 31 रन ही बना सके। गावस्कर ने पहले दिन के खेल के दौरान लंच ब्रेक में कहा , इसके मायने हैं कि अगर भारत विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं करता है तो मेलबर्न टेस्ट रोहित का आखिरी टेस्ट होगा। उन्होंने कहा , विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के साथ शुरू होगा और चयनकर्ता ऐसे खिलाड़ी को चाहेंगे जो 2027 फाइनल खेल सके। भारत वहां पहुंचता है या नहीं, यह बाद की बात है लेकिन चयन समिति की यही सोच होगी। उन्होंने कहा , हमने शायद रोहित शर्मा को आखिरी बार टेस्ट खेलते देख लिया। वहीं शास्त्री ने कहा , टॉस के समय मेरे पूछने से पहले ही जसप्रीत बुमराह ने यह बात कही कि कप्तान ने बाहर रहने का फैसला किया है और कहा कि शुभमन गिल के खेलने से टीम मजबूत होगी। यह होता है जब आपके रन नहीं बन रहे हो और मानसिक रूप से आप वहां नहीं हों। यह कप्तान का काफी साहसी फैसला है कि वह इस मैच में बाहर रहने को तैयार हुए।

पोंटिंग ने रोहित पर कहा, आराम करने का विकल्प चुनने की बात सुनकर हैरान हो गया

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज रिकी पोंटिंग ने शुक्रवार को कहा कि वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट से रोहित शर्मा की अनुपस्थिति को लेकर भारतीय खेमे के शब्दों से हैरान हैं लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि यह कदम अपेक्षित था। मेहमान टीम शुक्रवार को यहां शुरू हुए मैच को जीतकर श्रृंखला बराबर करने और ट्रॉफी बरकरार रखने की कोशिश करेगी। टॉस के लिए आए जसप्रीत बुमराह ने कहा कि रोहित ने सिडनी टेस्ट से आराम करने का विकल्प चुना है। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा, मुझे लगता है कि प्रतिक्रिया यही है कि सभी को उम्मीद थी कि ऐसा हो सकता है। उन्होंने कहा, पिछले कुछ दिनों से चर्चा चल रही थी कि सभी को उम्मीद थी कि रोहित यह मैच नहीं खेलेंगे, शुभमन गिल वापस आएंगे और (जसप्रीत) बुमराह शायद फिर से कप्तानी संभालेंगे और ऐसा ही हुआ। परिस्थितियों को देखते हुए पोंटिंग इससे पूरी तरह सहमत थे कि खराब फॉर्म में चल रहे रोहित सिडनी क्रिकेट मैदान में निर्णायक मैच में नहीं खेले। लेकिन ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान को भारतीय खेमे से आई खबर के शब्दों से हैरानी हुई। पोंटिंग ने कहा, जब मैंने इतने अहम मैच में बाहर होने की बात सुनी तो मैं बहुत हैरान हुआ।

इस पिच पर बुमराह का सामना करना चुनौतीपूर्ण होगा : वेबस्टर

सिडनी। पदार्पण कर रहे हरफनमौला खिलाड़ी ब्यू वेबस्टर का मानना है कि तेज गेंदबाजों की मददगार एससीजी (सिडनी क्रिकेट मैदान) पिच पर भारत के शीर्ष गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का सामना करना एक बड़ी चुनौती होगी और ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी के लिए कोई आदर्श स्कोर तय नहीं किया है। भारत की पहली पारी 185 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया ने भी जसप्रीत बुमराह की दिन की आखिरी गेंद पर सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा का विकेट गंवा दिया। टीम का स्कोर नौ रन पर एक विकेट है। वेबस्टर ने दिन के खेल के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, इस विकेट पर बल्लेबाजी करने का एक तरीका है। उनकी टीम में जसप्रीत बुमराह के जैसा एक विश्व स्तरीय गेंदबाज है और इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह हमारे पूरे बल्लेबाजी समूह को चुनौती देगा। वह अपनी लेंथ और लाइन के मामले में अद्भुत हैं। जब पिच से थोडी मदद मिले तो उसका सामना करना काफी चुनौतीपूर्ण होता है। तेज गेंदबाजों की मददगार पिच पर भारत को 200 से कम के स्कोर पर आउट करना अच्छा प्रयास रहा।

संघर्षपूर्ण मैच में हारी भारतीय यूथ टीम

● कजाखिस्तान ने दोनो वर्गो में जीत से शुरू किया अभियान

● यूथ-जूनियर हैंडबॉल कांटिनेंटल फेज एशिया

लखनऊ। लखनऊ में पहली बार हो रही आईएचएफ ट्रॉफी पुरुष यूथ व जूनियर हैंडबॉल कांटिनेंटल फेज एशिया में मेजबान भारत की यूथ अंडर-18 टीम को संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर कजाखिस्तान ने दोनों ही वर्गो में जीत से अभियान की शुरुआत की। केडी सिंह बाबू स्टेडियम के नवनिर्मित अटल बिहारी वाजपेयी बहुउद्देश्यीय हाल में आयेजित चैंपियनशिप के पहले दिन यूथ अंडर-18 में उज्बेकिस्तान ने भारत को 47-34 से हराया। मैच में मेहमान टीम ने मध्यांतर तक 23-17 से बढ़त बना ली थी। उज्बेकिस्तान ने उम्दा विंग अटैक व दमदार डिफेंस का सहारा लिया और खेल के आगे बढ़ने के साथ तेजतर्रार आक्रमण किए। हालांकि भारत की यूथ टीम ने भी विरोधियो के खिलाफ उम्दा रणनीति अपनाई और बखूबी बचाव व साथ में अटैक भी किया लेकिन उज्बेक खिलाड़ियों ने अपनी लंबाई का बखूबी इस्तेमाल करते हुए जीत हासिल की। उज्बेकिस्तान से नूरसुल्तान बोज़ोरबोव ने सर्वाधिक 10 गोल दागे। सफरोव व तुर्गुनोव कुवोंचबेक ने 9-9, दिलशोदेबेकोव ने 7 व बेहरुज़ रखमोनोव ने 5 गोल किए। भारत की ओर से मनीष यादव ने सबसे ज्यादा 11 गोल किए। रवि व प्रवीण गिल ने 5-5 जबकि अंशु व सुयश अवस्थी ने 4-4 गोल किए। इस मैच से पूर्व चैंपियनशिप का औपचारिक उद्घाटन मुख्य अतिथि मोनिका एस गर्ग आईएएस कृषि उत्पादन आयुक्त व विशिष्ट अतिथि सुधीर गर्ग संरक्षक उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन ने भारत बनाम उज्बेकिस्तान की यूथ टीम के बीच खेले गए मुकाबले की शुरुआत कराके किया। समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन की अध्यक्ष श्रीमती अलका दास ने की। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक डा.आनन्देश्वर पाण्डेय महासचिव, उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन ने आभार जताया। इस अवसर पर खेल निदेशक डा.आरपी सिंहख हैंडबॉल एसोसिशन इंडिया के कोषाध्यक्ष विनय कुमार सिंह, उत्तर प्रदेश बैडमिंटन संघ के सचिव डाण्सुधर्मा सिंह व अन्य पदाधिकारी व खेलप्रेमी भी मौजूद रहे। दिन के पहले मुकाबले में यूथ अंडर.18 वर्ग में कजाखिस्तान ने बांग्लादेश को 33.29 से हराया। दोनों टीमें मध्यांतर तक 16-16 से बराबरी पर थी। विजेता टीम से प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए वादिम कैसिन ने सर्वाधिक 8 गोल दागे। जूनियर अंडर-20 वर्ग के मैच में भी कजाखिस्तान ने बांग्लादेश को 43-23 से हराया। कजाखिस्तान से मिखाइल सलामोव ने सबसे ज्यादा 11 गोल दागे। उनका साथ देते हुए प्लेयर ऑफ द मैच डौलेट मुराटोव ने 9 जबकि डौरेन टी ने आठ गोल दागे।

क्विक न्यूज

अर्जुन पुरस्कार एक उपलब्धि लेकिन मेरा लक्ष्य शीर्ष 10 में जगह बनाना : वंतिका

नई दिल्ली। भारत की उभरती शतरंज खिलाड़ी वंतिका अग्रवाल ने अर्जुन पुरस्कार जीतने को अपने करियर के सबसे बड़े क्षणों में से एक करार देते हुए कहा कि उनका अगला बड़ा लक्ष्य ग्रैंडमास्टर का खिताब हासिल करने के साथ महिला खिलाड़ियों की वैश्विक रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाना है। वंतिका ने कहा, अर्जुन पुरस्कार पाकर मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह पुरस्कार हासिल करना मेरे करियर के सबसे सुखद पलों में से एक है। यह मेरे जीवन में एक प्रमुख व्यक्तिगत मील का पत्थर है। उन्होंने कहा, यह सम्मान मेरी कड़ी मेहनत, मेरे कोचों के समर्पण और मेरे परिवार और गुरुओं के अटूट समर्थन का प्रमाण है। वंतिका के नाम अभी 2411 अंक हैं। उन्होंने 2024 में भारत की ऐतिहासिक शतरंज ओलंपियाड जीत के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। वह इस दौरान 13 ईएलओ अंक हासिल कर वैश्विक रैंकिंग में 12 स्थान सुधार करने में सफल रही। उन्होंने कहा, अब मेरा लक्ष्य ग्रैंडमास्टर का तमगा हासिल कर महिलाओं की रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाना है।

पोकेमॉन डे 5 को ,गेम में दिखाएंगे जौहर

नई दिल्ली। पोकेमॉन गो जनवरी 2025 कम्युनिटी डे, रविवार, 05 जनवरी, 2025 को आयोजित किया जाएगा 7 इस कम्युनिटी डे के दौरान, अपने आस-पास के ट्रेनर के साथ रेड, ट्रेड और एक्सप्लोर करें, जिसमें ग्रास कैट पोकेमॉन, म्याओहा को विशेष रुप से फीचर किया जाएगा। यह एक दिवसीय सामुदायिक दिवस मीटअप दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक 34 शहरों में आयोजित किया जाएगा, जिनमें शामिल हैं, लखनऊ का डॉ. राम मनोहर लोहिया पार्क इवेंट के दौरान या उसके पांच घंटे बाद तक म्याओकली (म्याओहा के विकसित रूप) को विकसित कर एक ऐसा म्यास्का फ़्लोरा पाएँ जिसे चार्ज्ड अटैक फ़्रेन्ज़ी प्लांट आता है। टिकट वापसी योग्य नहीं हैं (लागू कानून और सेवा की शर्तों में निर्धारित अपवादों के अधीन)। इस स्पेशल रिसर्च में कोई इन-गेम मेडल शामिल नहीं होगा तथा इसमें कोई कहानी भी नहीं होगी। कुछ प्रतिबंध लागू हैं। यदि प्राप्तकर्ता ने एक स्पेशल रिसर्च टिकट खरीदा है या उसे पहले ही गिफ़्ट में मिल चुका है तो गिफ़्ट पूरा नहीं किया जा सकता है।कम्युनिटी डे को एक नए सीमित समय वाली रिसर्च अवसर के साथ मज़ेदार बनाए रखें जो इवेंट के बाद एक सप्ताह तक चलेगा!जनवरी कम्युनिटी डे के दौरान लॉग इन करने वाले ट्रेनर्स को सीमित समय वाली रिसर्च प्राप्त होगा, जो दुहरी तक़दीर थीम के स्पेशल बैकग्राउंड वाले म्याओहा के साथ मुलाकात का पुरस्कार देगा।

खेल प्रतिभाओं को निखारने, वैश्विक स्तर पर गौरव दिलाने के लिए प्रतिबद्ध: भारतीय सेना

नई दिल्ली। सरकार द्वारा देश में विभिन्न प्रतिष्ठित खेल पुरस्कारों के लिए चुने गए खिलाड़ियों के नामों की घोषणा करने के एक दिन बाद भारतीय सेना ने शुक्रवार को देश को वैश्विक खेल क्षेत्र में गौरवान्वित करने के लिए खेल में प्रतिभा को निखारने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। सेना ने एक्स पर एक पोस्ट में पेरिस पैरालंपिक 2024 में कांस्य पदक विजेता सूबेदार होकातो एच सेमा और नायक गजेंद्र सिंह की पत्नी सिमरन को अर्जुन पुरस्कार विजेताओं की सूची में जगह बनाने के लिए बधाई दी। खेल मंत्रालय द्वारा बृहस्पतिवार को घोषित मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के चार विजेताओं में दोहरे ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और शतरंज विश्व चैंपियन डी गुकेश शामिल है। इस सूची में 32 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं में से अभूतपूर्व 17 पैरा खिलाड़ी को भी शामिल किया गया है। सेना ने लिखा, पेरिस पैरालंपिक 2024 में सिटिंग शॉटपुट (एफ-57 श्रेणी) में कांस्य पदक विजेता सूबेदार होकातो एच सेमा ने पैरा एशियाई खेल 2022 में भी कांस्य पदक जीता है और उनके नाम राष्ट्रीय पैरा प्रतियोगिता के तीन रजत पदक हैं।

इस तरह की कार्रवाइयों से दोहराव की संभावना है: मंत्रालय ने आईजीयू चुनावों पर आईओए से कहा

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने हरीश कुमार शेट्टी के नेतृत्व वाले गुट द्वारा जीते गए भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) के चुनावों को मान्यता देने के लिए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की खिंचाई करते हुए कहा है कि इस तरह की कार्वाइयों से दोहराव और भ्रम की स्थिति पैदा होती है जो कानूनी जांच में नहीं टिक नहीं सकती। आईओए ने शेट्टी के नेतृत्व वाले आईजीयू को मान्यता दी थी जबकि ब्रिजिंदर सिंह की अध्यक्षता वाले दूसरे गुट को 30 दिसंबर को जारी एक पत्र में अमान्य घोषित किया था। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा द्वारा हस्ताक्षर पत्र में कहा गया है कि राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने रेड्डी की अध्यक्षता वाले गुट को मान्यता देने से पहले तथ्यों की समीक्षा और प्रक्रियात्मक अनुपालन की जांच की थी। हालांकि मंत्रालय ने आईओए को ओलंपिक चार्टर का पालन करने, मामले की समीक्षा करने और संचालन संस्था के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए उचित उपाय करने की सलाह दी है।

सेना के जवान, पहलवान संग्राम सिंह फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल को बढ़ावा देंगे

नई दिल्ली। फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल पहल की लय बरकरार रखते हुए भारतीय सेना के जवान और पहलवान संग्राम सिंह रविवार को मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में ड्रग्स के खिलाफ अभियान में हिस्सा लेंगे। खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल अभियान की शुरुआत की थी। ंग्राम सिंह एक भारतीय मिश्रित मार्शल आर्ट (फाइटर और पूर्व राष्ट्रमंडल हैवीवेट कुश्ती चैंपियन हैं। यहां मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम में 500 से अधिक साइकिल चालकों के भाग लेने की संभावना है जिसमें साइ के शिविर में शामिल खिलाड़ी और राष्ट्रीय राजधानी में विभिन्न साइकिलिंग क्लबों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा.लि. सी-26 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।